जयपुर
माहेश्वरी पत्रिका
वर्ष 13 ❖ अंक 01 ❖ जून 2022 ❖ मूल्य 10 रु.
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की प्रस्तुति

गुरु पूर्णिमा

बंदउँ गुरु पद पदुम परागा
प्रणाम !!!

‘गुरु यानी पूर्णता। सिद्धि। सर्वोच्चता।’

60 सालों से आपके विश्वास पर खरी

माहेश्वरी चाय

माहेश्वरी चाय

स्थापित-1961

आपके कप की चाय

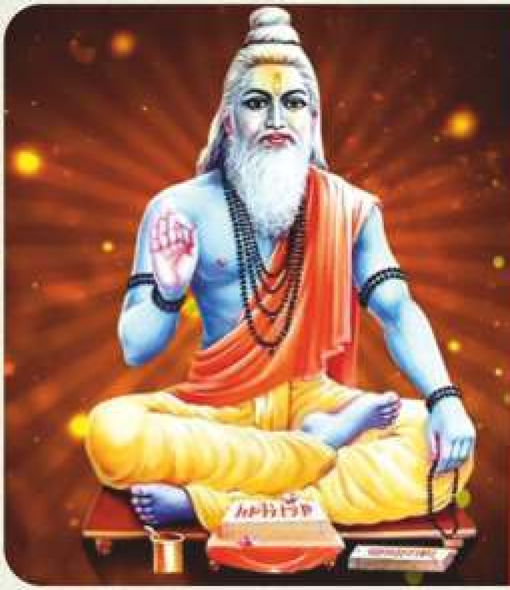

करता करे ना कर सके,
गुरू करे सब होय।
सात द्वीप नौ खंड में
गुरू से बड़ा ना कोय।।

" गुरू पूर्णिमा "

की हार्दिक शुभकामनाएं

VOCAL FOR LOCAL

आसाम के बागानों की चुनिंदा चाय

माहेश्वरी टी कम्पनी प्रा. लि. जयपुर

फोन : 0141 - 2740919, 2312723

contact@maheshwaritea.com | www.maheshwaritea.com

Follow Us : www.instagram.com/maheshwari_chai www.facebook.com/maheshwaritea

मिलते - जुलते नाम व पैकिंग से सावधान

SIDDHI

उच्च शिक्षा और खेल के क्षेत्र में भी बनाना होगा कीर्तिमान

प्रदीप बाहेती

यह बात शाश्वत सत्य है कि शिक्षा व संस्कारों से ही एक अच्छे समाज का निर्माण होता है। अच्छे समाज से एक अच्छा देश बनता है। कहा गया है कि धन की रक्षा तो आपको करनी पड़ती है, जबकि शिक्षा आपकी रक्षा करती है। शिक्षा ही एक ऐसी वस्तु है, जिसका जितना दान किया जाए, यह उतनी ही बढ़ती है। इसे कोई चुरा भी नहीं सकता। मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि हमारे पूर्वज कितने दूरदर्शी रहे होंगे, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा की लौ जलाई। करीब 97 वर्ष पहले जब उन्होंने शिक्षा दान करने का प्रण किया था, उस समय नाम मात्र की भी सुविधाएँ उनके पास नहीं थीं। पर उनमें जो जज्बा था, उत्साह था, इच्छाशक्ति थी, उसके सामने यह असुविधाएँ कुछ भी नहीं थीं। उनके इस कठिन संघर्ष का विवरण ''विद्या ददाति विनयं'' पुस्तक में दिया गया है। इसका हाल ही में लोकार्पण किया गया।

आज हमने भले ही शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियाँ हासिल कर ली हों, पर हमारा सफर अभी रुका नहीं है। हमें अभी और कई कीर्तिमान स्थापित करने हैं। समाज ने स्कूल तो प्रचुर संख्या में खोल लिए अब जरूरत है कि वह उच्च शिक्षा, स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के क्षेत्र में प्रयास कर यह सपना साकार करें। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के लिए तो हम बहुत समय से प्रयास कर रहे थे, लेकिन कोरोना के कारण यह प्रयास अधूरे रहे। इस दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत है। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी इसलिए जरूरी है, ताकि इससे राज्य के बच्चे इसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर खेल क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा दिखाकर राज्य का नाम ऊँचा कर सकें। अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान से बहुत ही कम खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना पाते हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य व चिकित्सा के क्षेत्र में भी हमें अभी बहुत काम करना है।

समाज का काम हर वर्ग के हित के लिए सुविधाएँ जुटाना होता है। इस क्षेत्र में छोटे सामुदायिक केन्द्रों की जरूरत बहुत दिनों से महसूस की जा रही है। यह सपना भी साकार करना होगा। हम सबको इस सम्बन्ध में मंथन करना होगा, सहयोग के लिए आगे आना होगा।

समाज बन्धुओं, पाठकों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएँ।

"गुरु–शिष्य परंपरा भारतीय सनातन परंपरा है। गुरु शब्द ब्रह्म रूप है। गुरु व्यक्त और अव्यक्त रूप से समग्र विश्व में व्याप्त है। गुरु असहज प्राप्ति को सहज बनाता है और गुरु ही मोक्ष का द्वार है।"

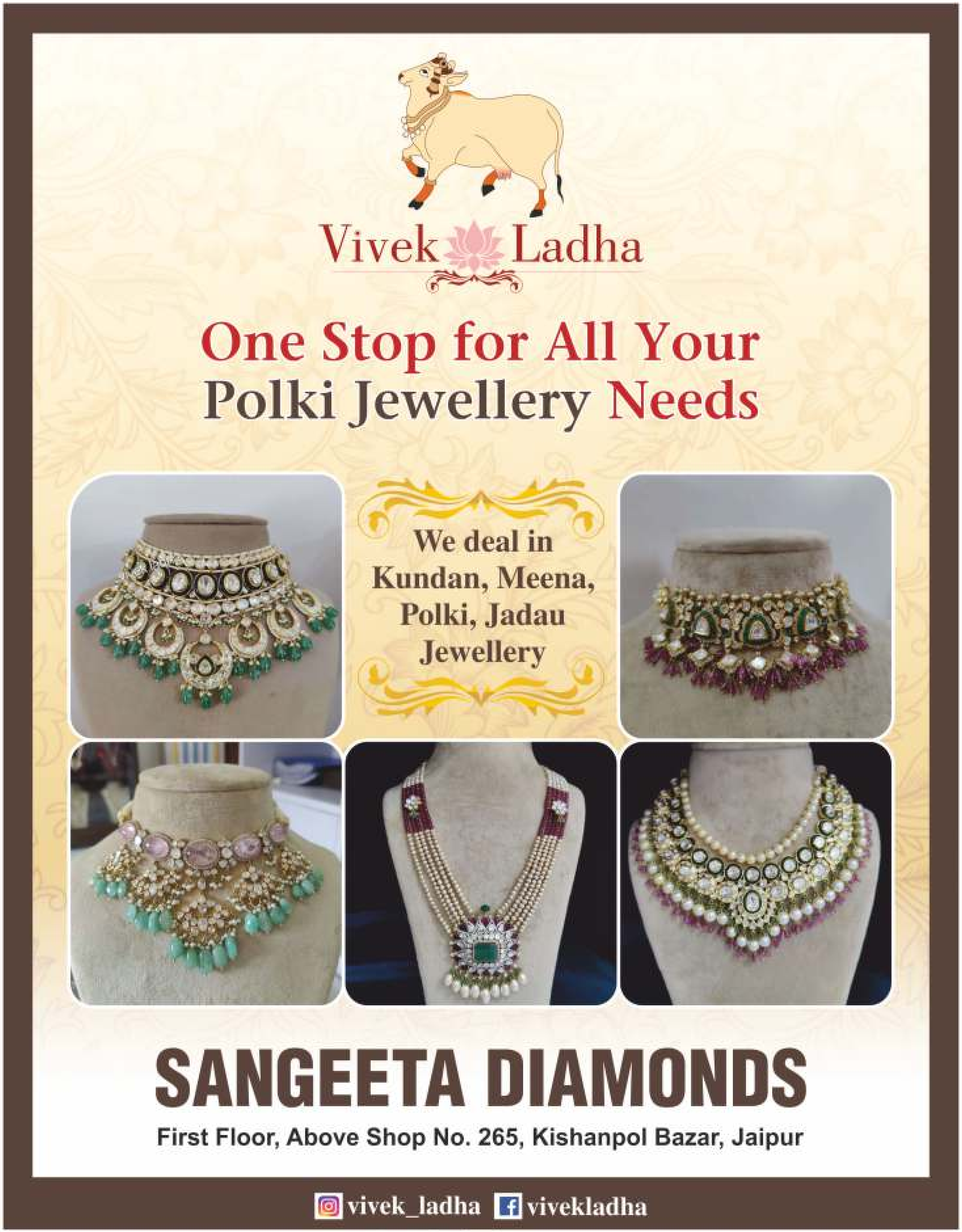
Vivek Ladha
One Stop for All Your
Polki Jewellery Needs
We deal in
Kundan, Meena,
Polki, Jadau
Jewellery
SANGEETA DIAMONDS
First Floor, Above Shop No. 265, Kishanpol Bazar, Jaipur
vivek_ladha
vivekladha

वर्ष 13 | अंक 01 | जून, 2022
RNI NO. RAJBIL/2010/36984

2621644
2623500
2621100

जयपुर
माहेश्वरी पत्रिका
JAIPUR MAHESHWARI PATRIKA
प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर
पंजीकृत कार्यालय : श्री माहेश्वरी भवन, सिंधी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com
jmpatrika@gmail.com
Website : www.maheshwarisamajjaipur.com

विशेषांक प्रस्तुति :
चन्द्रमोहन शारदा
सलाहकार :
रमेश चन्द जाखोटिया
(संगठन मंत्री)
बृजमोहन बाहेती
संध्या चितलांग्या
राजेन्द्र गट्टानी
जयकृष्ण पटवारी
प्रबन्ध सम्पादक :
सुनील अजमेरा (मालवीय नगर)
सह-प्रबन्ध सम्पादक :
विनोद अजमेरा
सह-सम्पादक :
सी.ए. राजकुमार गट्टानी
सी.ए. दिलीप सारड़ा
निरंजन राठी
सतीश नागौरी (सोपानीवाल)
किशन स्वरूप कालानी
पंकज काबरा
प्रवीण भूतड़ा
पंकज चितलांग्या
सम्पादकीय टीम :
सुनील कुमार नौगजा
सुभाष काबरा
द्वारका प्रसाद तापड़िया
कमल किशोर मूंदड़ा
बालकृष्ण जाजू 'बालक'
सी.ए. वरूण धूत
महेश अजमेरा
श्याम रतन पटवारी
लालचन्द कचौलिया
विज्ञापन समन्वयक :
श्रीकिशन अजमेरा
रामकृष्ण बागला
विज्ञापन सह-संयोजक :
नवलकिशोर माहेश्वरी (सोपानीवाल)
अंकुर बल्लभ चितलांगिया
विज्ञापन संकलन टीम :
देवेन्द्र झंवर, गोपाल तामड़ी
जयकुमार चांडक
सी.ए. योगेश जाजू
अमित चांडक
डॉ. रमेश मालू
साज-सज्जा
कैलाश प्रजापत
आभार : राजस्थान पत्रिका, भास्कर।
गोपाल लाल मालपानी-महामंत्री द्वारा
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक व मुद्रक

गोपाल लाल मालपानी
महामंत्री

सतीश कुमार सारडा
प्रचार मंत्री

रामदास कोठ्यारी
संपादक

संगठन में ही शक्ति -सेवा का सम्मान जरूरी

जब भी समाज की बात आती है, उसके लिए कुछ करने की बात आती है। सबसे पहले यही सवाल उठता है कि वह कितना संगठित है। बिना संगठित हुए कोई भी समाज तरक्की नहीं कर सकता। संगठित होते ही आपसी मनमुटाव अपने आप समाप्त हो जाते हैं। जहाँ मनमुटाव नहीं होगा, वहाँ विकास तो होगा ही। इस विकास में समाज के सेवाभावी कार्यकर्ताओं का योगदान रहता है। वे पूरे समर्पण भाव से विभिन्न कार्यों में लगे रहते हैं।

माहेश्वरी समाज इसका जीता-जागता उदाहरण है। यहाँ सेवाभावी व्यक्तियों की कमी नहीं है। लगभग हर आयोजन में उनकी सक्रियता-सहभागिता दिखाई पड़ती है। ऐसे लोग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। समाज ऐसे लोगों का समय-समय पर सम्मान भी करता रहता है। सेवा का सम्मान करने से उनका उत्साह बढ़ता है।

माहेश्वरी समाज इसमें कभी पीछे नहीं रहा। उसने हमेशा कार्यकर्ताओं का सम्मान किया, क्योंकि समाज के कार्यों व आयोजनों की जिम्मेदारी इन्हीं कार्यकर्ताओं पर होती है, जिसे वे बखूबी निभाते हैं। वह हमारे परिवार के सदस्यों की तरह होते हैं। परिवार के जो सदस्य अच्छा काम करते हैं, उनका सम्मान करना जरूरी होता है। प्रशंसा के दो बोल बोलने से बेगाने भी अपने हो जाते हैं। सेवाभावी साथियों का बार-बार आभार!

कुछ ही दिन बाद गुरु पूर्णिमा पर्व आने वाला है। जीवन में गुरु का स्थान सबसे ऊँचा होता है। गुरु को ईश्वर से भी बड़ा बताया गया है। महाकवि कबीर ने कहा है-

गुरु-गोबिन्द दोऊ खड़े,काके लागूं पाय,
बलिहारी गुरु आपने,गोबिंद दियो बताय।

गुरु ही हमारा ईश्वर से परिचय करवाता है। इसलिए वह महान है। गुरु की महिमा का बखान शब्दों में नहीं किया जा सकता। उन्हीं की वजह से हमें संस्कार मिलते हैं। गुरुओं के आदर व सम्मान की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है। हमें इसी परंपरा का निर्वाह करते रहना है। इसी में सबका कल्याण है। समाज की शिक्षण संस्थाएँ इन्हीं गुरुओं के बल पर ही फल-फूल रही हैं। किसी ने सच ही कहा है कि गुरु का कोई विकल्प नहीं।

सभी को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएँ।

रामदास कोठ्यारी
- संपादक

स्वाद की बात - सेहत के साथ

Gangaur™

SINCE 1974

बेसन • आटा • दलिया • मैदा • सूजी • मसाले
तेल • दालें • चीनी • बूरा • पोहा • साबूदाना

गणगौर घर लाएं, पकवान बनाएं सबको बताएं और उपहार लें जाएं।

STEP 1

SCAN HERE

Like our page @gangaurproducts on Facebook

STEP 2

Share a photo/video of your dish along with Gangaur product pouches on our Facebook Inbox

STEP 3

Post a review on our Facebook page @gangaurproducts

3 Lucky winners will receive gift hampers from Gangaur every month!

आशीष मंत्री (गणगौर बेसन)
+91-9309485200

आज ही ऑर्डर करें www.gangaurproducts.com से और पाएं हर कण में शुद्धता का वादा!

MANTRI FOOD INDUSTRIES
Plot No. G/1-458(C), Behind Priya Dharma Kanta,
Shiva Hotel Road, Road No. 12, V.K.I. Area, Jaipur (Raj.)
Phone: 0141-4015444 | www.gangaurproducts.com

SCAN & BUY

Follow us for latest updates !
@gangaurproducts

Available on amazon

fssai

जीवन रहते रक्तदान, मरणोपरान्त नेत्रदान-देहदान

गुरु बिन ज्ञान कहाँ?

हमारा देश संतों की भूमि है। कोई काल ऐसा नहीं होगा, जब संत नहीं रहे हैं। इसका कारण है- आधिदैविक सिद्धान्त। यह हमारी संस्कृति का अनूठा तत्त्व है, जो अन्य देशों की संस्कृति में देखने को नहीं मिलता। हमारे शरीर में जो आध्यात्म का अंश है, वह आधिदैविक सिद्धान्त को समझने पर ही समझ आ सकता है। हमारे देश में संतों का स्मरण करने की परम्परा रही है। संतों ने अभावों के बीच जीते हुए समाज को एक सूत्र में बांधे रखा। हम संत को ईश्वर की संतान मानते हैं। हम खुद को भी ईश्वर की संतान मानते हैं। संत अपना विशेष अंश लेकर पैदा होते हैं और वे हमें मार्गदर्शन के लिए उपलब्ध होते हैं। सवाल यह है कि क्या हममें से कोई उस श्रेणी तक नहीं पहुँच सकता? पहुँच तो सकता है। प्रश्न उठता है, क्या हम खुद का कोई आकलन कर पाते हैं या नहीं? क्या हम अपने जीवन को किसी दिशा में चलाना चाहते हैं अथवा नहीं? कोई उद्देश्य लेकर जीना चाहते हैं या नहीं?

चरणदास की स्मारिका में एक पंक्ति बहुत अच्छी लगी, जो गीता में कृष्ण ने कही है। उन्होंने कहा है- अहंकार का तिरोहन होना चाहिए। मैं समझता हूँ, उसके बिना कोई भी शिखर पर नहीं पहुँच सकता। अच्छे कामों का श्रेय लेना भी हमारे अहंकार का द्योतक है। अहंकार और कुछ नहीं है, वह हमारे भीतर बुद्धि रूप में सदा बैठा रहता है। अहंकार से मुक्त होना तो संभव नहीं है, लेकिन इसको हम अल्पतम करके जी सकते हैं और इस कार्य के लिए ही गुरु की जरूरत है। यह हमारी समझ में अपने आप कभी नहीं आ सकता।

हम आध्यात्म के भीतर कैसे जाएं? कैसे अपनी वृत्तियों को समझें? कैसे अपने मन को समझें? जो मन में इच्छाएं पैदा हो रही हैं, उनकी दिशाओं को समझें। इन सबके लिए गुरु की जरूरत होती है। और ऐसा भी नहीं है कि गुरु को शिष्य की जरूरत नहीं होती? गुरु को भी शिष्य चाहिए वरना वे अपने ऋषि ऋण से मुक्त नहीं हो सकते। यह भी हमारी एक परम्परा है। तो अच्छा गुरु वह होगा, जिसने अपने जीवन में अच्छे काम किए हैं। अच्छा ज्ञान जिसने अर्जित किया है। गुरु भी सुपात्र शिष्य की तलाश में रहता है। जिसके मन में ज्ञान के प्रति जिज्ञासा है, वो भी अच्छे गुरु की तलाश में रहता है। जहां दोनों का मेल होता है, आप समझ लीजिए, रास्ता मिल गया।

गुरु की एक बहुत बड़ी विशेषता यह भी है कि वह शिष्य को अपने जैसा बना देता है। अपनी प्रतिकृति, अपना प्रतिबिम्ब बना देता है। जो कुछ उसने अपने जीवन में अर्जित किया, वह सब कुछ अपने शिष्य के भीतर स्थायी रूप से स्थापित कर देता है। शिष्य का बाकी काल उसे नए-नए प्रयोग के लिए उपलब्ध होता है। इससे बड़ा दान, यज्ञ और तप नहीं हो सकता। गुरु अपने जीवन की धरोहर दे देता है। भारतीय संस्कृति में यही गुरु की महिमा है। पश्चिमी देशों में गुरु की यह महिमा नहीं दिखाई देती। वहां टीचर होते हैं, जिनका स्टूडेण्ट के साथ कोई नाता नहीं होता। एक साल एक टीचर पढ़ाएगा। अगले साल दूसरा कोई। यहां का गुरु शिष्य के कितने टेस्ट लेता है, वो यहां तक देखता है कि शिष्य कौन से संस्कार लेकर पैदा हुआ है? पिछले जन्म में उसने कितना ज्ञान अर्जित किया है और मुझे कहां से आगे शुरू कराना है? यह छोटा काम नहीं है। कोई उपकरण ऐसा टेस्ट नहीं ले सकता।

जिनको हम गुरु कह रहे हैं, उन गुरु की यह क्षमता है कि वे व्यक्ति के इस धरातल को छू सकते हैं और उनको बदल सकते हैं। भारतीय संस्कृति में इसी जीवन में रहते हुए जीवन से मुक्त होने की परम्परा है। यह जीवन समाप्त हो गया, तो हम मोक्ष का प्रयास कैसे कर पाएंगे? जो कुछ करना है, इस शरीर के रहते हुए करना है। इस अवधारणा ने हमारे तीनों सिद्धान्त-आधिदैविक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक का प्रारूप तैयार किया है, आम व्यक्ति के लिए।

यह इस संस्कृति की इतनी बड़ी देन है कि आज तक हमें कोई विचलित नहीं कर पाया। पिछले कुछ वर्षों में हमारी संस्कृति पर कितने कुठाराघात हुए? कितनी संस्कृतियां आकर जा चुकीं? लेकिन आज तक हम अपनी एक भी धरोहर को खो नहीं पाए। जहां हाथ डालते हैं, वहीं लगता है कि बहुत कुछ हमारे मतलब की बातें हैं।

हमारी शिक्षा की सबसे बड़ी कमजोरी है कि कोई भी लक्ष्य बनाकर जीने को तैयार नहीं है। हर कोई जीना चाहता है, लेकिन विडम्बना यह है कि उसे पता ही नहीं कि वह क्यों जीना चाहता है? क्या करना चाहता है जीकर? कहां पहुँचना चाहता है? क्या बनना चाहता है? यह लक्ष्य-बोध नहीं है। आज की शिक्षा में तो यह दिशा-निर्देश बिलकुल भी नहीं है।

तो फिर सृष्टि के अन्य प्राणियों के जीवन और हमारे जीवन में अन्तर कहां रह गया? एक ही तो अन्तर है। कुछ मामलों में हम अपने भाग्यविधाता हैं। हम निर्णय कर सकते हैं, उस निर्णय को अपने पर लागू कर सकते हैं। दूसरे प्राणी नहीं कर सकते। उनको प्रकृति के नियमों के आधार पर ही जीना और मर जाना है। उनको हम भोगयोनि कहते हैं। हम कर्मयोनि में हैं। कर्मयोनि को सार्थकता देने का काम एक गुरु ही कर सकता है। दूसरा कोई नहीं। मां-बाप भी नहीं।

इसीलिए हम कहते हैं- गुरु द्विज बनाता है, पुनर्जन्म देता है। आँखें खोलता है। अपना स्वरूप समझाता है। फिर भी हमारा अहंकार होता है कि ज्ञान मेरा है। हम यह मान लें कि जिस ज्ञान के साथ मैं जी रहा हूँ, वह मेरा नहीं है, गुरु प्रदत्त है, तो शायद अहंकार रास्ते में नहीं आएगा।

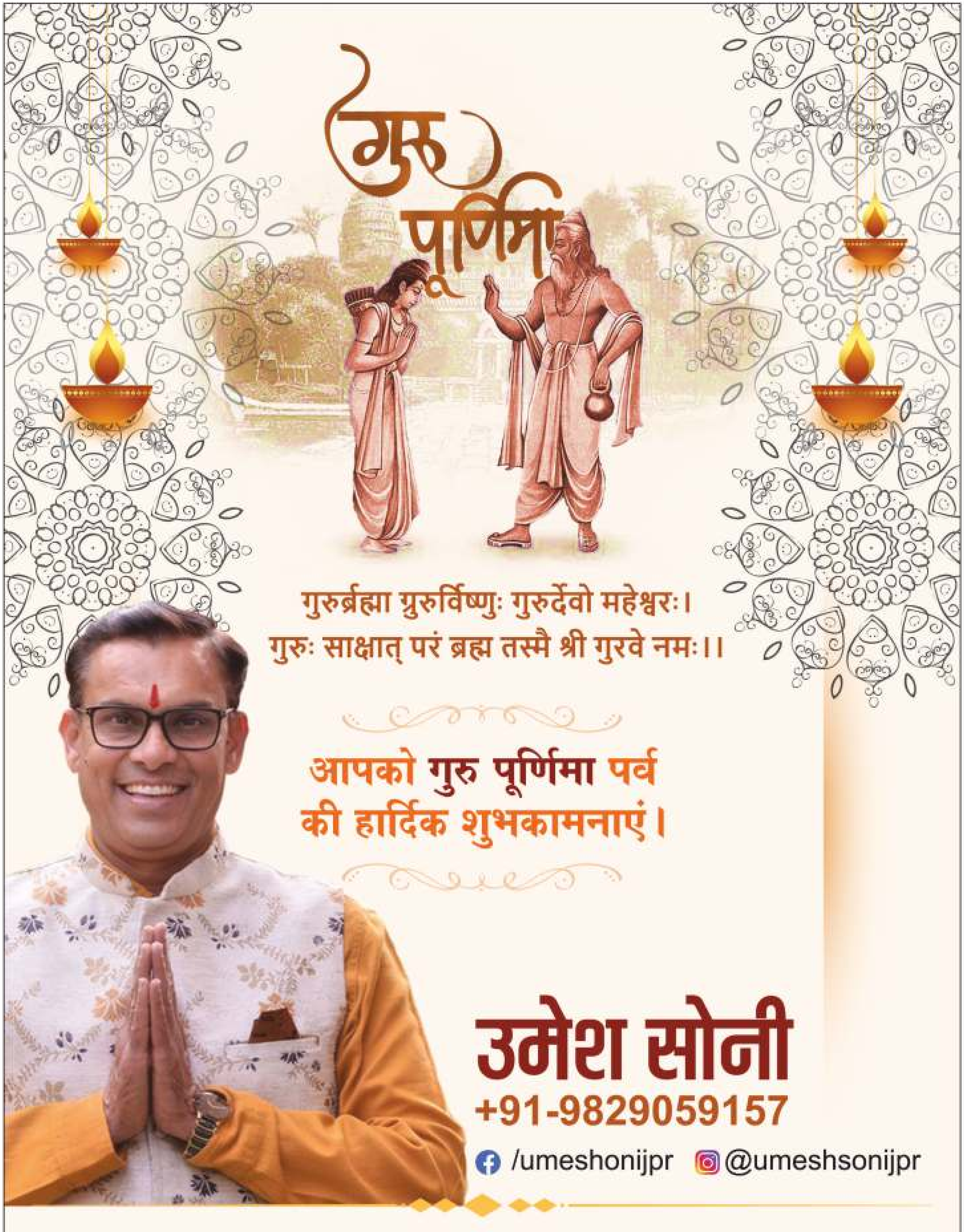
गुरु पूर्णिमा
गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।।
आपको गुरु पूर्णिमा पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं।
उमेश सोनी
+91-9829059157
/umeshonijpr
@umeshsonijpr

जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए दोनों तरह के गुरु जरूरी हैं, ऐसे गुरु जो हमें आध्यात्मिक और सांसारिक दोनों तरह का ज्ञान दे सकें।

महाभारत में द्रोण सांसारिक गुरु हैं तो कृष्ण आध्यात्मिक मार्ग दिखाते हैं।

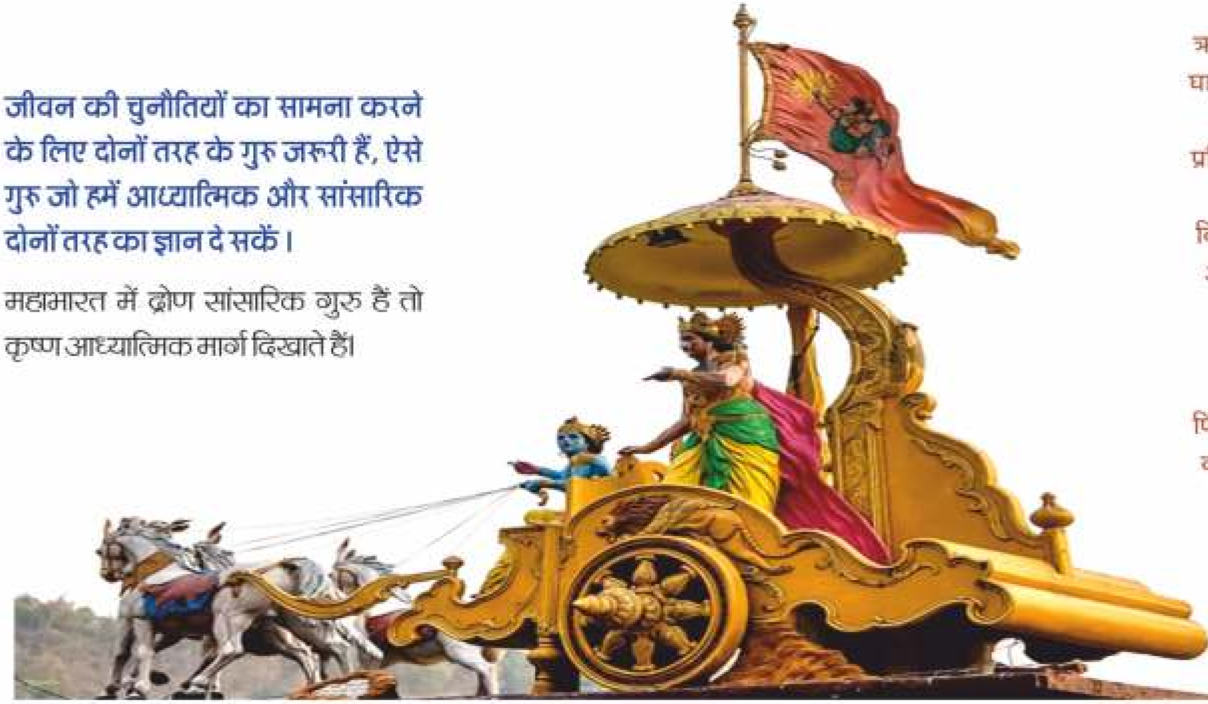

ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट पर स्थित कृष्ण और अर्जुन की प्रतिमा। इस प्रतिमा में दर्शाया गया है कि रणभूमि में खड़े अर्जुन अपने सगे-संबंधियों को देखकर हथियार नीचे रख देते हैं। फिर कृष्ण एक गुरु की तरह उन्हें गीता के रूप में आध्यात्मिक ज्ञान देते हैं।

हमें कैसे गुरु चाहिए?

रामायण में राम के दो गुरु हैं : वशिष्ठ और विश्वामित्र। और इन दो गुरुओं में बड़ा अंतर है। वशिष्ठ वैदिक ज्ञान से जुड़े हुए हैं। राम अपना अध्ययन पूरा करने के बाद विश्व की यात्रा करते हैं। इस यात्रा से वे विश्व के मायावी स्वरूप से निराश होकर लौटते हैं और इसलिए सांसारिक जीवन में कोई दिलचस्पी नहीं रखते।

भयभीत होकर राम के पिता दशरथ, वशिष्ठ ऋषि से मदद मांगते हैं। राम से मिलकर वशिष्ठ ऋषि घोषणा करते हैं कि असल में राम की यह परिस्थिति अच्छी है क्योंकि वे अब वेदों के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान को प्राप्त करने के लिए तैयार हैं। इसके बाद वशिष्ठ लगातार 21 दिनों तक राजदरबार में योग वशिष्ठ सुनाते हैं। यह सुनकर राम विश्व की वास्तविकता के सच्चे स्वरूप को समझते हैं। इससे प्रबुद्ध होकर सांसारिक जीवन के प्रति उनकी बेचैनी दूर हो जाती है।

एक सीख जो उन्हें मिलती है, वह है सहसंबंध और कारणत्व में अंतर। जब कौवे के पेड़ पर बैठने के बाद, नारियल पेड़ से गिरता है तो इसका मतलब यह नहीं कि कौवा कारण है और नारियल का गिरना उस कारण का परिणाम है। ऐसी घटनाएं जो संयोगवश होती हैं, उन्हें हम अक्सर एक-दूसरे का कारण समझने लगते हैं और इसकी वजह से दुनिया में बहुत सारे दु:खों का निर्माण होता है। एक और सीख यह है कि जैसे अस्थिर पानी में चांद के कई प्रतिबिंब दिखाई देते हैं, वैसे ही अशांत मन के कारण हम वास्तविकता के कई रूप देखते हैं, लेकिन सत्य को नहीं देख पाते।

विश्वामित्र, वशिष्ठ से बहुत अलग गुरु हैं। राजा के रूप में जन्मे विश्वामित्र ऋषि बनने के पहले एक महान योद्धा थे। दशरथ के विरोध के बावजूद वे राम को वन में ले जाते हैं। वहां वे राम के हाथों राक्षसी ताड़का का वध करवाते हैं, जिसने उनके यज्ञ में विघ्न डाला था। फिर वे राम के हाथों ऋषि गौतम की पत्नी अहिल्या को पुनर्जीवित करवाते हैं, जिसे पतिलंघन के आरोप में पत्थर में बदल दिया गया था। इस तरह उनके कहने पर राम जीवन लेते भी हैं और

जीवन प्रदान भी करते हैं। वे राम को उनके महान् पूर्वजों की कहानियां बताते हैं- कैसे राजा सागर ने महासागर का निर्माण किया और कैसे राजा भगीरथ की तपस्या से गंगा धरती पर बहने लगी। आखिर में वे राम को मिथिला ले जाते हैं जहां राम शिव के धनुष पर प्रत्यंचा बांधकर जनक की बेटी सीता से विवाह करते हैं।

इस तरह वशिष्ठ राम को आध्यात्मिक ज्ञान देते हैं, जबकि विश्वामित्र उन्हें सांसारिकता सिखाते हैं। वशिष्ठ राम के परिदृश्य में विस्तार लाते हैं, जबकि विश्वामित्र उनके ध्यान को वर्तमान में केंद्रित करते हैं। दोनों ही मान्य हैं।

महाभारत में इसी विचार को अलग तरीके से प्रस्तुत किया गया है। गुरु द्रोण पांडवों को सांसारिक ज्ञान देते हैं : धनुर्विद्या, जो उन्हें युद्ध लड़ने और दुश्मनों पर विजय प्राप्त करने में मदद करती है। लेकिन कृष्ण उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान देते हैं, वैदिक ज्ञान जो उन्हें दुनिया को समझने में मदद करता है, जो अर्जुन को अपनी निराशा और दुविधा को भुलाने में सक्षम बनाता है।

रामायण और महाभारत दोनों में वैदिक या आध्यात्मिक ज्ञान नायकों को सांसारिक जीवन जीने में सक्षम बनाता है। यह ज्ञान उन्हें वैरागी नहीं बनाता, बल्कि उन्हें राजाओं व योद्धाओं में बदलने में मदद करता है। विश्वामित्र और द्रोण की सीखें व्यावहारिक होते हुए राम और पांडवों को लक्ष्य तक पहुँचने में भले ही सक्षम बनाती हों, लेकिन वह उन्हें जीवन के नैतिक मुद्दों का सामना करने में सक्षम नहीं बनातीं। सक्षम बनाती हैं वशिष्ठ और कृष्ण की सीखें।

इस तरह जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए दोनों तरह के गुरु जरूरी हैं, ऐसे गुरु जो हमें आध्यात्मिक एवं सांसारिक ज्ञान दोनों दें। दोनों ज्ञान मिलने पर ही हम संतोषजनक जीवन जी सकते हैं।

गुरु विश्वामित्र के सानिध्य में सीता स्वयंवर में धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाते राम। यह विश्वामित्र के सांसारिक ज्ञान का उदाहरण है।

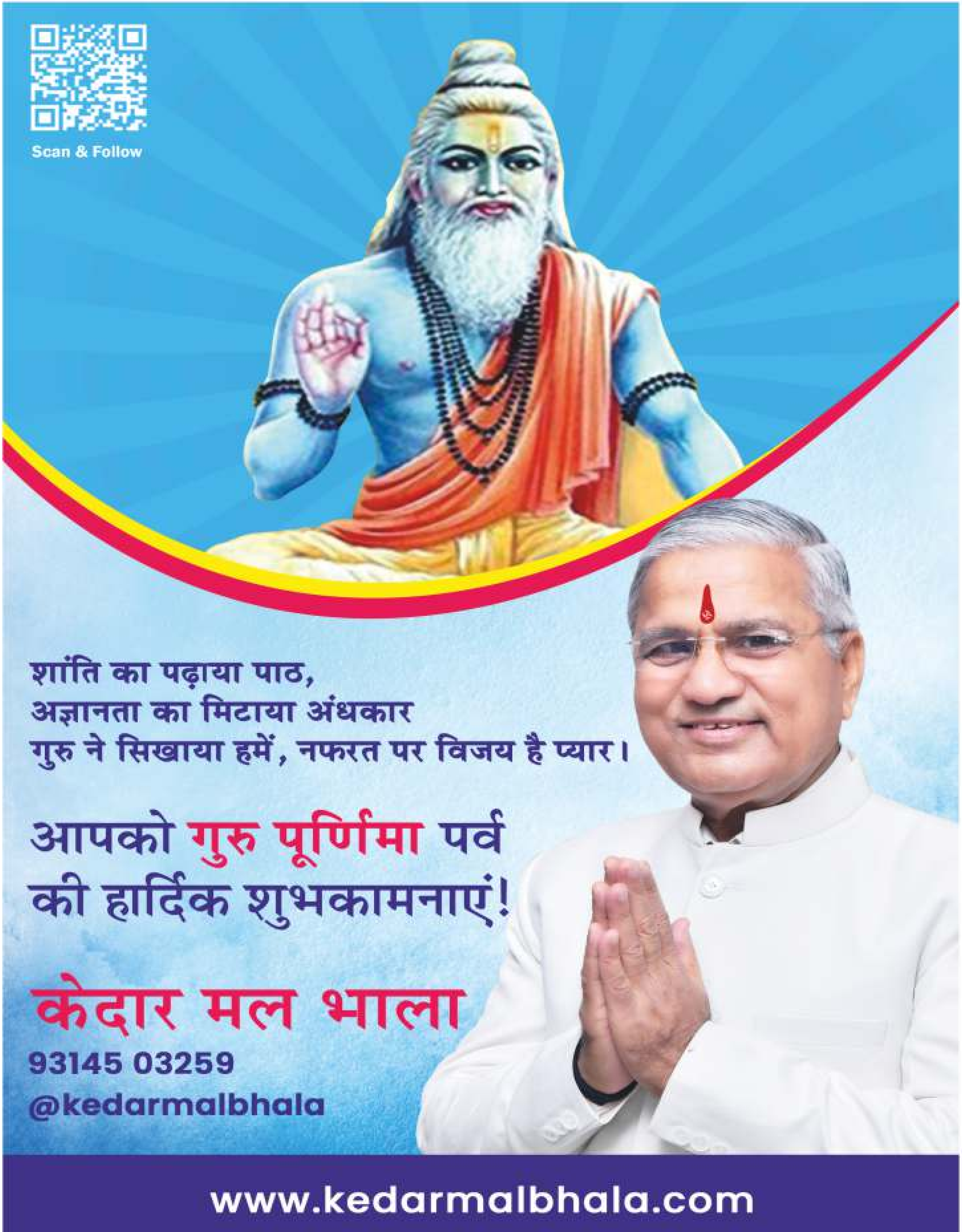
Scan & Follow
शांति का पढ़ाया पाठ,
अज्ञानता का मिटाया अंधकार
गुरु ने सिखाया हमें, नफरत पर विजय है प्यार।
आपको गुरु पूर्णिमा पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं!
केदार मल भाला
93145 03259
@kedarmalbhala
www.kedarmalbhala.com

गुरु का गुरुत्वाकर्षण

कई बार हम किसी व्यक्ति से ऐसे मिलते हैं कि हम स्वयं को उसके समक्ष बिना किसी कारण के, बिना किसी उधेड़-बुन के, ज्यों का त्यों छोड़ देते हैं। परत दर परत स्वयं को उघाड़ देते हैं। न छिपाते हैं न हिचकिचाते हैं। हम स्वयं ही नहीं समझ पाते कि अचानक किसी से इतना लगाव, इतना अपनापन और इतना भरोसा क्यों? हम बस उसके होकर रह जाते हैं। कुछ सीखने और समझने के लिए मन स्वत: ही बंद किवाड़ खोल देता है। ऐसा लगता है कि जैसे मिल गई मंजिल, मिल गया किनारा, मिट गई थकान। अब कहीं और रुख करने की जरूरत नहीं। अब मैं वहां पहुँच गया हूँ जहां मुझे घंटों कुछ कहने या समझाने की जरूरत नहीं। समय और ऊर्जा को गंवाने की आवश्यकता नहीं। सामने वाला मेरी अनकही को, खामोशी को कहने में माहिर है, मेरे उलझे हुए भावों को सुलझाने में माहिर है, आँखों में डूबे अश्कों को उबारने की कला जानता है। उससे बात करके, उसको सुनकर ऐसा लगता है अरे यह तो मुझे कहना था। यह शब्द, यह बोल, यह सिसकियां, यह कश्मकश, यह प्रश्न और ये जिज्ञासाएं तो मेरी थीं। यह अनुभव, यह अफसाना तो मेरा था, सामने वाला इनसे कैसे और कब वाकिफ हो गया? वो मुझे मुझसे बेहतर कैसे जानता है? वो मुझे मेरी संतुष्टि के तल पर कैसे अभिव्यक्त कर रहा है? कैसे मेरे भटकाव को विराम, मेरे इंतजार को परिणाम और गुमराहपन को राह दे रहा है!

ऐसा कोई और नहीं, गुरु ही हो सकता है। और ये सब कोई चमत्कार नहीं गुरु की अपनी विशेषता उसका अपना गुरुत्वाकर्षण है। जिसके प्रभाव से सामने वाला बिना किसी निमंत्रण के खिंचा चला जाता है और स्वयं को पूर्ण समर्पित कर देता है। स्वयं का समर्पण ही गुरु से निकटता का माध्यम है। परंतु किसी अनजान, अपरिचित के समक्ष यह समर्पण कैसे संभव हो जाता है? कैसे जीवन बने-बनाए फलसफों को छोड़कर नए रास्तों पर चलने को राजी हो जाता है? ये आस्था कहां से पैदा होने लग जाती है? क्यों किसी के सामने बेचैन मन शांत होने लग जाता है? क्यों किसी से मिलकर जीने की, कुछ नया होने की इच्छा पैदा होती है? क्यों हम स्वयं को इतनी बेफिक्री से दूसरे के हाथों सौप देते हैं?

यही तो गुरु का गुरुत्वाकर्षण है कि एक बार समग्रता से जिसने स्वयं को छोड़ दिया वो बस उसका हो जाता है। फिर उसको कुछ और नहीं भाता। वास्तविक गुरु की पहचान ही यह है कि जो उसके आसपास से गुजर जाता है वह उसका हो जाता है। जो उसकी आँख से आँख मिला लेता है उसका हरण हो जाता है और गुरु उसकी सारी बाधाएं हर लेता है। यही सार है गुरु शिष्य के संबंध का। यही स्थिति है पूर्ण समर्पण की। यही परिणाम है शिष्य की यात्रा का। यही सबूत है श्रद्धा और विश्वास का।

गुरु के भीतर ऐसा क्या है जो उसे आम आदमी से अलग करता है, कौन झांकता है उसकी आँखों से जो हमें बस में कर लेता है? कौन लिप्त है उसकी देह में जो उसके आकर्षण को कई गुना कर देता है? कौन विराजता है उसकी जीह्वा पर कि जब भी होंठ खोलता है तो अमृत बरसता है। क्या है गुरु में जो शिष्य को खींच लाता है? क्या है गुरु में जिससे शिष्य जुदा होना भी चाहे तो वापस लौट-लौट आता है? कौन सी कशिश, कौन सा गुण कौन सा आकर्षण है जो गुरु को गुरु बनाता है? वो कौन सी कैसी चुंबक है जो स्थान की दूरी लुप्त कर देती है और अपनी और खींच लेती है?

वह है गुरु का ज्ञान, उसका अनुभव, उसकी साधना और परमात्मा से उसकी आत्मा की संधि। गुरु वह शक्ति है जिसका दर्शन बंद आँखों से भी चारों पहर बना रहता है। गुरु वो है जिसका स्मरण मात्र ही सभी दु:खों से उभार देता है। जिसके अनछुए स्पर्श के सहारे हम भीतर जगत की यात्रा निसंकोच कर लेते हैं। जिसके शब्दों में माधुर्य बसता है और मौन में सुकून समाता है। जिसके आगे हम मिटने को, झुकने को राजी हैं। गुरु वह है जो हमें हमारी सुध दिलाता है और हमें हमसे पार ले जाता है।

वह गुरु है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है, अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाता है। गुरु प्रतीक है ज्ञान रूपी प्रकाश का गुरु के भीतर विराट आकाश मौजूद है तो रत्नों से परिपूर्ण सागर की गहराईयां भी विद्यमान हैं। गुरु देने की भाषा जानता है, गुरु समझने-समझाने का हुनर जानता है, गुरु बिना बोले बहुत कुछ

कह जाता है। गुरु शिष्य से कुछ छीनता भी है तो भले के लिए। गुरु की हर हरकत, हर निर्णय, हर क्रिया-प्रतिक्रिया शिष्य की भलाई के लिए होती है। गुरु का हर इशारा, हर कदम महत्वपूर्ण होता है, उसमें कोई रहस्य, कोई राज, कोई सीख तो कोई भलाई छिपी होती है। बस जरूरत है तो उसे भीतर की आँख से देखने की।

गुरु माली है और शिष्य वृक्ष। गुरु माली की तरह बीज की तलाश करता है फिर उसे उचित समय पर उचित भूमि में रोपित करता है। समय-समय पर उसे जरूरत अनुसार खाद्य-पानी देता है। बीज धीरे-धीरे पौधा बनता है। इस अवस्था में भी माली पौधे की फिक्र और देखभाल में लगा रहता है। कभी प्रतिकूल मौसम तो कभी जंगली जानवर, तो कभी कीटाणुओं से होने वाली बीमारियों से उसे बचाता है। जब वह पौधा बड़ा पेड़ बन जाता है तो माली उसे पानी देना बंद कर देता है। वृक्ष माली की मदद से अपनी जड़ों को स्वयं इतनी गहराईयों तक फैला चुका होता है कि वह अपना इंतजाम अपनी रक्षा स्वयं करना सीख जाता है। अब वह देने के काबिल हो जाता है। यात्रियों को छाया देता है तो पक्षियों को उनका आशियां, फल-फूल देता है, तो अपने अर्क एवं जड़ों द्वारा औषधि के रूप में प्रयोग होता है। हरियाली फैलाकर वातावरण को प्रदूषण से मुक्त रखता है तो वर्षा का माध्यम बन धरती एवं धरती पर रहने वाले प्राणियों की प्यास बुझाता है।

वृक्ष की तरह गुरु भी शिष्य को एक समय, एक स्थिति और एक हद तक सींचता है। गुरु तभी तक देता है जब तक उसे जरूरी लगता है। गुरु शिष्य को मात्र जड़ ही नहीं देता बल्कि उन जड़ों को उनका विस्तार भी प्रदान करता है, जड़ों को उनका सागर दे देता है। फिर गुरु शिष्य को पेड़ की तरह अकेले जीने को छोड़ देता है, और देने की, बांटने की, झुकने की कला सिखा देता है।

फूल पेड़ के होते हैं पर सुगंध उसमें माली की होती है, पत्तियां स्वयं वृक्ष की होती है पर उनमें सौंदर्य माली का होता है। पेड़ का आकार, उसका घनत्व, उसकी छाया सब वृक्ष का होता है पर देख-रेख सब माली की होती है। सबको पेड़ की ऊँचाई दिखती है परंतु उसकी गहरी जड़ें नहीं दिखतीं। सबको पेड़ पर फल दिखते हैं। परंतु बीज को फल में रूपांतरित करने वाला माली, उसकी मेहनत, उसका पसीना नहीं दिखता। गुरु भी ठीक माली की ही तरह होता है और शिष्य वृक्ष की तरह। शिष्य की हर यात्रा में, हर उपलब्धि में, हर भाव-भंगिमा एवं रूपांतरण में गुरु का योगदान होता है जो दिखता नहीं है पर जड़ों की तरह शिष्य के जीवन में सदा संलग्न रहता है।

वृक्ष सदा देता है उसके पास जो भी है, उससे जो भी पैदा होता है या अलग होता है सब का किसी न किसी रूप में उपयोग होता है। वृक्ष देने की भाषा जानता है। वृक्ष को पत्थर मारो या लाठी वह फल ही देगा क्योंकि वृक्ष का स्वभाव देना है।

शिष्य भी देना सीख जाता है, जो पाया है उसे बांटना, लौटाना, सीख जाता है। कैसे भी, उससे कुछ भी कहा जाए उसके हाथ आशीर्वाद के लिए ही उठते हैं और वाणी साधुवाद के लिए। देह की हर हरकतों और वाणी के प्रत्येक शब्द में गुरु ही प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से विद्यमान होता है, अंगूठे से शीर्ष तक सिर्फ रक्त नहीं गुरु की कृपा, उसका नाम भी संचारित होता है।

यही गुरु का आकर्षण है और यही गुरु का जीवन में चमत्कार। गुरु केंद्र है और शिष्य परिधि। बिना केंद्र के परिधि नहीं और बिना गुरु शिष्य का वजूद नहीं। धरती की तरह गुरु का भी एक गुरुत्वार्षण होता है जहां सारी की सारी फेंकी गई चीजें, किए गए प्रयास लौट-लौट कर वापस आते हैं। वृक्षों से झरता फूल, झरनों से बहता जल, वर्षा की नन्हीं बूंद, सूरज से छनती रोशनी सब नीचे धरती की ओर ही बहती है, मानो धरती को धन्यवाद दे रही हो. धरती के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद ले रहे हों, अपनी कृतज्ञता को भिन्न-भिन्न रूपों एवं अवस्थाओं में व्यक्त करती है प्रकृति। यही इस धरती का सौंदर्य है और यही इस धरती पर पैदा होता है, बनता है, संवरता है। सभी की जड़ें, नसें, स्त्रोत एवं माध्यम इस धरती से किसी न किसी रूप में जुड़े हैं तभी तो सभी किसी न किसी रूप में पुन: लौट आते हैं। धरती का प्रगाढ़, अगाध प्रेम सभी को खींच लाता है। धरती के गर्भ में चुंबकीय तत्व उसके स्वयं की साधना, अंतर्यात्रा एवं अनेक रहस्यों का प्रतीक है जो चुंबक बन सबको अपनी ओर खींच लेता है।

गुरु भी धरती की ही तरह है जिसकी भूमि पर अनेकों फल-फूल और वृक्ष लगते हैं। इसीलिए गुरु में इतना आकर्षण है, गुरु में इतनी शक्ति है, गुरु धरती की तरह सहना जानता है तो पैदा करना भी जानता है।

गुरु का हृदय धरती की तरह विशाल है, कहीं कठोर तो कहीं संवेदनशील है। गुरु ऊर्जा का भंडार है। गुरु अपने ज्ञान और अपने अनुभव को स्थानांतरित करने की, सौंपने की कला जानता है। गुरु के भीतर इस सृष्टि को बनाने वाले का वास है। गुरु का देह मंदिर है जिसमें परमात्मा विराजमान है। गुरु बांध है परमात्मा और आत्मा के बीच का। गुरु माध्यम है जिसके सहारे परमात्मा उतरता है। गुरु आशा की किरण है जिसके आसरे शिष्य पनपता है। गुरु माला की वह डोर है जिसके सहारे शिष्य प्रभु के गले से लिपटा रहता है। गुरु का यही गुरुत्वाकर्षण, शिष्य को गुरु से सदा बांधे रखता है। ■

गुरु के ज्ञान से ही सुधरती है जीवन की दशा

विश्व में सर्वोत्तम योनि मानव योनि है इसमें ही सद्‌गुरु की कृपा से परमात्मा को जानकर जीव मोक्ष और मुक्ति पा सकता है इससे ही वह चौरासी के चक्र से मुक्ति पाकर आवागमन के चक्र से मुक्त हो पाता है।

'बड़े भाग्य मानुष तन पावा, सुर दुर्लभ सब ग्रंथही गावा'। अर्थात मनुष्य योनि बड़े भाग्य से मिलती है यह देवताओं के लिए भी दुर्लभ बताई गई है वह भी इस मानव योनि के लिए तरसते हैं इस योनि में ही परमात्मा को जानकर उसका स्मरण किया जा सकता है। इस योनि में ही सारे जीवों के प्रति प्रेम दया का भाव रख पाता है इसलिए कहा भी गया है 'हरि व्यापक सर्वत्र समाना, प्रेम से प्रकट होत मैं जाना'। परमात्मा सृष्टि के कण-कण में विद्यमान है और वह प्रेम से ही प्रकट होते हैं जहां प्यार, नम्रता, मिलवर्तन, भाईचारा, आदर, सत्कार है वहां पर परमात्मा का वास बताया गया है 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अधिमाई। परोपकार की भावना को जागृत रखना होगा पराई पीड़ा को अपना समझ कर सेवा करनी होगी इस दिव्यता को धारण करने वाला धर्मी कहलाता है। पर विडम्बना है कि इंसान धारण को भूलकर धारणा में बह गया है, क्योंकि कोई भी धर्म मारकाट, आपस में बैर रखना नहीं सिखाता सदगुरु ही बैर नफरत विरोध को समाप्त कर इसे राम से मिलाते हैं। इसको ही आधार बनाकर जीवन जीना है, कोई हंसकर जिया, कोई रोकर जिया, जीना उसी का मुबारक हुआ जो गुरु का होकर जिया। गुरु के द्वारा प्रदत-ज्ञान से ही जीव की दशा सुधरती है जिसने भी अपने आप को गुरु चरणों में समर्पित कर दिया फिर उसका लोक और परलोक दोनों सुधर जाते सोहेला हो जाता हैं।

सद्गुरु के पूजन का पर्व

गुरु पूर्णिमा अर्थात् सद्गुरु के पूजन का पर्व। गुरु की पूजा-गुरु का आदर किसी व्यक्ति की पूजा नहीं है, व्यक्ति का आदर नहीं है अपितु गुरु की देह के अंदर जो विदेही आत्मा है-परब्रह्म परमात्मा है उसका आदर है, ज्ञान का आदर है, ज्ञान का पूजन है, ब्रह्मज्ञान का पूजन है।

गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। वशिष्ठ जी महाराज के पौत्र पराशर ऋषि के पुत्र वेदव्यास जी जन्म के कुछ समय बाद ही अपनी माँ से कहने लगे-'अब हम जाते हैं तपस्या के लिये।' माँ बोली-बेटा! पुत्र तो माता-पिता की सेवा के लिये होता है। माता-पिता के अधूरे कार्य को पूर्ण करने के लिये होता है और तुम अभी से जा रहे हो?' व्यास जी ने कहा-'माँ! जब तुम याद करोगी और जरूरी काम होगा, तब मैं तुम्हारे आगे प्रकट हो जाऊँगा।' माँ से आज्ञा लेकर व्यास जी तप के लिये चल दिये। वे बदरिकाश्रम गये। वहाँ एकान्त में समाधि लगाकर रहने लगे।

बदरिकाश्रम में बेर पर जीवन-यापन करने के कारण उनका एक नाम 'बादरायण' भी पड़ा। व्यास जी द्वीप में प्रकट हुए इसलिये उनका नाम 'द्वैपायन' पड़ा। कृष्णा (काले) रंग के थे इसलिये उन्हें 'कृष्णद्वैपायन' भी कहते हैं। उन्होंने वेदों का विस्तार किया, इसलिये उनका नाम 'वेदव्यास' भी पड़ा। ज्ञान के असीम सागर, भक्ति के आचार्य, विद्वत्ता की पराकाष्ठा और अथाह कवित्व शक्ति, इनसे बड़ा कोई कवि मिलना मुश्किल है। भगवान् वेदव्यास के नाम से ही आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा का नाम 'व्यासपूर्णिमा' पड़ा है।

यह सबसे बड़ी पूर्णिमा मानी जाती है। क्योंकि परमात्मा के ज्ञान, परमात्मा के ध्यान और परमात्मा को प्रीति की तरफ ले जाने वाली है यह पूर्णिमा। इसको 'गुरु पूर्णिमा' भी कहते हैं। जब तक मनुष्य को सत्य के

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुर्साक्षात् परंब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

ज्ञान की प्यास रहेगी, तब तक ऐसे व्यास पुरुषों का, ब्रह्मज्ञानियों का आदर-पूजन होता रहेगा।

व्यास जी ने वेदों के विभाग किये। 'ब्रह्मसूत्र' व्यास जी ने ही बनाया। पाँचवाँ वेद 'महाभारत' व्यास जी ने बनाया, भक्ति-ग्रन्थ भागवतपुराण भी व्यास जी की रचना है एवं अन्य 17 पुराणों का प्रतिपादन भी भगवान् वेदव्यास जी ने ही किया है। विश्व में जितने भी धर्मग्रन्थ हैं, फिर वे चाहे किसी भी धर्म-पन्थ के हों, उनमें अगर कोई सात्त्विक और कल्याणकारी बातें हैं तो सीधे-अनसीधे भगवान् वेदव्यास जी के शास्त्रों से ली गयी हैं। इसीलिये 'व्यासोच्छिष्टं जगत्सर्वम्' कहा गया है। व्यास जी ने पूरी मानव-जाति को सच्चे कल्याण का खुला रास्ता बता दिया है। वेदव्यास जी की कृपा सभी साधकों के चित्त में चिरस्थायी रहे। जिन-जिनके अन्तःकरण में ऐसे व्यासजीका ज्ञान, उनकी अनुभूति और निष्ठा उभरी, ऐसे पुरुष अभी भी ऊँचे आसन पर बैठते हैं तो कहा जाता है कि भागवत कथा में अमुक महाराज व्यास पीठ पर विराजेंगे।

व्यासजी के शास्त्र-श्रवण के बिना भारत तो क्या विश्व में भी कोई आध्यात्मिक उपदेशक नहीं बन सकता व्यास जी का ऐसा अगाध ज्ञान है। व्यास पूर्णिमा का पर्व वर्षभर की पूर्णिमा मनाने के पुण्य का फल तो देता ही है, साथ ही नयी दिशा, नया संकेत भी देता है और कृतज्ञता का सद्गुण भी भरता है। जिन महापुरुषों ने कठोर परिश्रम करके हमारे लिये सब कुछ किया, उन महापुरुषों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का अवसर-ऋषि ऋण चुकाने का अवसर, ऋषियों की प्रेरणा और आशीर्वाद पाने का यही अवसर है-व्यास पूर्णिमा। भगवान् श्रीराम भी गुरु द्वार पर जाते थे और माता-पिता तथा गुरुदेव के चरणों में विनयपूर्वक नमन करते थे-

प्रातकाल उठि कै रघुनाथा।
मातु पिता गुरु नावहिं माथा॥

गुरुजनों, श्रेष्ठजनों एवं अपने से बड़ों के प्रति अगाध श्रद्धा का यह पर्व भारतीय सनातन संस्कृति का विशिष्ट पर्व है।

इस प्रकार कृतज्ञता व्यक्त करने का और तप, व्रत, साधना में आगे बढ़ने का भी यह त्योहार है। संयम, सहजता, शान्ति और माधुर्य तथा जीते-जी मधुर जीवन की दिशा बनाने वाली पूर्णिमा है-गुरु पूर्णिमा। ईश्वर प्राप्ति की सहज, साध्य, साफ-सुथरी दिशा बताने वाला त्योहार है-गुरु पूर्णिमा। यह आस्था का पर्व है, श्रद्धा का पर्व है, समर्पण का पर्व है।

ज्ञान के प्रतीक

हम इस संसार में मां के माध्यम से आते हैं, परंतु हमारा दूसरा जन्म गुरु के माध्यम से होता है, जो कि हमें ज्ञान प्रदान करते हैं।

आचार्य व्यक्ति को ज्ञान प्रदान करता है, परंतु गुरु सजगता की उन ऊँचाइयों तक आपको ले जाते हैं, जिनसे आप जीवंत हो जाते हैं। अतः गुरु पूर्णिमा पर सभी गुरुओं को हम याद करते हैं। यह वह दिन होता है जब भक्त गुरु के प्रति पूर्ण कृतज्ञता के भाव में उठता है। तीन प्रकार के लोग गुरु के पास आते हैं-विद्यार्थी, अनुयायी एवं भक्त। एक विद्यार्थी वह है जो अध्यापक के पास जाकर कुछ सीखता है, कुछ सूचनाएं एकत्र करता है एवं विद्यालय से चला जाता है। एक विद्यार्थी वह होता है जो जानकारी एकत्र करता है, परंतु जानकारियों से ज्ञान नहीं मिलता है, उनसे प्रबुद्ध नहीं बन सकते हैं।

गुरवे सर्व लोकानां

वह दिव्य चेतना संपूर्ण लोक की मार्गदर्शक है।

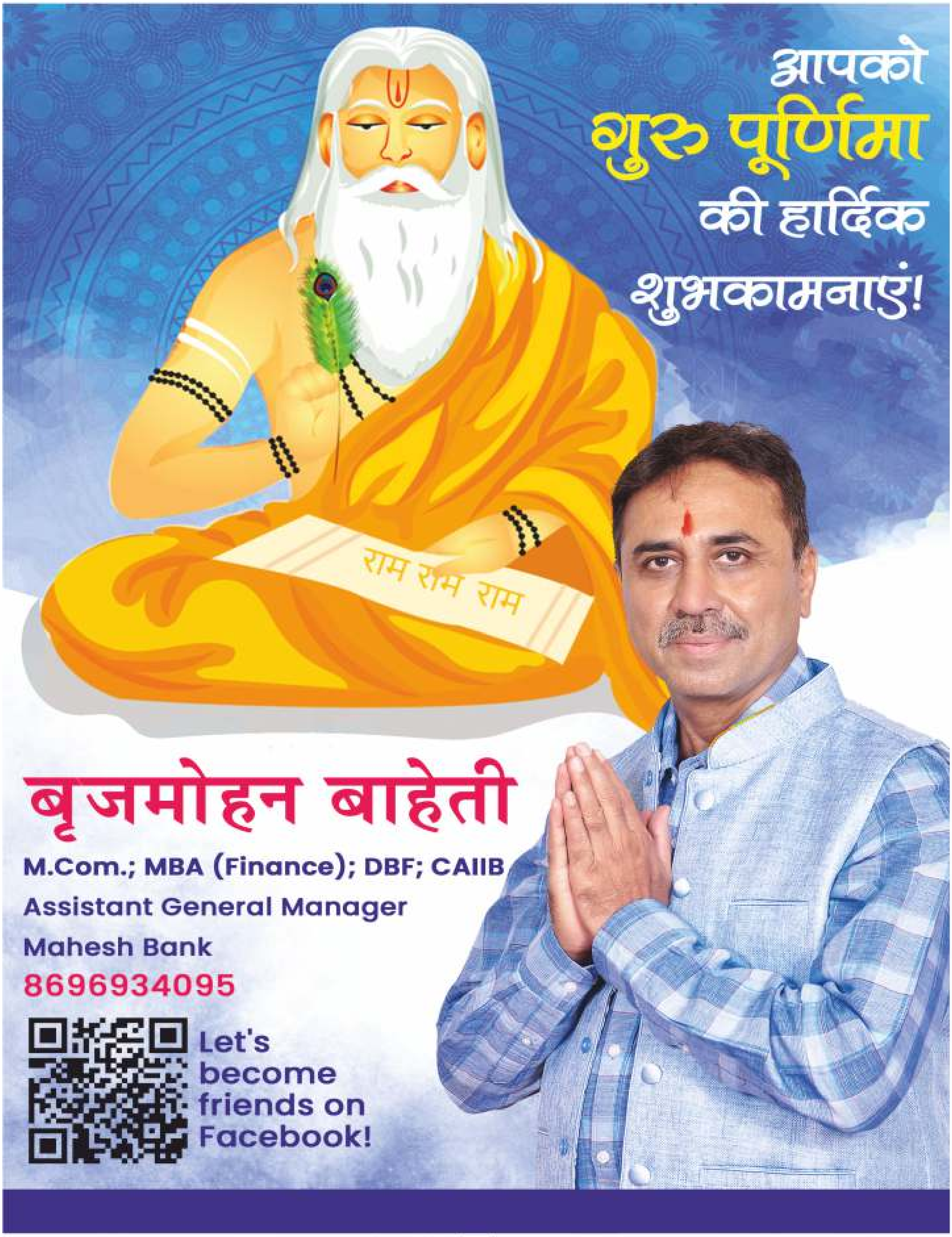
आपको
गुरु पूर्णिमा
की हार्दिक
शुभकामनाएं!
राम राम राम राम
बृजमोहन बाहेती
M.Com.; MBA (Finance); DBF; CAIIB
Assistant General Manager
Mahesh Bank
8696934095
Let's become friends on Facebook!

व्यास पूजा-गुरु पूर्णिमा की महिमा

[आषाढ़-पूर्णिमा]

गुरु सर्वेश्वर का साक्षात्कार करवाकर शिष्य को जन्ममरण के बन्धनसे मुक्त कर देते हैं। अतएव संसार में गुरु का स्थान विशेष महत्त्व का है। पराशरजी की कृपा से वेदव्यास जी का अवतरण इस भारत वसुन्धरा पर आषाढ़ की पूर्णिमा को हुआ। इसलिये आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को सभी अपने-अपने गुरु की पूजा विशेष रूप से करते हैं। व्यासदेव जी गुरुओं के भी गुरु माने जाते हैं। यह गुरु-पूजा विश्वविख्यात है। इसे व्यास पूजा का पर्व भी कहते हैं। इस पूजोत्सव के अवसर पर सत्संग का भव्य आयोजन किया जाता है।

जैसे ज्ञान-विज्ञान के बिना मोक्ष नहीं हो सकता, उसी तरह सद्‌गुरु से सम्बन्ध हुए बिना ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती। गुरु इस संसार-सागर से पार उतारने वाले हैं और उनका दिया हुआ ज्ञान नौका के समान बताया गया है। मनुष्य इस ज्ञान को पाकर भवसागर से पार होकर कृतकृत्य हो जाता है, फिर उसे नौका और नाविक दोनों की ही अपेक्षा नहीं रहती।

गोस्वामी तुलसीदास जी श्रीरामचरितमानस के आरम्भ में गुरु की वन्दना करते हुए लिखते हैं-

बंदउँ गुरु पद कंज कृपा सिंधु नररूप हरि।
महामोह तम पुंज जासु बचन रबि कर निकर॥
बंदउँ गुरु पद पदुम परागा। सुरुचि सुबास सरस अनुरागा॥

'मैं गुरु महाराज के चरण-कमल की रज को प्रणाम करता हूँ, जो अच्छी रुचि और प्रेम को उत्पन्न करने वाली, सुगन्धित और सार सहित है।'

संत सद्‌गुरु महर्षि में ही परमहंस जी महाराज ने स्पष्ट किया है कि चरण-रज में चरणों की चैतन्य-वृत्ति ऊर्जारूप से स्वभावत: समायी होती है। यही चैतन्य-वृत्ति, चरण-रज में सार है। जो पुरुष जिन गुणों वाले होते हैं, उनकी चैतन्य-वृत्ति और ऊर्जा उन्हीं गुणों का रूप होती है। भक्तिमान, योगी, ज्ञानी और पवित्रात्मा गुरु के चरण-रज में उनका चैतन्यरूपी सार भगवद्‌भक्ति में सुरुचि और प्रेम उत्पन्न करता है और श्रद्धालु गुरुभक्तों को वह रज सुगन्धित भी जान पड़ती है।

श्रीगुरुपदनख के सुमिरन से हृदय के दोनों निर्मल नेत्र खुल जाते हैं और संसाररूपी रात के सब दोष-दु:ख मिट जाते हैं। अन्तर में ब्रह्मज्योति देखने वाली तुरीयावस्था की दृष्टि और विवेक की दृष्टि (बुद्धि में सारासार की शक्ति यानी विद्या) हृदय के दो निर्मल नेत्र

हैं। हृदय में निर्मल नेत्रों के खुलते ही रामचरितरूप मणि-माणिक जहाँ जो जिस खान में है गुप्त अथवा प्रकट हों, सूझने लगते हैं। गुप्त चरितरूप ब्रह्मज्योतिर्मय मणि-माणिक तुरीयावस्था वाली दिव्य दृष्टि से अन्तर की गहरी गुप्त खान में देखे जाते हैं। प्रकट चरित पुराणों की प्रकट खान में विविध कथारूप रन-समूह हैं, जो विद्या की दृष्टि से मालूम पड़ते हैं।

श्रीरामचरितमानस में लिखा है-

श्री गुरु चरन सरोज रज निज मनु मुकुरु सुधारि।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि॥

उपर्युक्त दोहे को स्पष्ट करते हुए महर्षि मेंही ने कहा है कि मैं गुरु के चरण-कमल की धूलि से अपने मन रूपी दर्पण को स्वच्छ कर श्रीराम जी के पवित्र यश का वर्णन करता हूँ जो चारों फलों (अर्थ, धर्म, काम तथा मोक्ष)-को देने वाले हैं। मन जब जिस विषय का चिन्तन करता है, तब उस पर वह विषय लगता है। जैसे मन के विषयों के चिन्तन में लगने के कारण ही यह कहा गया है-*'काई विषय मुकुर मन लागी'*। इसी तरह जब मन से गुरुमूर्ति का चिन्तन हो अथवा गुरु रूप का मानस-ध्यान किया जाय तो मनरूपी दर्पण पर सहज में गुरु पदरज लग जायगी।

'गुरु' शब्द को व्याख्या कई प्रकार से की जाती है। उदाहरणार्थ-

(अ) 'गरति सिञ्चति कर्णयोज्ञानामृतम् इति गुरु:' अर्थात् जो शिष्य के कानों में ज्ञान रूपी अमृत का सिंचन करता है, वह गुरु है ('गृ सेचने भ्वादि:')।

(आ) 'गिरति अज्ञानान्धकारम् इति गुरु:' अर्थात् जो अपने सदुपदेशों के माध्यम से शिष्य के अज्ञानरूपी अन्धकार को नष्ट कर देता है, वह गुरु है ('ग निगरणे तुदादि:)।

(इ) 'गृणाति धर्मादिरहस्यम् इति गुरु:' अर्थात् जो शिष्य के प्रति धर्म आदि ज्ञातव्य तथ्यों का उपदेश करता है, वह गुरु है ('ग शब्दे क्यादि:')।

(ई) 'गारयते विज्ञापयति शास्वरहस्यम् इति गुरु:' अर्थात् जो वेदादि शास्त्रों के रहस्य को समझा देता है, वह गुरु है ('ग विज्ञाने चुरादि:')।

शिष्य वर्ग में अपने गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, महेश और परब्रह्म के समकक्ष मानने की यह सूक्ति बहुत प्रचलित है

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वर:।
गुरु: साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नम:॥

महर्षि याज्ञवल्क्यने लिखा है-

उपनीय गुरु: शिष्यं महाध्याहृतिपूर्वकम्।
वेदमध्यापयेदेनं शौचाचारांश्च शिक्षयेत्॥
(याज्ञवल्क्यस्मृति १।२।१५)

अर्थात् उपनयन की विधि सम्पन्न हो जाने पर गुरु अपने शिष्य को 'भू:', 'भुव:', 'स्व:'-इन व्याहृतियों का उच्चारण कराकर वेद पढाये और दन्तधावन एवं स्नान ज्ञान आदि के द्वारा शौच के नियमों को सिखाये तथा उसके हितार्थ आचार की भी शिक्षा दे।

आचार परम धर्म माना गया है। इसके सम्बन्ध में शास्त्रों में बहुत कुछ लिखा गया है।

गुरुतम गुरु- प्राय: सभी व्यक्तियों के गुरु पृथक्-पृथक् होते हैं, किंतु श्रीभगवान् तो सभी के गुरु हैं। वे लोक-पितामह ब्रह्माजी के भी गुरु हैं-**'पूर्वेषामपि गुरु: कालेनानवच्छेदात्।।'** (योगदर्शन १।२६)

ब्रह्मा जी ने सर्ग के आरम्भ में श्री भगवान् से ही वेद-विद्या प्राप्त की थी-

यो ब्रह्माणं विदधाति पूर्वं यो वै वेदांश्च प्रहिणोति तस्मै।

(श्वेताश्वतरोपनिषद् ६।१८)

'तेने ब्रह्म हृदा य आदिकवये।' अतएव श्रीभगवान् को 'गुरुतम गुरु' मानना समीचीन है। ऐसे सद्‌गुरु भगवान् नारायण को बार-बार प्रणाम है-**'कृष्णं वन्दे जगद्‌गुरुम्।।'**

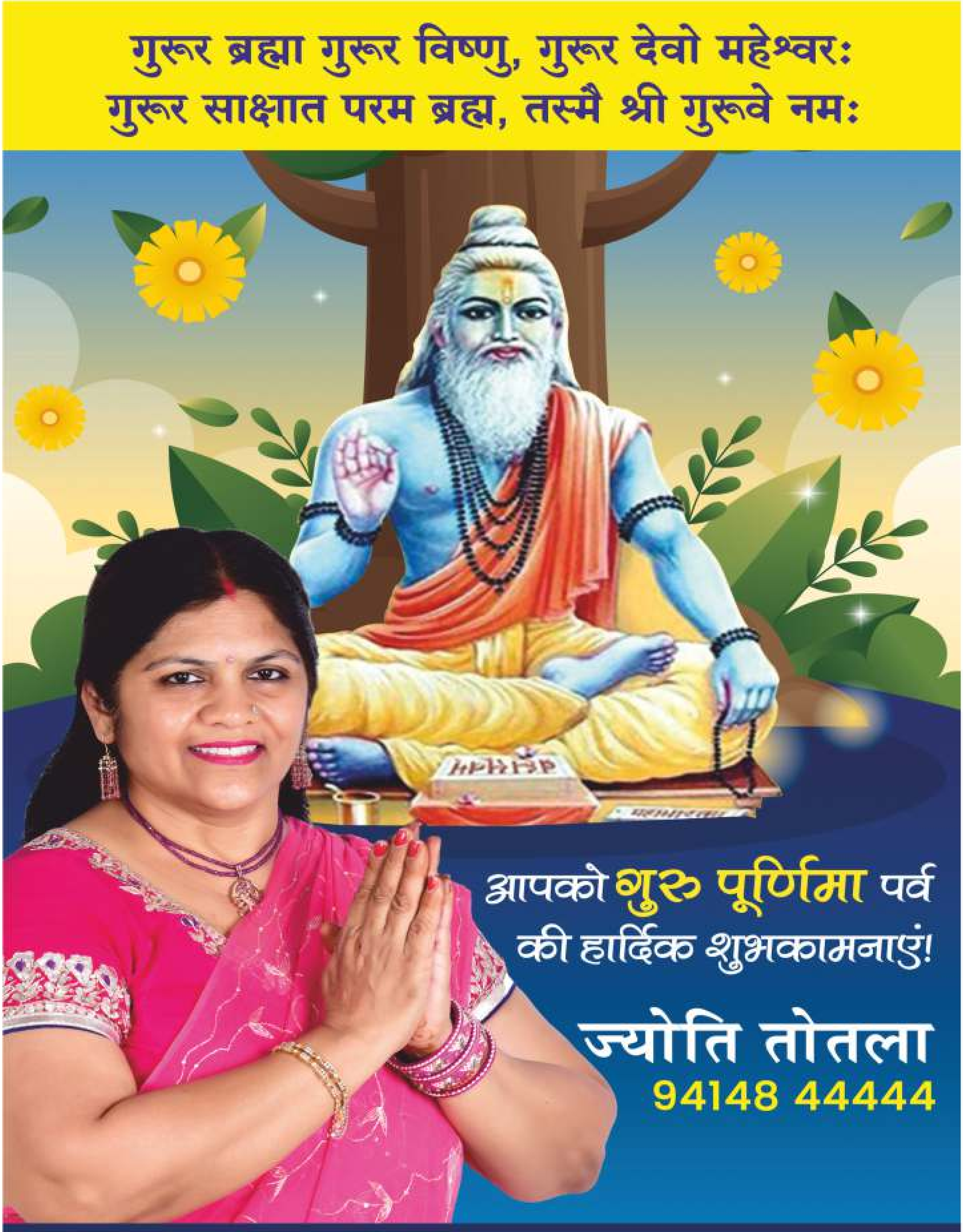
गुरूर ब्रह्मा गुरूर विष्णु, गुरूर देवो महेश्वरः
गुरूर साक्षात परम ब्रह्म, तस्मै श्री गुरूवे नमः
आपको गुरु पूर्णिमा पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं!
ज्योति तोतला
94148 44444

गुरु

विवेक और अहंकार

■ पं. विजयशंकर मेहता

आगे आने वाला समय पूरी तरह शिक्षा का युग होगा। बिना पढ़े-लिखे लोग सम्मान से दो वक्त की रोटी भी नहीं जुटा पाएंगे। वह दौर गुजर गया, जब कम पढ़े-लिखे लोग भी धन कमा लिया करते थे। अब यह बड़ा मुश्किल होगा। तो विद्या तो अर्जित करना ही है, लेकिन एक बात ध्यान में रखिए कि अब सिर्फ शिक्षा से भी काम भी नहीं चलेगा।

अध्ययन केंद्र तो बहुत खुल गए हैं अब पढ़ाई-लिखाई मुश्किल नहीं रही। मुश्किल यह है कि विद्या के साथ विवेक भी आए। आज बहुत से लोग तो विवेक का मतलब ही नहीं समझते। विवेक मतलब विद्या का सदुपयोग। आपके पास जो ज्ञान है, जो योग्यता है, इसका सदुपयोग कर पा रहे हैं या नही, इसकी समझ का नाम ही विवेक है। विवेक एक शिक्षित व्यक्ति को समझदार बना देता है। विवेक देने का काम करते हैं गुरु। तो हमारे पास अब दो शब्द हैं- गुरु और विवेक। शिक्षा आपके पास है, उसे विवेक से जोड़िए, फिर गुरु से जुड़ जाइये और फिर उसका सदुपयोग कीजिए।

अब एक सवाल खड़ा होता है यहाँ कि गुरु ऐसा क्या करते हैं कि विवेक जाग जाता है..? गुरु एक बड़ा काम यह करेंगे कि आपका अहंकार गिरा देंगे। जब तक अहंकार है, विवेक नहीं जागेगा। या कहें कि विवेक जागने पर ही अहंकार गिर सकेगा। इसलिए सबसे पहले अहंकार को गिराना होगा।

एक कहानी है एक बार इंद्रलोक में उत्सव मनाया जा रहा था। इंद्र की पत्नी शचि 'पारिजात' को लेकर बड़ी प्रसन्न थीं। यह एक वृक्ष था जो दिव्य पुष्पों से भरा हुआ था। तभी वहां इंद्र आए। पत्नी को प्रसन्न देखकर वो भी खुश हुए। इंद्र और इंद्राणी दोनों बहुत खुश थे। पारिजात को लेकर उन्हें अहंकार आ गया था कि हमारे पास ऐसा वृक्ष है।

उसी समय 'नारायण-नारायण..' करते नारदजी पहुँच गए। इंद्राणी ने नारदजी से अहंकार के साथ पूछा- ''आप तो दुनिया घूमते हैं.., आपको क्या लगता है, इस संसार में पारिजात से भी दिव्य कुछ है''? नारदजी ने कहा- देवी, अहंकार करने से अपनी ही वस्तु पर से अपना अधिकार चला जाता है। परमात्मा ने इस दुनिया में और भी बड़ी निराली चीजें बनाई हैं। इंद्राणी बोली - तो एक काम कीजिए, यदि कुछ है, तो लाकर बताइए..। तब माना जाएगा।

अहंकार आया तो चुनौती आई..। नारद पहुँचे श्रीकृष्ण और रूक्मणिजी के पास। वे कुछ लीला करना चाहते थे। अपने झोले में से परिजात का पुष्प निकाला और कृष्ण की ओर बढ़ाते हुए कहा- लीजिए, मेरी ओर से भेंट..। कृष्ण ने वह पुष्प पास बैठी पटरानी रूक्मणि को दे दिया। नारदजी बाहर निकले तो कृष्ण की एक और रानी सत्यभामा मिल गईं। बोले- मैं पुष्प तो आपके लिए लाया था देवी, लेकिन कृष्ण ने आपकी सौत रूक्मणि को दे दिया..। नारदजी इस तरह की बात करते रहते थे। सो सत्यभामा को भड़का दिया..।

सत्यभामाजी ने कृष्ण से कहा- पारिजात का जो पुष्प रूक्मणि के पास है, वैसा ही मुझे भी चाहिए। अपने जूड़े में लगाऊँगी..। कृष्ण ने कहा- ठीक है, अभी इंद्रलोक जाकर लेकर आता हूँ..। सत्यभामा कहती हैं- मैं भी चलूंगी, बढ़ी तारीफ सुनी है देवलोक की। पत्नी के आग्रह को कृष्ण टाल नहीं पाए। बोले- चलिए..। श्रीकृष्ण ने इंद्राणी से कहा हमें पारिजात का पुष्प चाहिए। इंद्राणी ने इंकार कर दिया। यह बात सत्यभामा को अच्छी नहीं लगी, तो दोनों की आपस में बहस होने लगी।

सत्यभामा ने कहा- आप जानती हैं, ये कृष्ण हैं..। देने वाले को ये सब कुछ दे सकते हैं। ये तो मेरे आग्रह पर यहाँ आए हैं। इंद्राणी बोलीं- आप कुछ भी कहें, मैं यह पुष्प किसी को नहीं दूंगी। तब तक भगवान कृष्ण ने भी रौद्र रूप धारण कर लिया। बात ब्रह्माजी तक पहुँची, तो उन्होंने इंद्र को फटकारा। इंद्र समझ गए, मुझसे भूल हो गई है तो बोले- फूल क्या, आप तो पूरा वृक्ष ही ले जाइए और इसे सत्यभामाजी के आंगन में लगा दीजिए..।

श्रीकृष्ण और सत्यभामा, पारिजात के वृक्ष को लेकर चले ही थे कि उधर से आ गए नारदजी। नारद ने मुस्कुराकर कहा- अरे देवी.., रूक्मणिजी के फूल को देख आपके मन में भी इच्छा जाग गई.? यहाँ तक आ गए इसे लेने.? यह सुनकर इंद्राणी को अहसास हुआ कि ये नारद जी ने किया है। क्योंकि उन्होंने ही तो नारदजी से कहा था- बताओ, पारिजात की तरह विलक्षण और कौन हो सकता है.? इंद्राणी सोचने लगी तो कृष्ण मुस्कुराकर बोले- नारदजी, मुझे लगता है आपने इंद्र की पत्नी का अहंकार तोड़ने के लिए ये सब किया है..। तब नारद बोले- आपका कहना सही है, भगवन..। मुझे लगा कि पारिजात का यह वृक्ष यदि इंद्रलोक में इसी तरह फलता-फूलता रहा, तो इनका अहंकार बढ़ जाएगा। तो क्यों न इसे देवलोक से पृथ्वी लोक पर ले जाया जाए.?

समझने और सीखने की बात ये है कि, जिस वृक्ष की जड़ में अहंकार होगा, उसके फल-फूल वैमनस्य लाएंगे। अपनी योग्यता के अनुसार उपलब्धियाँ हासिल करनी चाहिए लेकिन याद रखिए, शिक्षा से, अपनी योग्यता से जो हासिल करें उसमें अहंकार न हो। ऐसा संभव होगा विवेक से और विवेक आएगा गुरु के सानिध्य से..।

जीवन में कोई गुरु जरूर होना चाहिए जो हमारे विवेक को जगाता रहे नुकसान शिक्षा से नहीं होता, उसके पीछे चले आ रहे अहंकार से होता है।

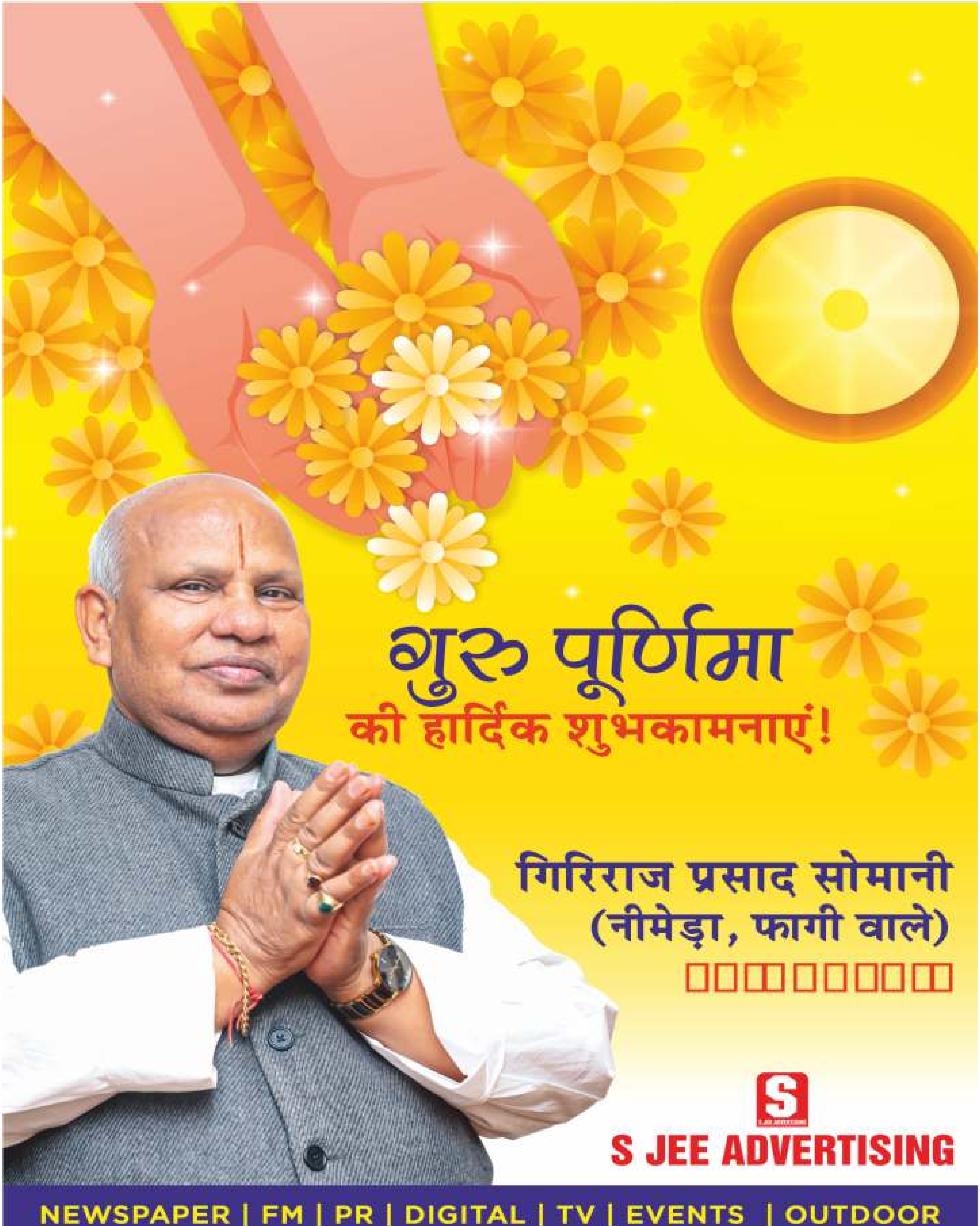
गुरु पूर्णिमा
की हार्दिक शुभकामनाएं!
गिरिराज प्रसाद सोमानी
(नीमेड़ा, फागी वाले)
S JEE ADVERTISING
NEWSPAPER | FM | PR | DIGITAL | TV | EVENTS | OUTDOOR
Office No. 101 - 104, 1st Floor, Vaibhav Multiplex (Inox), Amrapali Circle, Vaishali Nagar, Jaipur - 302021

पूर्वाग्रह त्यागकर सेवा करें

■ जयकिशन पटवारी

'विद्या ददाति विनयम्' हितोपदेश का यह सूत्र दिनांक 29.5.2022 को एमपीएस जवाहर नगर जयपुर के तक्षशिला सभागार में सार्थक हुआ।

अवसर था ECMS द्वारा मुद्रित तीन पुस्तकों के विमोचन का। जिसके विमोचन हेतु चार आगन्तुक उच्च शिक्षित माहेश्वरी (IAS, IPS, IFS, IJS-Judiciary) बन्धुओं द्वारा अति विनम्र भाव से उचित शब्दों के माध्यम से जो वक्तव्य दिया गया वह वास्तव में प्रेरणादायक तो है ही, साथ में उक्त वाक्य विद्या ददाति विनयम् को सार्थक करता है।

इनके उद्‌बोधन के साथ ही वर्तमान समाज अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती द्वारा 'आभार' व्यक्त किया गया जो वास्तव में उनकी अहंकार शून्यता का परिचायक है। अपने कार्यकाल में समाज में कार्यरत, स्कूलों में कार्यरत अपने कर्मचारी से लेकर उच्च शिक्षित प्रिंसिपल महोदयों तक सभी का नाम लेकर इनके प्रति समाज के वे बन्धुगण जिन्होंने विभिन्न कमेटियों में सहयोग दिया। वे बन्धुगण जिन्होंने समाजोत्थान के लिये नये व आकस्मिक (Covid-19) तथ्य online classes Projects, अर्थ संग्रह, अर्थ वितरण, जनगणना आदि-2 जितने भी कार्य हुये है उनके करने वाले सहयोगियों के प्रति हृदय से, भरे गले से कृतज्ञता ज्ञापन दर्शाता है कि वास्तव में विद्यावान व्यक्ति में विनय भाव प्रभु प्रदत्त हो जाता है।

भरे मंच से अपने परिवार, पिता, भाई, पुत्र, पत्नी व समस्त परिजनों के द्वारा गत तीन वर्षों में किये गये सहयोग व समर्पण के लिये कृतज्ञता प्रदीप जी के द्वारा व्यक्त करने के जवाब में उनकी सहधर्मिणी श्रीमती प्रीति जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि 'तीन वर्ष पहले हम सबने प्रदीप जी को यही कहा था कि 'हमने अब तक समाज से बहुत कुछ लिया है और जब 'It is time to give back' अत: आप पूर्ण मनोयोग से समाज का कार्य करे, परिवार का सहयोग पूर्ण रूप से आपको रहेगा।

श्री प्रदीप बाहेती ने दिवंगत समाज अध्यक्ष श्री मोहन लाल जी लढ्‌ढा साहब को नमन करते हुये कहा कि जब लढ्ढा साहब अध्यक्ष थे तब विरोधी पार्टी में होते हुये भी बाबुजी (लढ्ढा जी) ने मुझे mgps का भवन निर्माण का कार्य दिया। उनकी दूरदर्शिता व उनके विश्वास ने मुझे इतना सम्बल दिया कि मैं अब और जिम्मेदारी से कार्य कर सका। उक्त वक्तव्य लिखने का भाव यही है कि हमको समस्त पूर्वाग्रहों को त्याग कर निश्चल भाव से कार्य करना चाहिये।

गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

राधेश्याम परवाल

D-62, वैशाली नगर, जयपुर- 302021
Mob.94140-61636

- पूर्व संयुक्त मंत्री, अ. भा. माहेश्वरी महासभा
- पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा
- पूर्व जिला अध्यक्ष, जयपुर जिला माहेश्वरी सभा
- महामंत्री, बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टाफ सोसायटी

गुरु से श्रेष्ठ कोई देवता नहीं, गुरु की कृपा से बेहतर कोई लाभ नहीं...गुरु से बढ़कर कोई पद नहीं। जीवन में सर्वोच्च स्थान गुरु का है। सभी गुरुओं को नमन!

गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव, गौतम बुद्ध और भगवान महावीर प्रथम गुरु बने, पहला उपदेश भी दिया

सद्‌गुरुः शिव ने सप्तऋषियों को योग सिखाया

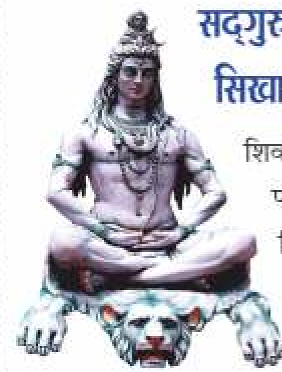

शिव को आदिगुरु कहा जाता है। 15000 वर्षों से भी पहले गुरु पूर्णिमा के दिन सप्तऋषियों को पहला शिष्य बनाया और उन्हें योगिक विज्ञान की शिक्षा दी। पहले उपदेश में कहा- आपकी क्षमता वर्तमान से बहुत आगे बढ़ने की है। सप्तऋषि इस ज्ञान को लेकर पूरी दुनिया में गए। धरती की हर आध्यात्मिक प्रक्रिया के मूल में शिव का ज्ञान है।

दलाई लामाः बुद्ध ने 5 भिक्षुओं को धर्म उपदेश दिया

करीब 2600 साल पहले तथागत बुद्ध ने आषाढ़ी पूर्णिमा के दिन सारनाथ में पांच भिक्षुओं को धर्म का पहला उपदेश दिया। इसे 'प्रथम धर्मचक्र प्रवर्तन' कहते हैं। गुरु पूर्णिमा को बौद्ध 'संघ दिवस' कहा जाता है। बुद्ध ने उपदेश में चार आर्य सत्यों के बारे में बताया था। ये हैं- दुख है, दुख का कारण है, दुख का निदान है, निदान का मार्ग निर्वाण है।

आचार्य विद्यासागरजीः महावीर ने 5 यम बताए

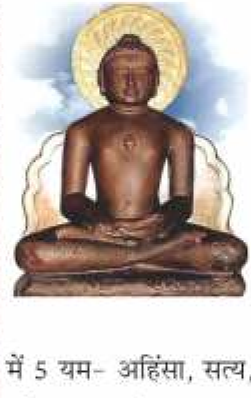

जैन धर्म में गुरु पूर्णिमा को त्रिनोक गुहा पूर्णिमा कहा जाता है। 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को ही 'त्रिनोक गुहा यानी प्रथम गुरु भी माना गया है। भगवान महावीर ने इसी दिन इंद्रभुति गौतम को अपना पहला शिष्य बनाया। उन्होंने पहले उपदेश में 5 यम- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य (अस्तेय) और ब्रह्मचर्य को जीवन का मार्ग बताया।

!! श्री गणेशाय नमः !!

वसुन्धरा लेडीज क्लब

Present

राखी, लहरिया और तीज कार्निवल

माँ ज्वैलर्स

सतरंगी सावन मेला

The Most Awaited Exhibition

कुछ ही स्टॉल बाकी है।

दिनांक : 16-17 जुलाई 2022

समय : प्रातः 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक

स्थान : उत्सव माहेश्वरी भवन, सेक्टर 2, विद्याधर नगर, जयपुर

सभी लाईन में से Best Stall Award - 3 Categories

संरक्षिका : अंबिका मोदी

संयोजिकाएँ :

अध्यक्ष : सुमन मिश्र

ज्ञान लाहोटी मो. : 9351184409	लीना शाह मो. : 9460872714	ज्योति तोतला मो. : 9414844444	सुमन अग्रवाल मो. : 9829712003	सीमा गंगावत 9024845979

प्रेमलता बजाज 9414054139	हेमा तिवाड़ी 9414744576	सन्तोष शर्मा 9460633903	अर्चना पोद्दार 9799906130	गरिमा नरेड़ा 9351532524	उषा गोयल 9929437000
रिम्पी मित्तल 9571602827	सुषमा नरेड़ा 8829911911	मोना सिंह 9982632300	सुनीता बंसल 9351171922	रश्मि शर्मा 7221060165	हरजीत कंवर 9829460004
माया सिंह 9828111022	सोनू ताम्बी 9610679728	भारती भट्ट 9799056544	स्वीटी ढ़ढ़ारिया 9929150977	अनिता तिवाड़ी 9667514231	प्रियंका गुप्ता 9782626796

Grand variety of Handwork Dresses, Sarees, Cottons, Hand Blocks, Banarsi, Casuals, Home Decor, Diamond Jewellery, Imitation Jewellery, Purses, Hand Bags, Food and much more.
Everything under one roof for 2 days. Special Lehriya and variety of rakhis.

MAX HEIGHTS | MBJ | विनायक ज्वैलर्स | JKJ | IMPERIAL

वसुन्धरा लेडीज क्लब आपका हार्दिक स्वागत करता है।

ऐतिहासिक शोभा यात्रा के साथ ''महेश नवमी'' महोत्सव का आयोजन

ज्येष्ठ शुक्ल नवमी विक्रम सम्वत् 2079, गुरुवार 09 जून, 2022 को 5155 वें माहेश्वरी वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी महोत्सव श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा हर्षोल्लास से श्री माहेश्वरी जनोपयोगी भवन 'उत्सव' में आयोजित किया गया। प्रातः 8.30 बजे चौड़ा रास्ता, सिंधी जी का रास्ता स्थित समाज भवन में स्वजातीय बन्धुओं, बहनों एवं युवाओं की उपस्थिति में भगवान महेश के ऐतिहासिक चित्र की परम्परागत रूप से पूजा की गई एवं भगवान महेश की स्तुति के साथ जातीय गंगा की खुशहाली के लिए कामना की गई। सभी ने आपस में इस पावन पर्व की शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

सायंकाल 5.30 बजे एम.जी.पी.एस. विद्याधर नगर से शोभा यात्रा प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गों में जगह-जगह भगवान महेश के चित्र पर पुष्प माला अर्पित की गई एवं आरती उतारी गई।

शोभायात्रा में प्रथम 151 आगन्तुक दम्पत्तियों को सुनिश्चित उपहार के कूपन वितरित किये। पूर्ण लवाजमे के साथ शोभायात्रा विभिन्न संस्थाओं की झांकियों, 72 उमरावों एवं 50 साफा सुन्दरियों तथा बैण्ड के साथ गंतव्य के लिये रवाना हुई। शोभा यात्रा मार्ग में भगवान महेश के जयकारों के गुंजित वातावरण तन-मन को सुकून दे रहा था। सबके मन में उत्साह था। शोभा यात्रा जनोपयोगी भवन 'उत्सव' पर पहुँची। उत्सव की प्रबन्ध समिति द्वारा समाज बन्धुओं की ठण्डाई पिलाई गई।

उत्सव भवन में भोलेनाथ की अप्रतिम मनमोहक झांकी की समाज बन्धुओं ने सराहना की और इस भव्य आयोजन में रिकार्ड उपस्थिति के साथ खचाखच भरे जनोपयोगी उत्सव भवन में अतिथियों एवं समाज पदाधिकारियों द्वारा भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं दीप प्रज्जवलित करने के पश्चात् भगवान महेश की आरती की गई।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री निर्मल जी मूंदड़ा, विशिष्ट अतिथि श्री राधा कृष्ण जी कोगटा एवं स्वागताध्यक्ष श्री श्रीनाथ जी मालपानी का समाज पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण, साफा एवं प्रशस्ति पत्र देकर अभिनन्दन किया गया।

समाज अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती के संक्षिप्त उद्बोधन के पश्चात् महामंत्री श्री गोपाल लाल मालपानी द्वारा समाज की गतिविधियों की जानकारी दी गई तथा अर्थ मंत्री श्री प्रमोद हुरकट ने बताया कि समाज के प्रेरणापुंज माननीय सदस्यों के सक्रिय सहयोग से महेश सेवा कोष में धन संग्रहण की जानकारी दी गई। महेश सेवा कोष में हेतु नवीन कोषों की सृजनता एवं स्थापित कोषों में राशि अभिवृद्धि के लिए उदारमना भामाशाहों का भी सम्मान किया गया। शोभा यात्रा में प्रथम 151 दम्पत्तियों के पुरस्कार के प्रायोजक श्री अरुण जी एवं निर्मल जी दरगड़ थे।

महेश नवमी के अवसर पर पहली बार ऑनलाईन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जो सर्वश्रेष्ठ गायन, वादन, नृत्य, स्किट, वेशभूषा, पूजा स्थल सजावट, भगवान महेश की पूजा अर्चना आदि करते हुये का विडियो बनाकर भेजा गया। उनमें से सर्वश्रेष्ठ तीन विजेताओं को प्रतियोगिता के प्रायोजक श्रीमती कंचन - श्री उमेश जी सोनी द्वारा प्रथम विजेता को 10 ग्राम का सोने का सिक्का, द्वितीय विजेता को 3 ग्राम का सोने का सिक्का, तृतीय विजेता को 1 ग्राम सोने का सिक्का एवं 21 सांत्वना 5 ग्राम चांदी के सिक्के पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

यह पावन पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाता है। समाज भवन सहित समाज द्वारा संचालित संस्थाओं एवं शिक्षण संस्थाओं के भवनों पर लाईट डेकोरेशन किया गया।

इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन के लिए कार्यक्रम संयोजक विक्रम मोहता ने अपने सहयोगियों के साथ बखूबी अंदाज में नेतृत्व किया और भगवान महेश की मनमोहक झांकी के लिये श्री अम्बिका प्रसाद भण्डारी एवं श्री राजेन्द्र मालपानी ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

सांस्कृतिक मंत्री प्रवीण लड्ढा ने भव्यता के साथ सम्पन्न इस अनूठे कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष सहयोगियों, समर्पित कार्यकर्ताओं, बन्धुओं मातृशक्ति एवं युवा शक्ति का हार्दिक आभार एवं अभिनन्दन व्यक्त किया। उन्होंने शोभा यात्रा मार्ग में समाज बन्धुओं के आदर सत्कार एवं स्वागत हेतु माहेश्वरी परिवार, निवारू रोड़, शेखावटी-मारवाड़ माहेश्वरी परिषद्, श्री कल्याण सहाय जी-विमला देवी बियाणी (मीनाक्षी चाय), कोगटा फाइनेन्स, गणेश पार्क मॉर्निंग वॉक टीम, वैले पार्किंग व्यवस्था हेतु श्री अमित मालपानी का आभार व्यक्त किया।

महेश प्रगति

सादर अभिनन्दन

श्री महेश गौ धाम

ALBUM

माहेश्वरी समाज, जयपुर

शिक्षा की गौरवशाली यात्रा का दस्तावेज

विद्या ददाति विनयं

की समीक्षा में

दैनिक भास्कर ने लिखा...

दैनिक भास्कर जयपुर, गुरुवार 09 जून, 2022

उत्पत्ति दिवस पर विशेष • माहेश्वरी समाज की शिक्षा यात्रा के 97 साल पूरे

कोठरी में जलाई शिक्षा की लौ बनी प्रकाश पुंज

जयपुर | कोई व्यक्ति हो या समाज तरक्की तभी कर पाता है, जब वह लगातार काम करता रहे। फिर कितनी ही चुनौतियां आएं, मंजिल मिलकर ही रहती है। इसका जीता-जागता उदाहरण है जयपुर का माहेश्वरी समाज। यह समाज अपनी जिजीविषा के लिए माना जाता है, यानी जो ठान लिया, उसे हर हाल में पूरा करना ही है। करीब 96 वर्ष पहले 1926 में समाज ने लोगों को शिक्षा दान की सोची। इसके लिए एक संस्था का जन्म हुआ दी एजुकेशन कमेटी ऑफ माहेश्वरी समाज।

इस संस्था ने एक गली की एक छोटी सी कोठरी में शिक्षा की जो लौ जलाई, वह आज प्रकाश पुंज बन चुकी है। जिस कोठरी में रात्रि पाठशाला के लिए चार लोग और दीपक के लिए तेल भी नहीं मिलता था, वह संस्था आज रोशनी से जगमग हो रही है। चार लोगों को पढ़ाने से शुरुआत करने वाली संस्था अब करीब 25 हजार बच्चों को पढ़ा रही है।

'विद्या ददाति विनय' पुस्तक में है संघर्ष का दस्तावेज

यह सब कैसे संभव हुआ? 'विद्या ददाति विनय' इस सबका दस्तावेज है। यह मात्र एक पुस्तक नहीं है, जो किसी समाज की प्रशस्ति गाथा करती हो। पुस्तक में समाज के पूर्वजों के संघर्ष का उल्लेख है कि कैसे उन्होंने अपनी दूरगामी सोच को पूरा करने के लिए निष्ठापूर्वक लगे रहे। ईसी एमएस के चेयरमैन प्रदीप बाहेती ने पुस्तक को एक दुर्लभ दस्तावेज बताया। चंद्रमोहन शारदा का संपादन कसावट लेते हुए है। घटनाओं व संस्करणों को इतनी रोचकता से वर्णित किया गया है कि पाठक की जिज्ञासा बनी रहती है। ले-आउट में नवीनता है, पुस्तक में प्रयुक्त संस्कृत के श्लोकों के माध्यम से अनुकरणीय बातें कही गई हैं।

सूचनार्थ :
'विद्या ददाति विनयं' पुस्तक प्रत्येक परिवार में कोरियर द्वारा भेजी गई है। पुस्तक प्राप्त नहीं होने पर समाज कार्यालय में फोन नं. 0141-2623500 अथवा श्री चन्द्रमोहन शारदा मो. 98291-17051 पर सम्पर्क करें।

पुस्तक का विमोचन करते हुए अतिथिगण एवं समाजबन्धु

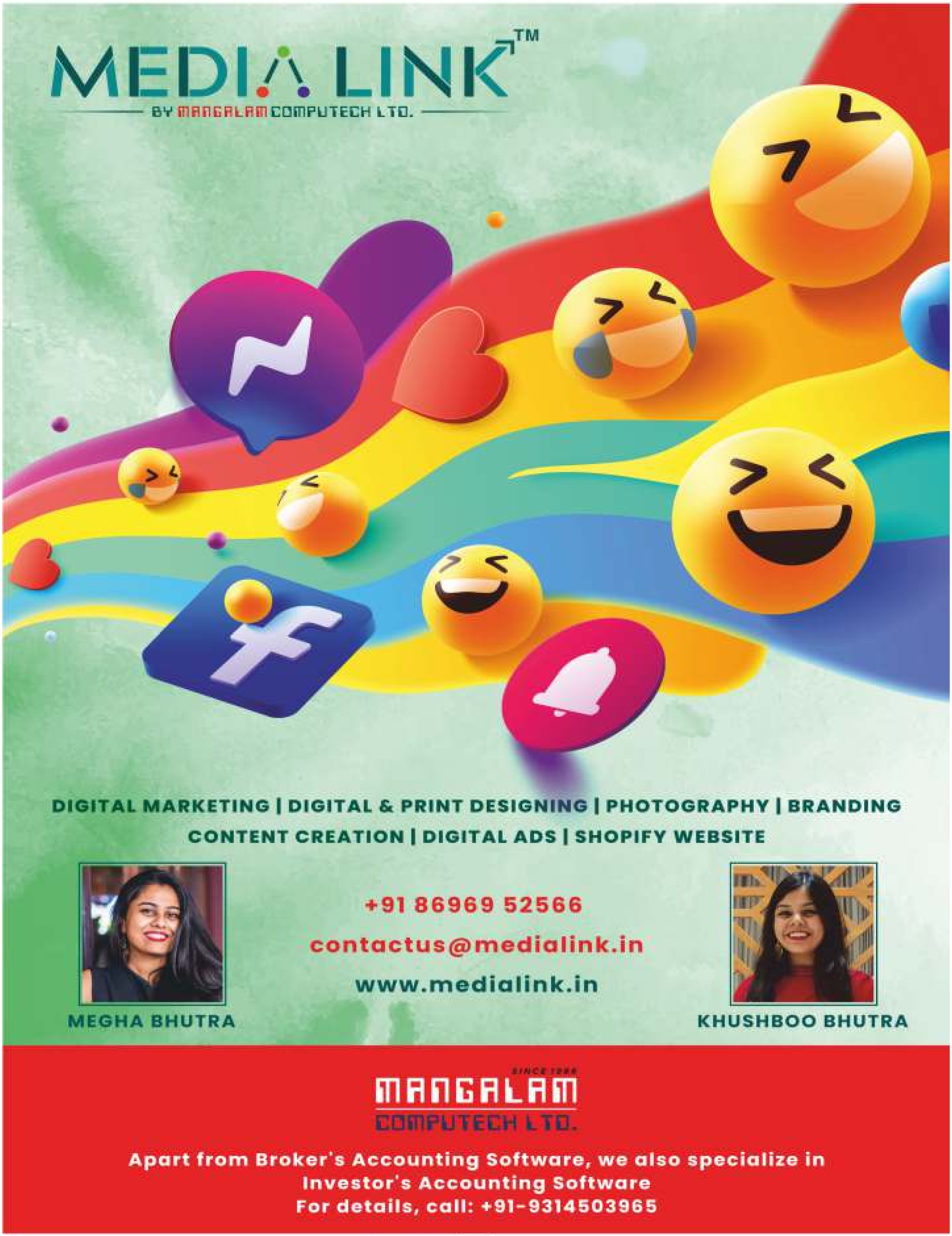
MEDIA LINK™
BY MANGALAM COMPUTECH LTD.
DIGITAL MARKETING | DIGITAL & PRINT DESIGNING | PHOTOGRAPHY | BRANDING
CONTENT CREATION | DIGITAL ADS | SHOPIFY WEBSITE
+91 86969 52566
contactus@medialink.in
www.medialink.in
MEGHA BHUTRA
KHUSHBOO BHUTRA
SINCE 1996
MANGALAM
COMPUTECH LTD.
Apart from Broker's Accounting Software, we also specialize in
Investor's Accounting Software
For details, call: +91-9314503965

ज्योतिष विज्ञान : परिचय

नीरज कुमार अजमेरा
चैप्टर मैन, भृगु नंदी नाड़ी ज्योतिष

प्रकाश वान पिंडों के रूपरंग आकार गति मानव-जीवों के ऊपर प्रभाव के लेखा-जोखा को ज्योतिष शास्त्र कहते हैं। जो भी व्यक्ति ज्योतिष शास्त्र में दक्षता प्राप्त करता है उसे ज्योतिषी कहते हैं। किसी भी ज्योतिष के लिए मुख्य आधार पंचांग के पांच अंग हैं जो वार तिथि नक्षत्र योग और करण हैं।

ज्योतिष में अनेकों विषय प्रचलित हुए हैं इनमें वैदिक पाराशरी, जैमिनी, कृष्णमूर्ति पद्धति, भृगु संहिता, हस्तरेखा फेस रीडिंग, नाड़ी ज्योतिष आदि प्रमुख है। किसी भी ज्योतिष में लग्न और तथा दशाभुक्ति अत्यधिक महत्व दिया गया जबकि नाड़ी ज्योतिष में जीव लगना गुरु और ग्रहों के ट्रांजिट को अत्यधिक महत्व दिया गया है। किसी भी कुंडली को फलित करने के लिए ग्रहों, कुंडली के भाव और राशियों का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है क्योंकि हमारे पूरे जीवन का सारांश इन्हीं में छिपा है। गृह नौ प्रकार के होते हैं। सूर्य गुरु मंगल चंद्रमा केतु देव ग्रह तथा शनि राहु शुक्र बुध दानव ग्रह होते हैं इनमें गुरु देवताओं के और शुक्र राक्षसों के स्वामी हैं। देव ग्रह आपस में मित्र होते हैं और दानव ग्रह आपस में मित्र होते हैं इसी प्रकार देव ग्रह और दानव ग्रह आपस में एक दूसरे से शत्रुता निभाते हैं लेकिन जब गुरु और शुक्र दोनों ग्रह एक दूसरे के साथ एक ही राशि में बैठते हैं तो यह बहुत ही फलदायक होते हैं क्योंकि यहां पर दो गुरुओं का एक साथ होना है। इसमें भी कुछ अपवाद हैं जैसे कि गुरु और शनि आपस में मित्र हैं क्योंकि गुरु हमारे भाग्य स्थान का स्वामी होता है और शनि हमारे लाभ स्थान का स्वामी होता है जब भाग्य और लाभ एक साथ मिल जाते हैं तो इसे महाभाग्य योग कहते हैं। इसी प्रकार गुरु और बुध ग्रह आपस में मित्र होते हैं क्योंकि बुध ग्रह शिक्षा का कारक है और गुरु ग्रह बुद्धिमानी का कारक है। जो भी जातक यह योग लेकर जन्म लेता है वह शिक्षा के क्षेत्र में उच्च स्तर के नंबर प्राप्त करता है यदि सूर्य भी इसमें शामिल हो जाए तो मेरिट को भी प्राप्त कर सकता है। सूर्य और बुध ग्रह भी आपस में मित्र होते हैं। चंद्रमा और मंगल दोनों मित्र ग्रह होने के बावजूद भी आपस में शत्रुता रखते हैं क्योंकि यह दोनों एक दूसरे की राशियों में नीच के हो जाते हैं।

कुंडली में कुल 12 घर या भाव होते हैं- पहला भाव जिसे लगन कहते हैं वह व्यक्ति के शरीर की संरचना इत्यादि को दिखाता है दूसरा भाव प्राथमिक शिक्षा उसकी वाणी और उसके वित्त परिवार की स्थिति को इंगित करता है तीसरा भाव उसके साहस का होता है पराक्रम का होता है। इससे छोटे भाई बहन और छोटी यात्राओं का भी ध्यान किया जाता है चौथा भाव माता घर वाहन जमीन सुख पांचवाँ भाव शिक्षा आदतें बच्चे छठा घर लोन बीमारी शत्रु सातवां घर जीवनसाथी पार्टनर, डे टू डे एक्टिविटी, आठवां घर उम्र रिसर्च, नवां घर भाग्य, दसवां घर कर्म, व्यवसाय, पिता 11वां घर लाभ, मित्र, बड़े भाई बहन और बारहवां घर हमारे खर्चों हॉस्पिटल मोक्ष विदेश यात्राजेल आदि को इंगित करता है।

राशियों को तत्वों के आधार पर चार भागों में बांटा गया है यह अग्नि पृथ्वी वायु और जल होते हैं! जब गुरु और शुक्र अलग-अलग राशि में तत्वों के आधार पर संबंध बनाएं और मजबूत स्थिति में हों तो बड़ी से बड़ी आपदा से भी रक्षा करते हैं इसी योग को संजीवनी योग कहते हैं और इसी प्रकार 12 राशियां होती हैं जो कि मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक धनु मकर कुंभ तथा मीन हैं जिनके निर्धारित स्वामी भी होते हैं। किसी भी ग्रह के फलों को देखने के लिए सबसे पहले उस ग्रह के कंफर्ट लेवल को देखना बहुत आवश्यक है अन्यथा ऐसा ग्रह उच्च का होने के बावजूद भी अपने पूर्ण फल देने में असमर्थ हो जाता है यदि उसका कंफर्ट लेवल ठीक ना हो और इसी प्रकार यदि कोई ग्रह नीच का है और उसका कंफर्ट लेवल ठीक है तो वह ग्रह बहुत अच्छे फल देता है क्योंकि उसकी फ्यूचर एक्टिविटी बहुत मजबूत होगी। सामान्य ज्योतिष में नीच का ग्रह बताकर जातक को डराया जाता है किंतु सत्य यह है की यदि ग्रह नीच का है और उसका कंफर्ट लेवल ठीक है तो वह उच्च के ग्रह की तरह ही फल देता है।

नाड़ी ज्योतिष में मांगलिक दोष उसे ही बताया गया जिस कुंडली में मंगल चंद्रमा की राशि या बुध की राशि में हो क्योंकि चंद्रमा की राशि में मंगल नीच का हो जाता है और बुध ग्रह की राशि में होने से अपनी शक्ति को कमजोर कर लेता है क्योंकि बुध एक नपुंसक ग्रह है जबकि मंगल एक क्रूर और एनर्जीटिक ग्रह है।

जिंदगी चाहे तो सहज मोड़ पर हो या कठिन दौर में। ग्रहों की क्रियाशीलता यानी कि फ्यूचर एक्टिविटी किसी भी व्यक्ति की जिंदगी से संबंधित वर्षफल में अहम भूमिका निभाते हैं कहने का अर्थ यह है कि ग्रह किस ग्रह से मिलकर आया है और किसी ग्रह से मिलने जा रहा है यह दोनों बहुत बहुत मायने रखते हैं। जब जातक के ग्रहों की क्रियाशीलता में केवल देव ग्रहों की ही उपस्थिति हो तो जातक सांसारिक मोह से दूर होने की चेष्टा करता है वह संन्यास भक्ति धर्म मेडिटेशन यहां तक कि कोई आश्रम तक ज्वाइन कर लेता है! ठीक इसके विपरीत यदि दानव ग्रह की ही क्रियाशीलता हो तो जातक ऐश्वर्य सुख पैसा वाहन घर जमीन घरेलू जीवन का आनंद प्राप्त करता है और दोनों के संयुक्त मिश्रण से मिले जुले फल प्राप्त होते हैं। इसी प्रकार सात्विक तामसिक और राजसिक गुणों का भी मिश्रण होना अति आवश्यक बताया गया है।

जब कोई ग्रह अपनी निर्धारित चाल से धीमी गति से चलने लगे उसे ही वक्री ग्रह कहते हैं। बुध ग्रह सबसे ज्यादा वक्री होने वाला ग्रह है जबकि शुक्र ग्रह सबसे कम वक्री होता है। किसी भी ग्रह का वक्री होना इस बात का संकेत है कि पिछली लाइफ में जातक ने उस ग्रह के कारक तत्वों से कुछ गलत किया है जिनके कारण इस जिंदगी में किसी भी मोड़ पर जाकर उसे इन कर्मों को पूरा करना ही होगा यदि किसी परिस्थिति के कारण यह पूर्ण नहीं किया गया तो यह कर्म अगली जिंदगी में पूरे करने ही होंगे सूर्य व चंद्रमा कभी भी वक्री नहीं होते।

अगर कोई ग्रह सूर्य के नवमांश में हो तो सूर्य के प्रभाव के आगे अस्त हो जाता है जिसे किसी भी सामान्य ज्योतिष में अस्त कहकर डराया जाता है परंतु सत्यता तो यह है कि वह ग्रह अपनी आंतरिक शक्ति में चमक प्राप्त करता है और उसके कारक तत्वों की कुशलता जातक को प्राप्त होती है, राहु व केतु ग्रह को कोई भी अस्त नहीं कर सकता।

DIALYSIS

Starts @ ₹850/-

Physiotheraphy

Starts @ ₹ 200/-

सोनोग्राफी

प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक

श्री माहेश्वरी डायलिसिस डा

210-ए, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर, गौत्तम नगर, निर्माण नगर, जयपुर-19 ।

लैब का समय : प्रातः 8 से सायं 6 बजे (सोमवार

Blood Sugar 30/-	Cholesterol 30/-	Creatinine 40/-	SGOT 40/-	SGPT 40/-
Urine R/E 40/-	Uric Acid 50/-	Calcium 50/-	Sodium 50/-	CBC 100/-

जाँचें बहुत किफायती दरों पर की जाती हैं एवं रिपोर्ट ई-मेल पर भेजी जाती हैं।

नोट : घर से सैम्पल कलेक्शन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध

श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

पी-10ए, सेक्टर 2, उत्सव भवन के पास, विद्याधर नगर, जयपुर-302039

फोन : 0141-2230511, 6377506355

Email : testreports.smdc@gmail.com, gopal@shrimaheshwaridiagnostic.com

Website : www.shrimaheshwaridiagnostic.com

लैब का समय : प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
प्रातः 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक (रविवार)

SONOGRAPHY * • DIGITAL X-RAY * • 2D-EHCO

QUALITY DENTAL CARE

- *Dental Implants*
- *Root Canal*
- *Teeth Whitening*
- *Composite Fillings*
- *Ceramic or Porcelain Crowns*

and Many More..........

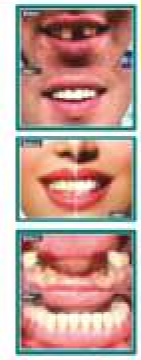

यग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर

फोन : 0141-2948761, 2948760 मोबा. : 8306300304 | Email : smddrclab@gmail.com

से शनिवार) | प्रातः 8 से दोपहर 2 बजे (रविवार)

Electrolytes 50/-	PSA 220/-	Hb A1C 200/-	Liver Function 200/-	Thyroid Profile 200/-
Lipid Profile 250/-	RFT 400/-	Vitamin B-12 400/-	Dengue Test 450/-	Vitamin D-3 750/-

ULTRA SONOGRAPHY

- Whole abdomen
- Limb Doppler
- Small parts (thyroid, testes, breast etc.)

ड
क्शन
टर

तिलक नगर श्री माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, विजयपथ, तिलक नगर, जयपुर • फोन : 0141-4045927

श्याम नगर 87, सरतीनगर, जनपथ, श्यामनगर, जयपुर • फोन : 0141-4924112, 9414074134

टोंक फाटक महेश कॉलोनी, जेपी अण्डरपास के पास, महेश सतसंग भवन, बेसमेंट, टोंक फाटक, जयपुर फोन : 0141-3511267, 8306300165

निवारु रोड शॉप नं. 59, सेन्ट ऐन्सलम स्कूल के सामने, मदरलैण्ड स्कूल के पास, निवारु रोड, जयपुर फोन : 0141-3511857, 9649044777

घर से सैम्पल कलेक्शन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

कलर सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध

RERA No.: RAJ/P/2017/032
Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in

vilasa®
DEVELOPING LUXURY

TARUCHAYA
RESIDENCY

Celebrate the festival called life

READY TO SHIFT

FLATS
STARTS @
45 LACS
ONWARDS

POSSESSION
STARTED

JAIPUR'S NEW
RESIDENTIAL
HUB
WEST WAY
HEIGHTS,
NIRMAN
NAGAR EXT.
AJMER ROAD,
JAIPUR

READY TO USE AMENITIES

INDOOR GAMES ROOM

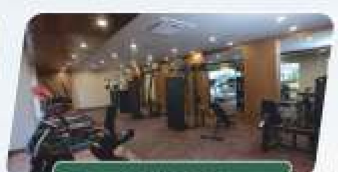
GYMNASIUM

AC PARTY HALL

KIDS PLAY AREA

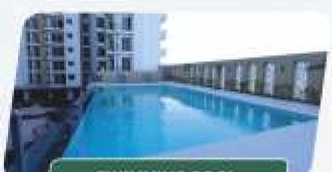
SWIMMING POOL

GUESTS ROOM

Landscaped Central Courtyard

+91-8824212000, 8035338525

TARUCHAYA COLONIZERS PVT. LTD.: Corp. Office: 6-F-13, Mahima Triniti, Swage Farm, N.S.Road, Jaipur - 302019 • E: Info@vilasagroup.com • www.vilasagroup.com

Disclaimer: Builders and Developers reserve the right to change any design and specification of the building without any prior notice and information. This advertisement is for illustration purpose only and it cannot be in any way treated as a legal document. All information specifications, plans, material and visual representations contained in the Advertisement, model & sample are subject to change time to time by the developer and/ the company authorities add shall not form part of the offer or contract. TERMS AND CONDITIONS APPLY.

कृष्णधाम

1. दिनांक 08.05.2022 को जयपुर जिला माहेश्वरी समाज समिति द्वारा आश्रमवासियों को डिनर करवाया गया। सहयोग - श्री एन.के. झंवर, श्री रामावतार आगीवाल।
2. श्री महेंद्र चौधरी (MNIT) द्वारा आश्रम को 145 Kg आटा, दाल 5 kg भेंट की गई। प्रेरक- श्री पूनम चंद भाला।
3. श्रीमती कृष्ण देवी धर्मपत्नी श्री पन्ना लाल सारडा सीकर निवासी ने आश्रम को 1.5 टन का AC भेंट किया। प्रेरक- श्री राकेश सारडा (सीकर वाले)।
4. श्री रणछोड़ दास परिवार द्वारा C/o श्री गोपाल माहेश्वरी ने आश्रम को 5100/- रुपए भेंट किये। प्रेरक- श्री मुकेश राठी (सचिव प्रताप नगर MPS)
5. श्रीमती शोभा देवी धर्मपत्नी गोविन्द दास जाजू छापर ने आश्रम में नाश्ते के लिए सहयोग किया।
6. श्री दीपक जी माहेश्वरी सुपुत्र श्री केदारनाथ माहेश्वरी द्वारा आश्रम निवासियों के 1 kg ग्लूकोन डी (प्रत्येक को) भेंट किये। सहयोग- श्री संजय माहेश्वरी।
7. ऋषिकेश सुपुत्र श्री महेश प्रसाद मूंदड़ा ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम में लंच हेतु सहयोग किया।
8. श्री भंवर लाल, परमेश्वर लाल झंवर (बूंदी निवासी) ने आश्रम को 275 kg चावल भेंट किये। प्रेरक- श्री कैलाश सोनी। श्री श्रीकिशन अजमेरा।
9. श्री बजरंग लाल गोविन्द प्रसाद सोमानी द्वारा आश्रम में 5000/- रुपए भेंट किये। प्रेरक - श्री सत्यनारायण काबरा (J.D. supari)
10. श्री सम्पत तोषनीवाल ने अपनी सुपौत्री मीशा सुपुत्री श्री रवि तोषनीवाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम में लंच हेतु सहयोग किया।

सभी दानदाताओं एवं सहयोगियों का आभार एवं अभिनन्दन।

मालचंद बाहेती, वरिष्ठजन आवास एवं कल्याण मंत्री, 9829461340

संरक्षक मनोनयन

माहेश्वरी महिला परिषद की अध्यक्षा एवं सचिव द्वारा प्राप्त पत्रों के अनुसार पाँच पूर्व अध्यक्षाओं सहित निम्न सेवाभावी मातृशक्ति को उनके द्वारा समाज सेवा में किए गए योगदान के लिए संरक्षक मनोनीत किया गया है :

सर्वश्रीमती कमला जी सोमानी, विमला जी लोईवाल, राजदुलारी जी धूत, चन्द्रकांता जी साबू, शोभा जी मूंदड़ा, लक्ष्मी जी परवाल, पदमा जी जाजू, सविता जी पटवारी, सुमनलता जी दरगड़, कौशल्या जी पनपालिया, राजश्री जी चितलांगिया, सीता रानी जी राठी।

महेश कॉलोनी विकास समिति के चुनाव सम्पन्न

महेश कॉलोनी विकास समिति, महेश कॉलोनी, जयपुर के चुनाव 29 मई को सम्पन्न हुये, जिनमें श्री श्रवण कुमार काबरा-अध्यक्ष, श्री महेश परवाल (MTC)-उपाध्यक्ष, श्री रामप्रसाद माहेश्वरी-कोषाध्यक्ष, श्री अनिल कोठ्यारी-संगठन मंत्री, श्री संदीप कचोलिया-भवन मंत्री, कार्यकारिणी सदस्य सर्वश्री दीपक सारडा, गौरीशंकर खटोड़, जगदीश करनानी, जुगलकिशोर मालपानी, मनमोहन फलोड़, मुरारी मारू, राहुल अजमेरा, विकास परवाल निर्विरोध निर्वाचित हुए।

आवश्यक-सूचना

श्री माहेश्वरी समाज, महिला परिषद् एवं नवयुवक मण्डल

त्रै-वार्षिक चुनाव (2022-25)

मतदान तिथि : रविवार 31 जुलाई, 2022

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की कार्यकारिणी की सभा दिनांक 13 जून, 2022 में संविधान की धारा 11 ख (i) के अनुसार आगामी सत्र 2022-25 हेतु श्री माहेश्वरी समाज, महिला परिषद, नवयुवक मण्डल (तीनों कार्यकारिणी व तीनो अध्यक्षों) के निर्वाचन हेतु समाज कार्यकारिणी की सर्वसम्मति से मुख्य चुनाव अधिकारी **श्री अनिल राठी**, उप मुख्य चुनाव अधिकारी (1) **श्री अजय गुप्ता** (Principal, MHS), (2) **श्रीमती अर्चना सिंह** (Principal, MPS Int.) (3) **श्रीमती रीटा भार्गव** (Principal, MPS, Pratap Nagar) एवं चुनाव सलाहकार समिति हेतु निम्नांकित 7 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है : **श्री नटवर गोपाल मालपानी** को संयोजक एवं (1) **श्री सीताराम मालपानी** (2) **श्री बिहारी लाल साबू** (3) **श्री सुभाष परवाल** (4) **श्री ईश्वर मालपानी** (5) **श्रीमती सविता पटवारी** (6) **श्रीमती उमा सोमानी** को सदस्यगण के रूप में मनोनित किया गया है।

गोपाल लाल मालपानी
महामंत्री
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

हार्दिक बधाई

विमल सारड़ा अध्यक्ष निर्वाचित

श्री विमल सारड़ा (M/s P.L. Texknit) जयपुर इण्डस्ट्रीयल एस्टेट एसोसियेशन, बाईस गोदाम, जयपुर के वर्ष 2022-24 के चुनाव में निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए है।

Himanshu Gagrani S/o Shri Purushottam Gagrani and Mrs. Shashi Gagrani Selected through ssc cgl 2019 for the post of Central Excise Inspector (CBIC)

कृति माहेश्वरी सुपुत्री डॉ. श्री आलोक कुमार माहेश्वरी द्वारा GATE (Graduate Aptitude Test in Engineering) exam में ऑल इंडिया लेवल पर 4th rank प्राप्त करने पर।

वंश राठी पुत्र श्री नवल किशोर राठी बारहवीं (वाणिज्य) में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर।

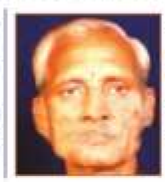

श्री सत्यनारायण लोहिया द्वारा देहदान का संकल्प लेने पर आभार।

IIHMR UNIVERSITY

For Working Professionals

take your career to the next level

Executive MPH
Executive MHA

Contact us

Admission Office

IIHMR University, 1, Prabhu Dayal Marg,
Sanganer Airport – 302029 Rajasthan

Follow us on:

+91 93588 93199

admissions@iihmr.edu.in

Visit: www.iihmr.edu.in

महेश नवमी पर रुद्राभिषेक कार्यक्रम

महेश नवमी के उपलक्ष्य में जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति, जयपुर द्वारा जिला महिला संगठन एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर झोटवाड़ा रोड़ जयपुर में विशाल रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विशुद्ध भक्ति, श्रद्धा एवं पवित्र वातावरण, सुरुचिपूर्ण साजसज्जा, भव्यता प्रदान कर रहे थे। सजे-धजे यजमान जोडे बहुत ही सुंदर ढंग से सुसज्जित मंच, पूर्ण ऊर्जा से ओतप्रोत नाचते गाते यजमान जोडे, अत्यंत चिताकर्षक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से सजी शिव परिवार की झांकी व उसके पश्चात सु-स्वादिष्ट प्रसादी ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की।

इस कार्यक्रम के मुख्य प्रणेता महासभा के संयुक्त मंत्री श्री कैलाश सोनी प्रदेश अध्यक्ष श्री मधुसूदन बिहाणी एवं मुख्य संयोजक श्री रामकिशन सोनी रहे।

सार्जेंट लालचंद कचोलिया का सम्मान

जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति, जयपुर द्वारा आयोजित दिव्यांग (सर्व समाज हितार्थ) शिविर 08 मई, 2022 को कार्यक्रम संयोजक सार्जेंट लालचन्द कचोलिया (भूतपूर्व वायुयोद्धा) का महासभा के संयुक्त मंत्री श्री कैलाश सोनी द्वारा माल्यार्पण कर सम्मान किया गया व साथ ही जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति, जयपुर के मंत्री श्री सुरेन्द्र बजाज द्वारा शाल ओढ़ाकर अभिवादन किया गया।

ई-मित्र संचालक आपके द्वार

जयपुर के सभी दिव्यांगजन (21 श्रेणियों के) को सूचित किया जाता है, कि यदि आप 21 श्रेणियों के अन्तर्गत आते हैं तो मेरा लक्ष्य शत-प्रतिशत आपको भारत व राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाले सभी सुविधाओं का लाभ जैसे दिव्यांग प्रमाण-पत्र (ऑनलाइन), रेल्वे पास, बस पास (स्मार्ट कार्ड), पालनहार योजना, आयकर में छूट इत्यादि का लाभ दिलवाना है।

अत: आप अपना नाम, मोबाईल नम्बर एवं पता मेरा व्हाटस नम्बर व मोबाईल नम्बर-9413005499 पर देने की कृपा करें।

सार्जेंट लालचन्द कचोलिया

(भूतपूर्व वायुयोद्धा), ई-मित्र, संयोजक

योग के साथ अग्निहोत्र

आसपास निर्मित होता है स्वच्छ वातावरण

योग आज लगभग सबके जीवन का हिस्सा बन चुका है। विभिन्न संचार साधनों ने भी इसमें मदद की है। कुछ समय पहले तक योग एक विशेष वर्ग, यूं कह लीजिए कि आभिजात्य वर्ग तक ही सीमित था, लेकिन अब आमजन भी इसे अपनाने लगा है, क्योंकि वह अपने स्वास्थ्य के प्रति अब बेहद सजग रहने लगा है। योग का लाा तो सर्वविदित है, पर इसके साथ यदि अग्निहोत्र किया जाए, तो वह और भी लाभदायक हो जाता है।

इस संबंध में वरिष्ठ योग प्रशिक्षक आनन्द कृष्ण कोठारी का कहना है कि आज हर ओर प्रदूषण है। घरों में तो स्वच्छ वातावरण मिलना मुश्किल है ही, पार्क भी इससे बचे हुए नहीं हैं। वहाँ भी प्रदूषण रहता है। कोठारी ने बताया कि इससे बचाव के लिए उन्होंने योग के साथ अग्निहोत्र की शुरुआत की है।

सूर्योदय व सूर्यास्त के निश्चित समय पर अग्निहोत्र करने पर आसपास का वातावरण स्वच्छ और शुद्ध हो जाता है। इससे योग के समय ली जाने वाली श्वास भी हमें शुद्ध मिलती है।

इसके अलावा अग्निहोत्र प्रदूषण जनित रोगों व तनावों से भी लोगों को मुक्त रखता है। अग्निहोत्र शुरू करते ही घर का वातावरण शुद्ध व पुष्ट होने लगता है। इसे करने वाले शांति व प्रसन्नता का अनुभव करता है।

उन्होंने बताया कि अग्निहोत्र सूर्योदय और सूर्यास्त के समय ही करना चाहिए। अग्निहोत्र में देशी गाय के गोबर के कंडे, दो बूंद गाय का घी, दो चुटकी साबुत कच्चे चावल की आवश्यकता पड़ती है। अग्निहोत्र करते समय सूर्योदय व सूर्यास्त सम्बन्धी दो-दो मंत्र बोलने चाहिए।

अग्निहोत्र की उपयोगिता व महत्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि मैं अपना सर्वस्व त्याग सकता हूँ, लेकिन अग्निहोत्र नहीं। वाल्मिकी रामायण में भी भगवान श्रीराम द्वारा नित्य अग्निहोत्र करने का वर्णन है।

हाल ही में केशव विहार, जयपुर में योग प्रशिक्षक आनंद कृष्ण कोठारी के निर्देशन में एक योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों साधकों ने भाग लिया। सभी ने योग क्रियाओं के साथ अग्निहोत्र की आहुतियाँ दीं।

योग क्रियाओं के बारे में कोठारी ने बताया कि दैनिक जीवन में अनुलोम-विलोम सुपर सबसे अधिक उपयोगी है। इसे करना भी आसान है। कोठारी ने बताया कि वे कई वर्षों से राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद् से भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि बरकत नगर स्थित ''वेणुज्ञानम साधना केन्द्र'' में वह साधकों को नि:शुल्क योग प्रशिक्षण देते हैं।

6376168815 (Office)
8823921227 (Mohit)
MM
MAHESHWARI MOTORS
Solution to Pollution for future
E-BIKE
Smart Bike........for Smart People
S.No. 15-16, 55-56, Anand City,
Near Tilak Hospital, Agra Road, Jaipur
माहेश्वरी मोटर्स (इलेक्ट्रीक स्कूटी)
दुकान नं. 15-16, आनन्दसिटी, आगरा रोड़, जयपुर
का भव्य शुभारम्भ
मोहित माहेश्वरी
88239-21227
Maheshwari Motors
श्री अशोक परमानी जी द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर श्री लोकश जी चतुर्वेदी व समाजसेवी श्री बद्रीसिंह राजावत उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के डायरेक्टर मोहित माहेश्वरी ने आगन्तुक स्वागतकर्ता का माला व साफा पहनाकर अभिनन्दन किया।

समाज में परिवर्तन लाना है तो शिक्षा की अलख जगानी होगी: बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया बहुउद्देशीय शिक्षण संस्थान भवन का लोकार्पण

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि यदि समाज में परिवर्तन लाना है तो, शिक्षा की अलख जगानी होगी। उन्होंने कहा कि यह बात हमारे पूर्वजों ने बहुत पहले ही जान ली थी। आजादी से पहले जब शिक्षा के कोई साधन नहीं होते थे, उस समय उन्होंने सीमित साधनों से शिक्षा का प्रसार शुरू किया। माहेश्वरी समाज के पुरोधाओं ने जो शिक्षा रूपी पौधा लगाया था, वह आज वट वृक्ष बन चुका है।

बिरला ने बुधवार को बनीपार्क स्थित माहेश्वरी बहुउद्देशीय शिक्षण संस्थान का उद्घाटनकरते हुए उन्होंने कहा कि इस शिक्षण संस्थान में ऐसे पाठ्यक्रम शामिल किए गए है, जो उनके स्किल डेवलपमेंट में सहायक होंगे। बिरला ने कहा कि माहेश्वरी समाज का शिक्षा के क्षेत्र में यह एक अभिनव प्रयोग है। इसके लिए उन्होंने श्री माहेश्वरी समाज की प्रशंसा की।

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने कहा कि इस बहुउद्देशीय शिक्षण संस्थान का निर्माण युवक-युवतियों में कौशल विकास के लिए किया गया है। करीब 60 हजार वर्ग फीट में बने सात मंजिला इस भवन में एक ही छत के नीचे विभिन्न पाठ्यक्रम पढ़ने को मिलेंगे। बाहेती ने कहा कि कौशल विकास से सम्बन्धित यह पाठ्यक्रम राज्य सरकार की स्किल यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त हैं। ये कोर्स करने के बाद युवकों को आसानी से रोजगार मिल सकेगा। बाहेती ने बताया कि बच्चों की शिक्षा की नींव रूपी संस्कृति स्कूल भी इस संस्थान में होगा। यहां योग और प्राकृतिक चिकित्सा ट्रेनिंग की सुविधा भी होगी। इसके अलावा यहां मांटेसरी टीचर ट्रेनिंग कोर्स, टैली कोर्स, आर्ट, क्राफ्ट, डांस, म्यूजिक आदि के कोर्स भी करवाए जाएंगे।

होटल जयपुर अशोक में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोगटा फाईनेंशियल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन राधाकृष्ण कोगटा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती कमला बिहानी, अतिथि अशोक बागला थे। इस अवसर पर 10 माह के अल्प समय में भवन निर्माण करने वाले भवन निर्माण समिति के चेयरमैन ओम प्रकाश लढ्ढ़ा, चेयरमैन (क्रय) सत्यनारायण काबरा (श्रीमाधोपुर), सचिव हरीश लखोटिया एवं सचिव (क्रय) गोविन्द मालपानी को विषेश योगदान के लिए ओम बिरला ने सम्मानित किया।

कार्यक्रम में भूमिपूजन कर्ता श्रीमती सुमनलता दरगड़, भूमिपूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर.डी. बाहेती, विशिष्ट अतिथि कमल कुमार काबरा, उपाध्यक्ष शिक्षा रमेश सोमानी, शिक्षा महासचिव नटवर लाल अजमेरा, कोषाध्यक्ष सीए नटवर सारड़ा समाज के महामंत्री गोपाल लाल मालपानी सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

IIHMR UNIVERSITY

where legends are made

Admissions Open 2022

MBA (Hospital and Health Management)

MBA (Pharmaceutical Management)

MBA (Development Management)

Scholarships/Freeships available for all MBA programs.

IIHMR University has been established and incorporated as postgraduate research university by the Government of Rajasthan. IIHMR University is UGC recognized, NAAC accredited, and ranked 73rd NIRF 2021 (Management).

Contact us

Admission Office

IIHMR University, 1, Prabhu Dayal Marg,
Sanganer Airport – 302029 Rajasthan

Follow us on:

+91 93588 93198 | +91 91459 89952

admissions@iihmr.edu.in

Visit: www.iihmr.edu.in

ईसीएमएस द्वारा प्रकाशित तीन पुस्तकों का विमोचन

सेवाभावी कार्यकर्ता भी किए गए सम्मानित

दी एज्युकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर की ओर से प्रकाशित तीन पुस्तकों का विमोचन एमपीएस जवाहर नगर के तक्षशिला सभागार में किया गया। इनमें स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स (SOP), एच.आर.मैनुअल 2022 एवं विद्या ददाति विनयम् का विमोचन किया। एमओपी में जहां संस्कृति स्कूलों के संचालन के लिए गाईड लाईन हैं, वहीं एच.आर. मैनुअल-2022 में एपाइंटमेंट से लेकर रिटायरमेंट तक की नियमावली है।

माहेश्वरी समाज, जयुपर के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने बताया कि इनके अलावा ''विद्या ददाति विनयं'' का लोकार्पण नब्बे वर्षीय समाजसेवी गोपाललाल सारड़ा द्वारा किया गया। इस पुस्तक में माहेश्वरी समाज और ईसीएमएस के करीब 100 वर्ष के इतिहास को समेटा गया है बाहेती ने कहा कि यह पुस्क नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत होगी।

विद्या ददाति विनयं के संपादक चन्द्रमोहन शारदा ने कहा कि पुस्तक में बताया गया है कि किन कठिन और विषम परिस्थितियों में हमारे पूर्वजों ने माहेश्वरी समाज की स्थापना कर शिक्षा संस्था की नींव डाली, जो आज पूरे देश में अपनी श्रेष्ठता का परचम लहरा रही है। शारदा ने पुस्तक के कुछ संस्मरण भी सुनाए।

इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे कर्मठ कार्यकर्ताओं, विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को पूर्व आईएएस पुरुषोत्तम बियानी, पूर्व आईपीएस ललित माहेश्वरी, न्यायिक सेवा से जुड़े बृजेश डांगरा एवं पूर्व आईएफएस गौरीशंकर आगीवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष शिक्षा रमेश कुमार सोमानी, महासचिव शिक्षा नटवर लाल अजमेरा, कोषाध्यक्ष सीए. नटवर सारड़ा, समाज महामंत्री गोपाल लाल मालपानी सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

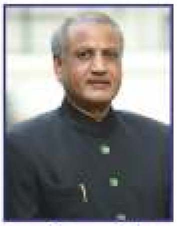

प्रदीप बाहेती
अध्यक्ष

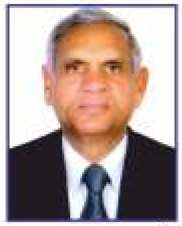

नटवर लाल अजमेरा
महासचिव शिक्षा

Sanskriti
Pre Primary School

एमपीएस संस्कृति, तुलसी मार्ग, बनीपार्क

जब तक जीवन है, तब तक सीखते रहना चाहिए, क्योंकि अनुभव ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।

Labour's day– 1 मई 2022

बच्चों को श्रम ओर मेहनत का अर्थ समझाने के लिए स्कूल परिसर में 2 मई को मजदूर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने-अपने स्कूल के सहायक कर्मचारी तथा गार्ड को फूल व कार्ड देकर तथा मिठाई खिलाकर उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

Mother's Day– 8 मई 2022

भगवान हर जगह नहीं आ सकते इसलिए उसने माँ को बनाया। 7 मई को स्कूल परिसर में mother's day celebration किया गया।

बच्चों से अपनी माँ के निश्छल प्यार के प्रति आभार प्रकट करने हेतु क्राफ्ट एक्टिविटी द्वारा क्राउन बनवाया गया तथा Mother's Day के दिन वह क्राउन पहनाकर अपनी माँ के नि:स्वार्थ प्रेम के लिए आभार प्रकट किया।

संस्कृति के बहु-प्रतीक्षित भवन का शुभारंभ

22 मई को C1/1, जयसिंह हाईवे पर संस्कृति के नूतन भवन का शुभारंभ हवन व पूजा के द्वारा किया गया। भारतीय संस्कृति के अनुसार हवन व मंत्रोच्चार द्वारा भवन का शुद्धिकरण किया गया। ई सी एम एस के चेयरमैन श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष श्री रमेश सोमानी, शिक्षा सचिव श्री नटवर लाल अजमेरा, संस्कृति के मानद सचिव श्री संजय काबरा, भवन सचिव श्री गिरधर झंवर, समाज महामंत्री श्री गोपाल लाल मालपानी, परिषद सचिव स्नेहलता साबू, भवन समिति के चेयरमैन, सचिव व सदस्य उपस्थित थे।

25 मई – लोकार्पण समारोह

माहेश्वरी बहुद्देशीय शिक्षण संस्थान भवन में संस्कृति बहुप्रतीक्षित भवन का लोकार्पण लोकसभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री राधाकृष्ण कोगटा, श्री अशोक बागला, व श्रीमती कमला बिहानी की विशिष्ट अतिथि के रूप में गौरवमयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर ई सी एम एस के सभी पदाधिकारी तथा समाज पदाधिकारी उपस्थित थे। संस्कृति का नूतन भवन नयी तकनीक तथा आधुनिक उपकरणों द्वारा सुसज्जित है। बच्चों को यहाँ सभी प्रकार की सुविधाएं जैसे नृत्य, तैराकी, कई तरह के खेल, रोल प्ले एक्ट, मोंटेस्सरी शिक्षा से अपने व्यक्तित्व को बेहतर तरीके से निखारने में मदद मिलेगी।

लोकार्पण समारोह के दिन बच्चे अपने स्कूल के नए भवन को देखकर अति उत्साहित हुए। लोकसभा अध्यक्ष भी बच्चों के बीच अपने को पाकर रोमांचित हुए। वे बच्चों के साथ बात करके व फोटोज खिंचवाकर आनंदित हुए। जुलाई से बच्चे इस नूतन भवन में शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। सभी समाज बंधुओं ने नए भवन का अवलोकन किया, उन्होंने सभी अत्याधुनिक सुविधाएं, आकर्षक डिजिटल कक्ष व बच्चों की सुविधानुसार आकर्षक फर्निचर को देखकर प्रशंसा की। अभिभावक व समाज बंधु ब्लैक/व्हाइट बोर्ड की जगह इंट्रेक्टिव पेनल बोर्ड से बच्चों को पढ़ाने की कला को देखकर रोमांचित हुए।

सभी समाज बंधुओं को महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनायें

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

माहेश्वरी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रताप नगर

माहेश्वरी कॉलेज में सत्र 2022-23 हेतु कॅरियर काउंसलिंग

माहेश्वरी कॉलेज के द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नवीन सत्र 2022-23 के लिए आवेदन की प्रक्रिया जारी है। प्रवेश प्रक्रिया से पहले छात्राओं को कॅरियर काउंसलिंग की सुविधा दी जा रही है, ताकि वे अपने कॅरियर के अनुसार विषय को चुन सकें। कॅरियर काउंसलिंग को करवाने का मुख्य उद्देश्य हैं, कि छात्रायें अपने कॅरियर का ऑप्शन सही रूप से कर सकें। कॉलेज में प्रवेश लेने से पूर्व छात्राओं को सभी विषयों की पूर्ण जानकारी नहीं होती है कि वे किस विषय में कौनसा कोर्स करके अपना भविष्य उज्जवल बना सकती हैं इसलिए उन्हें काउंसलिंग की जरूरत पड़ती है और इसी जरूरत को पूरा करने के लिए कॉलेज में करियर काउंसलिंग की सुविधा दी जा रही हैं।

इंगलिश स्पोकन एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन

कॉलेज में 26 मई 2022 को बालिका तथा महिलाओं के लिए नि:शुल्क इंगलिश स्पोकन एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि सांगानेर वार्ड 99 के पार्षद श्री रमेश शर्मा के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसमें महाविद्यालय के मानद सचिव श्री कैलाश अजमेरा, भवन मंत्री श्री सुनील मालपानी, हॉस्टल कन्वीनर श्री सांवरमल परवाल, श्री राजेन्द्र प्रसाद लड्ढा की भी उपस्थिति रही। अपने उद्बोधन में श्री रमेश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों को बालिकाओं एवं महिलाओं में कौशल विकास, व्यक्तित्व विकास, एवं रोजगार परक बताया।

कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रानू शर्मा ने बताया कि 12वीं पास बालिकाओं को ऑनलाइन चयन प्रक्रिया एवं वरीयता सूची के आधार पर राजस्थान नॉलेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के द्वारा चयनित किया गया है। 130 घंटे का यह प्रोग्राम राजस्थान सरकार की इंदिरा महिला शक्ति प्रशिक्षण कौशल संवर्धन योजना के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

महाविद्यालय के मानद सचिव श्री कैलाश अजमेरा ने कहा कि हमें हमारी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए किन्तु संपूर्ण विश्व से योग्यताएं एवं क्षमताओं के आदान-प्रदान के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान होना भी अत्यंत आवश्यक है इसलिए कॉलेज में सभी बालिकाओं व महिलाओं के लिए इंग्लिश स्पोकन एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत की गई हैं, जिसमे कॉलेज की छात्राओं के अतिरिक्त अन्य महाविद्यालयों की छात्राएँ भी इस प्रोग्राम का लाभ उठा रही है।

MAHESHWARI GIRLS HOSTEL
Managed by Maheshwari Girls PG College

माहेश्वरी गर्ल्स हॉस्टल में माहेश्वरी कॉलेज में अध्ययनरत छात्रायें, शहर के विभिन्न माहेश्वरी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राएं, अन्य विद्यालय की छात्राएं एवं अन्य महाविद्यालय की छात्राओं के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध है, जिनका संचालन माहेश्वरी कॉलेज द्वारा किया जाता है हॉस्टल में निम्न सुविधाएं उपलब्ध:-

- Erudite Envitonment
- Ventilated Single Seated AC / Non AC Rooms
- Gymnasium & Sports (Indoor/Outdoor) Facilities
- Hygienic, Healthy & Homemade Food
- Dining Hall with a Centralized Modern Kitchen
- Wi-Fi Enabled Campus
- Affordable Fee Structure
- Doctor on Call
- Power Backup
- Pantry Facility at all wings
- Recreational Room for Cultural Programs

उपलब्धियाँ

2019-2022 के कार्यकाल में उत्कृष्ट कार्यों के लिए, 29 मई 2022 रविवार को, स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को सम्मानित किया गया।

"Alone we can do so little, together we can do so much."

इंटरैक्ट क्लब, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर, जयपुर ने कोविड - 19 की चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान वंचितों और जरूरतमंदों के जीवन में ख़ुशी और मुस्कुराहट फैलाने का काम किया। यह सब विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक बैद के कुशल

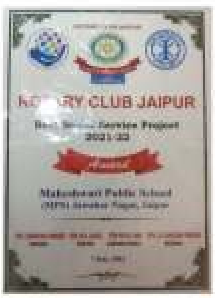

मार्गदर्शन के बिना संभव नहीं था। यह बहुत गर्व की बात है कि इस कड़ी मेहनत को रोटरी क्लब, जयपुर द्वारा सराहा गया और विद्यालय को 'सर्वश्रेष्ठ सामाजिक सेवा परियोजना 2021-22' से 7 मई, 2022को सम्मानित किया गया।

मालवीय नगर, डी ब्लॉक स्थित ज्ञान विहार स्कूल, में एम.टी.एस.जी रोचक मैथ्स एग्जाम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के दो छात्रों ने (शिव मित्तल और वत्सल बडाया class XI)प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कक्षा-4 के छात्र अंगद ने वाको इंडिया राजस्थान स्टेट किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप-2022 (WAKO India Rajasthan State Kick boxing Championship) में सिल्वर मैडल जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया।

कक्षा पांचवीं के छात्र प्रशम जैन को जयपुर शहर के जैन समाज द्वारा आयोजित संस्कृति गौरव रजत महोत्सव के अवसर पर संस्कार शिक्षण शिविर में 'रत्नाकर' सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रशम जैन को साफा पहनाया गया और प्रशस्ति पत्र व 3100/- रुपए की नकद राशि प्रदान की गई।

विश्व धरोहर विरासत दिवस

आओ हम अपने देश धरोहरों,
को बचाएं, क्योंकि यही हमारे,
वैभवशाली इतिहास की आँखें हैं।

दुनिया में कई ऐसी धरोहरें हैं, जो हमारे इतिहास और संस्कृति का एक अद्भुत नमूना हैं। इन धरोहरों का संरक्षण करना देश, पर्यटन विभाग, बल्कि पूरे देश की जिम्मेदारी है। इन सबकी तरफ ध्यान आकर्षित करने के लिए 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाते हैं। इस मौके पर विद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विश्व की प्रसिद्ध एवं पुरानी इमारतों, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों, कला एवं संस्कृति से संबंधित प्रश्न पूछे गए। कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस गतिविधि के माध्यम से छात्रों को इतिहास के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ उसके संरक्षण तथा वहाँ फैले प्रदूषण को रोकने के लिए प्रोत्साहित करना व पर्यावरण को बढ़ावा देना है।

विश्व पृथ्वी दिवस (WORLD EARTH DAY)

Let's Join Hand To Make Our Earth A Better Place .....!!

22 अप्रैल को, विश्व पृथ्वी दिवस यानी अपनी पृथ्वी को बचाने, सहेजने और श्रृंगार करने के संकल्प का दिन है, लेकिन अपनी पृथ्वी छलनी की जा चुकी है। पृथ्वी की हरियाली की ओढ़नी को भी छीन लिया गया है। इसलिए इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु अपना सहयोग देने के लिए प्रेरित करना है। शुक्रवार, 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस पर 'परिंडा लगाओ, पक्षी बचाओ' नारे के साथ विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए (PAREINDA) परिंडे बांधे गए। पृथ्वी को कैसे बचाएं इस विषय पर छात्रों ने अपने विचार रखे। इन्टरेक्ट क्लब (Interact Club) के छात्रों द्वारा सेंट्रल पार्क जयपुर (Central Park) में भी परिंडे बांधे गए। विद्यालय के प्राचार्य अशोक बैद ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि हर गुजरते साल के साथ जलवायु खराब होती जा रही हैऔर यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी प्रकृति को बचाने और संरक्षित करने में मदद करें।

अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस

नृत्य केवल एक कला नहीं है, यह व्यक्त करने, महसूस करने, प्यार करने, हंसने और सभी चिंताओं को भूलने की शक्ति है। डांस के प्रति लोगों में रुचि बढ़ाने और डांस से प्रेम करने वालों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर साल 29 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस (International Dance Day) मनाया जाता है। विद्यालय में प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों ने विभिन्न नृत्य रूपों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियाँ देकर समां बाँध दिया। प्राचार्य अशोक बैद ने छात्रों के प्रयासों की

सराहना करते हुए कहा कि नृत्य हमारे व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव पैदा करता है। हम हर दिन कुछ नया सीखते हैं, जिससे हमारा आत्मविश्वास बना रहता है।

मेरी माँ .... (Mother's Day)

माँग लूँ यह दुआ कि, फिर यही जहां मिले,
फिर वही गोद मिले, फिर वही माँ मिले।

बच्चा बड़ा हो या छोटा, उसकी माँ उसके दिल के सबसे करीब होती है। हमारे जीवन में सबसे खास जगह रखने वाली माँ हमारी हँसी के पीछे गम को भी झट से पहचान लेती है। माँ को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। माँ के इस प्यार और त्याग के प्रति प्यार जताने के लिए 8 मई को 'मदर्स डे' (Mother's Day) मनाया जाता है। ग्रीष्मावकाश होने पर 8 मई को बच्चों द्वारा वर्चुअल (online) मातृ दिवस मनाया गया। बच्चों ने अपनी माँ के साथ इस दिन को सेलिब्रेट (celebrate) करने के लिए उनके साथ वक्त बिताते हुए उनके लिए कार्ड बनाकर, मनपसंद डिश बनाकर, उपहार देकर, केक बनाकर, पूरे परिवार के साथ बाहर घुमाने ले जाकर उन्हें स्पेशल फ़ील करवाया। सभी मदर्स के लिए यह एक यादगार दिन था, जब उनके बच्चों ने अपने प्रदर्शन से उन्हें चौंका दिया।

Interact Club

On the occasion of MOTHER'S DAY, Interact Club MPS, Jawahar Nagar organised an activity of Make baby bags for poor mother's.

Making baby bags for poor mom's can go a long way. Children participated in the activity by making baby bags (feeding bottle, sipper, food, toys, clothes etc.) and distributed the bags to poor mother's in their surroundings.

मातृदिवस पर किया नमन

माँ का गुणगान शब्द सीमा से परे है,
अनंत आसमां से परे है, सागर की गहराई से परे है,
बस हो इतना हमसे, हाथ जुड़े हों और मस्तक झुका हो नमन में।।

mgps की संस्कारित छात्राओं ने भी माँ के समक्ष नतमस्तक होकर अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त किया। मौका था मातृ दिवस का। 8 मई को अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस के अवसर पर, अपनी-अपनी माँ के प्रति आदर, श्रद्धा, प्रेम को अभिव्यक्त करने के लिए छात्राओं ने विभिन्न माध्यमों को चुना। यह दिन एक होता है पर वास्तव में भावनाएँ तो शाश्वत होती हैं। इस अवसर पर छात्राओं ने चित्रकला, गायन, वादन और नृत्य को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम बनाया। कक्षा 1-12 तक की छात्राओं ने इसमें भाग लिया।

उड़ चले कदम

अब तुम मुझे ना रोक पाओगे
मेरे कदमों ने पंखों की उड़ान का दम भर लिया है।।

ऐसे ही भावों से भरी है mgps की अति प्रतिभावान छात्रा अविरल तिवारी।

अपनी अभिनय कला को और ऊँचाइयों की ओर ले जाते हुए बॉलीवुड की ओर कदम बढ़ा दिए। सुप्रसिद्ध अभिनेताओं सनी देओल व रविकिशन के साथ उनकी आने वाली फिल्म 'सूर्या' का हिस्सा बनकर अपनी अभिनय क्षमता का लौहा मनवाया। जयपुर में हुई इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग में बाल कलाकार के रूप में अविरल ने भाग लिया।

अपनी टीम का किया गठन

समय से पूर्व जो बाँध ले समय को,
वही खिलाड़ी मैदान फतह करता है।।

इस वाक्य को अपना ध्येय वाक्य बनाकर, mgps के खेल विभाग ने ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग खेल के मैदान में किया। खेल विभाग से जुड़े अध्यापक वृंद ने अपने-अपने क्षेत्र में (कबड्डी, खो-खो, बोलीबॉल, बास्केटबॉल आदि में) टीम के सदस्यों का चयन किया। प्रतिदिन विद्यालय के खेल मैदान में छात्राओं ने अपना पसीना बहाकर; अपने प्रशिक्षक के निर्देशों की पालना कर; अपनी विद्यालय की टीम में चयन के लिए खुद को साबित किया।

अपने लेख से किया जागरूक

कलम, स्याही और सोच के तिरंगे की कमान थाम कर जब शब्द गढ़े जाते हैं तो सीधा मस्तिष्क के धरातल पर नई सोच की फसल खड़ी हो जाती हैं। mgps की प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता वशिष्ठ ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रसिद्ध मासिक पत्रिका Scoo News के माध्यम से 'EMERGING EDUCATION TRENDS : EXPERIENTIAL LEARNING' विषय पर अपने विचार प्रकट किए।

Principals on Board

EMERGING EDUCATIONAL TRENDS: EXPERIENTIAL LEARNING

Worldwide | 09 May 2022

Dr. Sunita Vashistha

Vagrant vegetation punctuated with Gurukuls, learning inspired by the stalwarts of prudence and erudition; wit that has belied all darkness and dispelled doubts and indecision; times, undoubtedly, have changed and so are the needs but, what has persisted is to cater to the best to the posterity.

In more modern times when Gurukuls are remote

अपने रेखाचित्र से मोहा मन

mgps की प्रतिभावान छात्रा लावण्या राठौर ने अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल बाल मेले

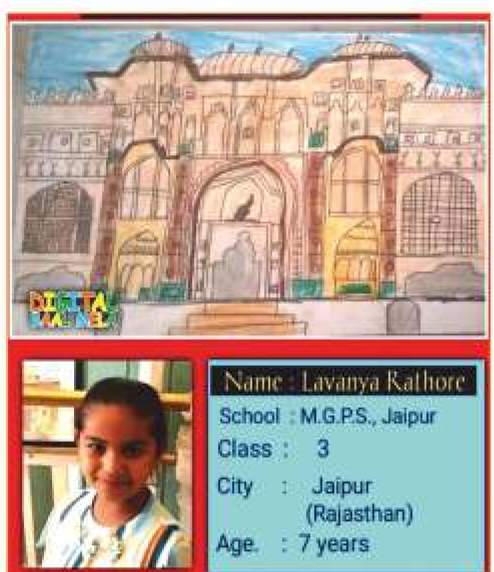

के अंतर्गत आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। लावण्या ने जयपुर के प्रसिद्ध द्वार 'सूरजपोल' को अपनी कला के माध्यम से केनवास पर फिर जीवंत कर दिया। कक्षा 3 की छात्रा के इस प्रयास की सभी ने सराहना की है।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर

"A Mother is she who can take the place of all others, but whose place no one else can take"

प्रकृति का अनुपम उपहार है माँ, बच्चों का दुलार है माँ।
जीवन संरचना का आधार है माँ, धरती पर भगवान है माँ।।

Saluting motherhood and the magical bond of love between mother and child, MPS Pratap Nagar celebrated Mother's Day on 8th May, 2022. With an objective to strengthen the bond and nurture the values, a gamut of activities were planned through which students could express their gratitude and affection towards their mother. A special video adorned with beautiful cards, photographs of mother-child duo, messages, slogans, dances, poems and songs by students was prepared and floated on the class groups on Sunday, May 8, 2022 along with a poem accentuating the glory of a mother in the class groups.

All performances exalted the mother as God, teacher, friend, philosopher and guide and emphasised the truth that a mother's love for her child is like nothing else in the world.

Inaugural Ceremony of Basketball Court and Play Station

जीत का जज़्बा सिखाते हैं खेल,
जीवन में उन्नति लाते हैं खेल ।
मानव की क्षमता तराशते हैं खेल,
साधारण को विशेष बनाते हैं खेल।।

With a view to ensure comprehensive growth to mind and body, and promoting the 'Khelo India' mantra of honourable Prime Minister, Shri Narendra Modi, MPS, Pratap Nagar unveiled its newly constructed All-Weather Basketball Court, Hoptop Basket and Play Station, Kids Kaboom in a formal inaugural ceremony held on May 26,2022.

The Ethereal Guest, Shri Vinod ji Kalani, eminent industrialist and philanthropist and the Guest of Honour, Shri Vinod ji Mandhana, renowned businessman and social worker, Shri Pradeep Baheti, Chairman, Shri Natwar Lal Ajmera, Gen. Secretary Education, Shri Mukesh Rathi, Honorary Secretary and distinguished members of Management graced the occasion with their benign presence.

The formal inauguration by the Ethereal Guest and Guest of Honour was followed by Volleyball and Kabaddi Match. A nukkad natak was also staged disseminating the significance of sports. The rejuvenating vibes of gaiety and mirth were spread in the ambience by heart throbbing dance performances by the students.

The guests acclaimed and extolled this futuristic endeavour and stated that it will create opportunities not only to polish students as the finest sports persons but also contribute in carving them as 'harmonious personalities' by imbibing true sportsmanship in them.

Shri Baheti, Chairman highlighted the benefits of being a sportsperson in life gives one insights into how to manage time and contributes in the holistic development of one's personality.

The programme concluded with a vote of thanks.

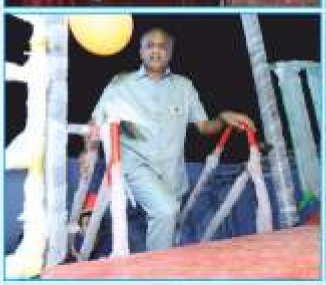

Retirement Function of Founder Teacher

आपकी यादें जहन में रहेंगी सदा, मुस्कराती वो सूरत नजर आएगी ।
स्वस्थ्य, सुखमय हो जीवन यही कामना, नव आशाएँ जीवन में सदैव नजर आएंगी।

Honouring the prodigious contribution and paying tribute to distinguished service of Ms. Asha Bhardwaj, Founder teacher to the institution, a retirement ceremony was organised in MPS,Pratsp Nagar on May 31,2022. Ms. Asha Bhardwaj accompanied by her family members was accorded a warm welcome. Shri Mukesh ji Rathi, Honorary Secretary, Shri Ram ji Chitlangiya and Shri Manish ji Modani , distinguished members of Management were also present in the event. On this occasion, Ms. Asha Bhardwaj was felicitated with a memento and bouquet. The Department of Science and the founder teachers also presented souvenirs as a mark of reminiscence and to express their fondness towards her. Ms. Reeta Bhargava, the Principal acknowledged the impact of her presence in school by admiring Ms. Asha Bhardwaj's persona in her remark and also conveyed best wishes for her life after retirement.

Summer Bonanza Camp- Splash, 2022

कुछ हुनर सीखे बिना, शख्सियत अधूरी है।
सबक किताबों के ही नहीं, जिंदगी के भी जरूरी हैं।।

'The greatest happiness comes from being vitally engaged in something that excites and invigorates all your energies'

Combining academic exploration with the energy, excitement, fun and frolic, Maheshwari Public School, Pratap Nagar organized 'Summer Bonanza Camp -Splash 2022', from 9th May, 2022 to 23rd May, 2022 for the twinkling stars and the youth brigade. During this rejuvenating summer camp, students engaged themselves with their peers and enjoyed a plethora of creative and rhetoric activities. They explored their creativity and learnt new skills. The activities that were organised included Arts & Crafts, Music (Vocal and Instrumental), Public Speaking, Self-Grooming, Yoga, Aerobics, Fitness Freak, Paper Art, Mehandi Art, Personality Development, Non Fire Cooking, Garnishing and more. It succeeded in hitting the coveted goal of making students confident, resilient and self-reliant by honing their skills.

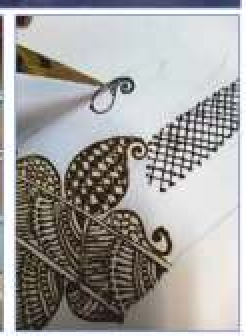

मई दिवस का आयोजन, बाँटे उपहार

एम.पी.एस. इन्टरनेशनल में मई दिवस के अवसर पर विद्यालय में कार्यरत श्रमिक वर्ग का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने श्रमिकों का सम्मान करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए व कहा कि वे विद्यालय की रीढ़ की हड्डी हैं जिनके बिना विद्यालय का संचालन नहीं हो सकता है। विद्यार्थियों ने 'ओ मितवा सुन मितवा' गीत पर नृत्य व 'आओ हाथ बढ़ाएँ' गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी। 'मेरा बाबा देश चलाता' कविता द्वारा श्रमिक वर्ग के महत्व को प्रदर्शित किया गया। विद्यालय के कर्मचारी श्री आनंद सैन ने 'मेरे देश की धरती' और 'हर करम अपना करेंगे' गीतों की मधुर प्रस्तुति दी। श्रीमती सीमा माहेश्वरी ने अंग्रेजी भाषा में अपने विचार व्यक्त किए और श्री सवाई सिंह ने विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए सभी श्रमिकों को अपने आशीर्वचन में पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर पहाड़ तोड़कर सड़क बनाने वाले दशरथ मांझी पर आधारित लघु नाटिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर श्रमिक कर्मचारियों के लिए रोचक खेलों का आयोजन भी किया गया। प्राचार्या ने विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए सभी को श्रमिक दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

धरती पर ईश्वर का स्वरूप है 'माँ'

विश्व मातृ दिवस पर विद्यार्थियों ने जीवन में माँ के महत्व को स्वीकार करते हुए कहा कि ईश्वर हर जगह हमेशा मौजूद नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया। माँ ही हमारी

प्रथम शिक्षिका है जो हमें जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ना सिखाती है। माँ की सकारात्मक और ममतामयी सोच हमारी हर मुश्किल को आसान बना देती है। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर कविता, नृत्य, कार्ड व पसंदीदा व्यजंन बनाकर माँ के प्रति अपनी भावना को व्यक्त किया। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह व उप-प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा ने सभी शिक्षकों को मातृ दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

समर कैंप का आयोजन

शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के शारीरिक विकास और मनोरंजन को भी ध्यान में रखना अत्यंत आवश्यक होता है, इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए एम.पी.एस. इंटरनेशनल में 16 मई से समर कैंप का शुभारम्भ किया गया। इस समर कैंप में कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, ताईक्वांडो, नृत्य, गीता श्लोक पाठ, इंग्लिश स्पोकन, फ्रेंच, संगीत वाद्य, गायन और नाट्य कला जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। सभी गतिविधियाँ प्रशिक्षित अध्यापकों व कोच की देख-

रेख में की गईं। कैम्प के प्रथम दिन विद्यार्थी बहुत उत्सुक रहे। सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर गतिविधियों में भाग लिया। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने कहा कि ग्रीष्मावकाश के सदुपयोग के लिए समर कैम्प लाभदायक रहता है और इससे विद्यार्थियों की रचनात्मकता व सामंजस्यता के साथ मानसिक व शारीरिक विकास में भी वृद्धि होती है।

विशेष उपलब्धियाँ

अंतर विद्यालयी प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

अंतर विद्यालयी स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा पाँच की छात्रा आशना ने प्रथम स्थान व लोरी प्रतियोगिता में विद्यालय की कक्षा प्रथम की द्विजा व विदुषी माहेश्वरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी।

स्केटिंग प्रतियोगिता में प्राप्त किए गोल्ड व ब्रॉन्ज मेडल

विद्यालय में कक्षा 6 के छात्र दर्श राणा ने जयपुर रोलर जिला चैंपियनशिप स्केटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। साथ ही अकादमी स्तर पर स्केटिंग प्रतियोगिता में एक गोल्ड व एक ब्रॉन्ज मेडल भी प्राप्त किया। विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने दर्श को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

विशेष अवसरों पर शुभकामनाएँ:-

राष्ट्रीय प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या दिवस, मई दिवस, ईद-उल-फितर, भगवान परशुराम जयंती, आदि शंकराचार्य जयंती, मातृ दिवस, महाराणा प्रताप जयंती, अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं।

मदर्स डे

रुके तो चाँद जैसी है, चले तो हवाओं जैसी है,
वो माँ ही है...... जो धूप में भी छाँव जैसी है।

8 मई, 2022 को संपूर्ण विश्व में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी अपनी माताओं के प्रति प्रेम व उनका धन्यवाद ज्ञापित कर इस अवसर की सार्थकता सिद्ध की। कक्षा 1 व 2 के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के साथ सेल्फी खींचकर, कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों ने कार्ड बनाकर तथा उसमें संदेश लिखकर एवं कक्षा 6 से 9 के विद्यार्थियों ने कविता तथा गीत के माध्यम से इस अवसर को यादगार बनाया। विद्यालय मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने समस्त विद्यालय परिवार को मदर्स डे की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

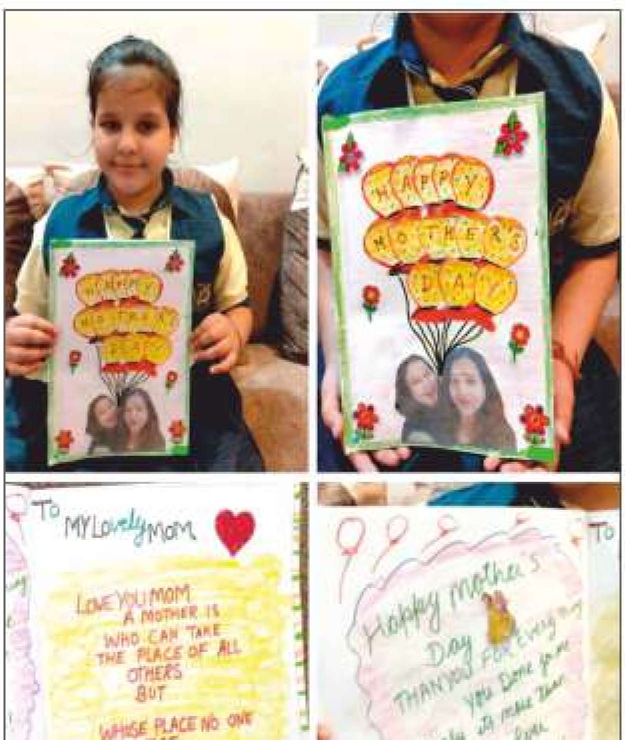

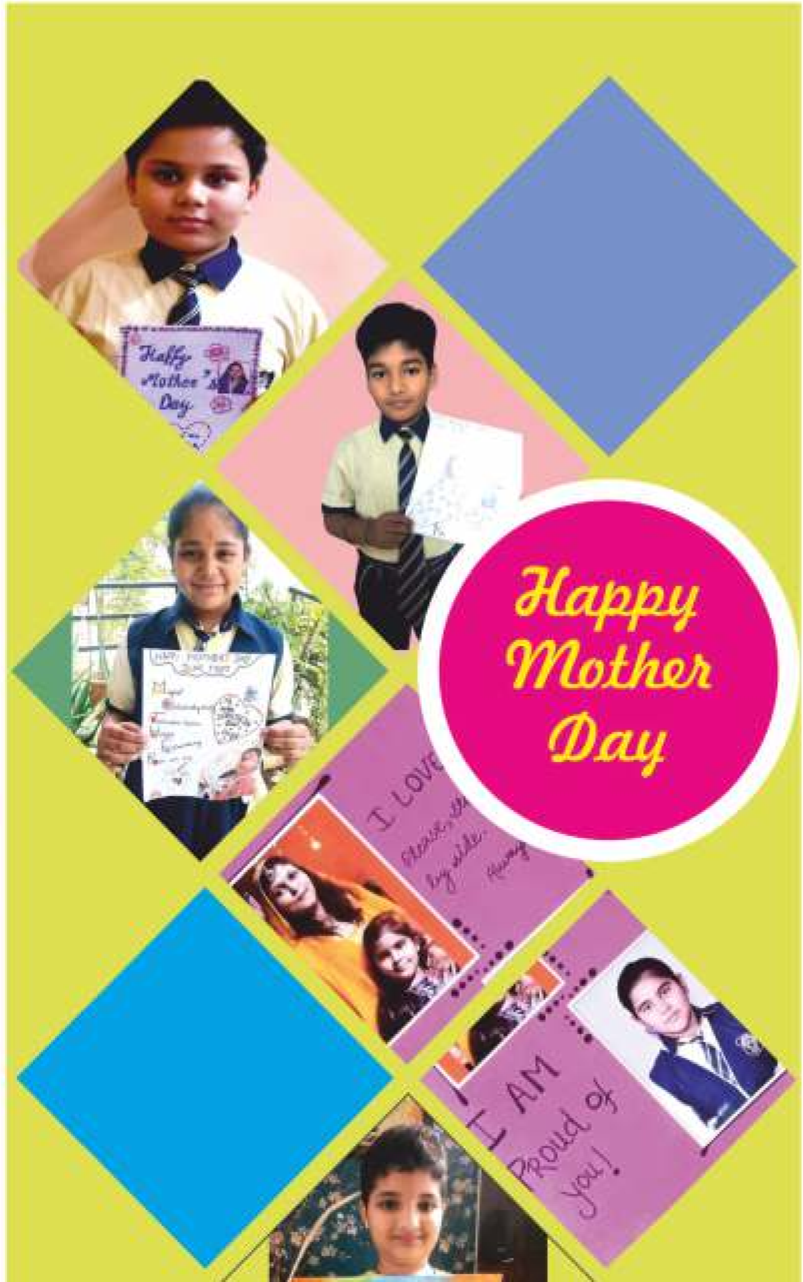

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, बगरू

ग्रीष्मकालीन कैंप

एक शिक्षण संस्था शिक्षार्थियों का मानसिक विकास ही नहीं करती बल्कि वह उनका शारीरिक विकास कर इस किताबी सैद्धांतिक ज्ञान को यथार्थ में परिवर्तित कर जीवन में उसके सदुपयोग एवं मनोरंजनपरक बनाने के लिए भी सदैव प्रयासरत रहती है। इसी को चरितार्थ करने के लिए माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अजमेर रोड, जयपुर में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में शारीरिक शिक्षकों के दिशानिर्देशन में विद्यालय खेल प्रांगणों में विद्यार्थियों के लिए बॉस्केटबॉल, हेंडबॉल, बैडमिंटन, स्केटिंग, 100, 200, 400 मीटर दौड़, रिले दौड़, बाधा दौड़ आदि खेलों का प्रशिक्षण दिया गया।

इस आयोजन में ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से शिक्षकों द्वारा नृत्य, संगीत गीत गायन, वाद्य-यंत्र बजाना, चित्रकला, हस्तकला, योग एवं एरोबिक व्यायाम की अनेक गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन 01 मई से 13 मई 2022 तक किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने इन गतिविधियों में पूर्णरुचि के साथ सानंद हिस्सा लेकर इस प्रचंड ग्रीष्मऋतु में रचनात्मकता से पूरित ज्ञानवर्धक मनोरंजन स्वास्थ्य लाभ किया। विद्यार्थियों ने अपनी क्रियात्मकता का परिचय देते हुए 'वेस्ट से बेस्ट' के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए बेजुबान परिंदों के लिए दाना-पानी हेतु पात्रों का निर्माण कर नैतिकता का परिचय दिया।

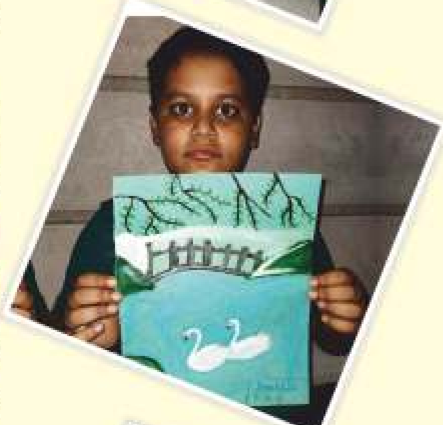

इंग्लिश स्पोकन क्लॉसेज

आज संपूर्ण विश्व समुदाय एक परिवार बन गया है। इस परिवार में वही मानव सफल है जो अन्य व्यक्तियों, कार्यालयों, संस्थाओं, संगठनों और विभिन्न भाषाओं तथा बोलियाँ बोलने वालों के साथ उचित प्रकार से संवाद कर सके। जिस व्यक्ति के पास भाषा का कौशल होगा, संवाद बोलने में कुशलता होगी वही व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल हो सकेगा। जो व्यक्ति समय, परिस्थिति और वातावरण के अनुकूल भाषा को प्रयोग करता है वह सभी का प्रिय हो जाता है, लोकप्रिय हो जाता है। इसीलिए इसी ग्रीष्मकालीन अवकाश कैंप में विद्यार्थियों को वैश्विक भाषा अंग्रेजी में दक्ष करने हेतु अंग्रेजी भाषा के विशेषज्ञ शिक्षाविदों द्वारा 'इंग्लिश स्पोकन क्लॉसेज' की भी समुचित व्यवस्था की गईं। जिनमें शिक्षार्थियों को त्रुटिरहित प्रवाहमयता के साथ यति-गति का ध्यान रखते हुए अंग्रेजी भाषा बोलना सिखाया गया।

कहानी प्रस्तुतीकरण

ग्रीष्मकालीन अवकाश कैंप में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर रोड में कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी में कहानी प्रस्तुतीकरण की गतिविधि का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस माध्यम से विद्यार्थियों को बताया गया कि कहानी का कहना मौखिक अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। कथावाचक विद्यार्थियों ने कहानी का चयन सोच-समझकर श्रोताओं की आयु, शिक्षा, रुचि के आधार पर स्वर के उतार-चढ़ाव, पात्रों व घटनाओं के अनुरूप भाषा का प्रयोग करते हुए पंचतंत्र, हितोपदेश, रामायण, महाभारत, पुराण, इतिहास आदि से या महान पुरुषों के बचपन से जुड़ी घटनाओं का आधार लेकर मनोरंजन, रोचक एवं प्रभावशाली शैली में कहानी प्रस्तुतीकरण किया।

'तंबाकू निषेध दिवस' पर एन.सी.सी. कैडेट्स ने तंबाकू छोड़ने का दिया संदेश

विद्यालय में संचालित '1 राज आर्म्ड स्क्वाड्रन' राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने मई माह 2022 की मासिक गतिविधियों के अन्तर्गत 31 मई को 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' मनाया।

इसमें कैडेट्स ने विभिन्न पोस्टर संदेशों, जागरूकता रैली तथा ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन कर युवाओं एवं तंबाकू का सेवन करने वाले लोगों को तंबाकू से सेहत पर होने वाले दुष्परिणाम के प्रति जागरूक किया तथा तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित किया।

प्राचार्य श्री अजय कुमार गुप्ता ने तंबाकू के खतरों और स्वास्थ्य पर इसके नकारात्मक व जानलेवा प्रभावों के बारे में कैडेट्स को जागरूक किया। इस अवसर पर कैडेट्स ने जीवन में गुटका, पान मसाला, जर्दा, खैनी, तंबाकू व अन्य किसी भी तरह का नशा नहीं करने और अन्य लोगों को भी इन व्यसनों से बचाने की शपथ ली।

12वीं विज्ञान और वाणिज्य संकाय के परिणामों में विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

एम.एच.एस. के विद्यार्थियों ने 12 वीं विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के बोर्ड परीक्षा परिणाम 2022 में शानदार प्रदर्शन करके विद्यालय का नाम रोशन किया।

मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड़ ने बताया कि विज्ञान संकाय में छात्र प्रियांशु जोशी 97.20 प्रतिशत, प्रनय भौमिक 97.00 प्रतिशत, राज शर्मा

94.80 प्रतिशत, नमो मीना 93.40 प्रतिशत, विकास मीना 93.20 प्रतिशत तथा वाणिज्य संकाय में अंश मित्तल 92.20 प्रतिशत, अनिरुद्ध चतुर्वेदी 91.20 प्रतिशत, अर्जुन शर्मा 90.80 एवं गौरव केडिया 90.80 प्रतिशत ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करके विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यार्थियों ने इसका श्रेय विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य एवं शिक्षकगण को दिया।

विज्ञान वर्ग में 162 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से और 27 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं तथा 13 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। वहीं वाणिज्य वर्ग में 95 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से व 36 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए तथा 4 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।

परीक्षा परिणाम में छात्र प्रियांशु जोशी ने 97.2 प्रतिशत अंकों के साथ विज्ञान वर्ग में व अंश मित्तल ने 92.2 प्रतिशत अंकों के साथ वाणिज्य वर्ग में विद्यालय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। श्रेष्ठ अंक अर्जित करने वाले मेधावी छात्रों को मानद् सचिव एवं प्राचार्य ने बधाई दी तथा माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत परिणाम के साथ विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

विद्यालय में 5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम 2022 में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 8 जून को घोषित बोर्ड परिणामों में विद्यालय की 5वीं और 8वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। 5वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में कुल 59 तथा 8वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में कुल 155 विद्यार्थी शामिल हुए, सभी परीक्षार्थियों ने श्रेष्ठ अंकों के साथ सफलता प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। श्रेष्ठ ग्रेड अर्जित करने वाले मेधावी छात्रों को मानद् सचिव एवं प्राचार्य ने बधाई दी।

'पुनीत सागर अभियान' के तहत सफाई अभियान चलाकर एन.सी.सी. कैडेट्स ने दिया स्वच्छता का संदेश

विद्यालय की '1 राज आर्म्ड स्क्वाड्रन' राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने आमेर स्थित मावठा, आसपास के क्षेत्र व सार्वजनिक उद्यान में 'पुनीत सागर अभियान' के तहत साफ-सफाई और श्रमदान कर लागों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अभियान के तहत कैडेट्स ने स्वच्छता का संदेश देते हुए सार्वजनिक स्थलों, समुद्र तटों, नदियों, झीलों सहित अन्य जल निकायों को प्लास्टिक कचरे, अपशिष्ट पदार्थों तथा अन्य सभी प्रकार के कचरे से मुक्त कर जलस्रोतों को साफ रखने और उनके संरक्षण का संदेश दिया। कैडेट्स ने विभिन्न पोस्टर संदेशों, कविता पाठ, वाद-विवाद, नुक्कड़ नाटक, रैली एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से क्षेत्रवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया तथा पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाने की शपथ ली।

विद्यालय सह शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. Framing New Words– विद्यालय में कक्षा 1 से 5 तक की छात्राओं के लिए नए-नए शब्दों की संरचना की जानकारी देने हेतु Framing New Words गतिविधि का आयोजन कक्षा-कक्ष में किया गया। जिसमें सभी छात्राओं ने उत्सुकतापूर्वक भाग लिया।
2. Book Mark Making– कक्षा 7 व 8 की छात्राओं के सृजनात्मक कौशल को उभारने के लिए Book Mark Making गतिविधि का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपने कौशल का परिचय देते हुए रंग बिरंगे पेपर को सुन्दर आकार देकर अपनी कल्पनाओं को साकार रूप दिया।
3. नारा लेखन (स्लोगन लेखन) गतिविधि का आयोजन– Stop War विषय पर कक्षा 7 व 8 की छात्राओं के लिए स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें बढ़-चढ़कर छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया।
4. अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता - 'Values Or wealth' Which one is necessary to survive? विषय पर कक्षा-12 की बालिकाओं के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी छात्राआ ने अपने वाक्-कौशल का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अन्तर्गत पक्ष में अंशिका व विपक्ष में दिव्या प्रथम रहीं।

मातृ-दिवस का आयोजन

विद्यालय में मातृ-दिवस का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। प्राथमिक कक्षाओं की छात्राओं ने अपनी माँ के प्रति अपने भाव विभिन्न रूपों में प्रस्तुत किए। बच्चों ने नृत्य-नाटिका, गायन, कविता आदि के साथ-साथ माँ के प्रति अपने प्रेम को अपने भाषण के माध्यम से भी अभिव्यक्त किया। छोटे बच्चों की प्रस्तुतियों से माहौल भाव पूर्ण हो गया।

रोटरी क्लब ने दिया सम्मान

7 मई, 2022 को रोटरी क्लब के तत्वावधान में विद्यालय की 13 छात्राओं को पर्यावरण रक्षा के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया व विद्यालय को प्रत्येक गतिविधि में सहभागिता निभाने के लिए 'एक्टिव इन्टरेक्ट क्लब अवार्ड' से नवाजा गया।

अन्त: सदन एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

10 मई, 2022 को विद्यालय में 10वीं कक्षा के लिए राजस्थानी लोक नृत्य विषय पर अन्त: सदन एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन धूमधाम से किया गया। निर्णायिका मंडल के रूप में विद्यालय की पूर्व छात्राओं श्रीमती अनुराधा माहेश्वरी (मालू) और श्रीमती शिवानी साबू सारड़ा को आमन्त्रित किया गया व उनका पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। नृत्य प्रतिभागियों ने राजस्थानी परिधानों में मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं जिससे मैत्रेयी सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा। विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारकादास मालू ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना की। कार्यवाहक प्राचार्य श्री प्रमोद जाजू ने समस्त छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

निर्णायक मंडल ने अपने वक्तव्य में आभार प्रकट करते हुए कहा कि, इस रंगारंग कार्यक्रम में उपस्थित होकर वे स्वयं को धन्य महसूस कर रही हैं। इस कार्यक्रम में प्रथम स्थान आयशा खान व द्वितीय स्थान भूमिका शर्मा ने प्राप्त किया। विद्यालय द्वारा निर्णायक मंडल को स्मृति स्वरूप स्मृति चिह्न भेंट किया गया। कार्यक्रम के अंत में उप प्राचार्या श्रीमती सरोज जोशी द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया।

नाटक का मंचन

07 मई, 2002 को मातृ दिवस के अवसर पर विद्यालय में 'महिला सशक्तीकरण' विषय पर कक्षा 12 की छात्राओं द्वारा नाटक का मंचन किया गया। इस तरह के नाटक के मंचन का उद्देश्य समाज में फैली सामाजिक बुराइयाँ जैसे- कन्या भ्रूण हत्या, संकीर्ण विचारधारा, लड़कियों की अशिक्षा से सम्बन्धित समस्याओं को उजागर करके लोगों को नवीन मानवीय मूल्य, आशावादी विचारों से परिचित कराना है। छात्राओं ने बढ़-चढ़कर अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन किया। उपस्थित अभिभावकों द्वारा छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की गई।

जगतपुरा में एमपीएस संस्कृति स्कूल का उद्घाटन

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ माहेश्वरी समाज (सोसायटी) की ओर से संचालित एमपीएस संस्कृति स्कूल की जगतपुरा महल रोड़ शाखा का उद्घाटन किया गया। स्कूल का उद्घाटन प्रमुख रत्न व्यवसायी और समाजसेवी श्याम सुंदर भूतड़ा और सांगानेर विधायक डॉ. अशोक लाहोटी ने किया।

इस अवसर पर डॉ. अशोक लाहोटी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज ने देश भर में अपनी ख्याति बनाई है। माहेश्वरी समाज को अब उच्च शिक्षा, तकनीकि शिक्षा के क्षेत्र में जाने की जरूरत है। समाज को अब अपनी यूनिवर्सिटी बनाने की जरूरत है, जो देश-दुनिया में अपनी पहचान बना सके।

माहेश्वरी समाज जयपुर के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने कहा कि प्री-प्राइमरी शिक्षा बच्चे की शिक्षा की नींव होती है, यह जितनी सुदृढ़ होगी, बच्चा शिक्षा में उतना ही मेधावी और परिपक्व होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए सोसायटी ने संस्कृति स्कूलों की शुरूआत की है। इन स्कूलों में जो संस्कारित शिक्षा दी जा रही है, वह बच्चे का भविष्य बनाने में सहायक होगी। उन्होंने कहा की एमपीएस संस्कृति स्कूल में पढ़ने वाले आगे की पढ़ाई के लिए किसी भी माहेश्वरी स्कूल में एडमीशन सुनिश्चित होगा।

कार्यक्रम में प्रमुख व्यवसायी एवं समाजसेवी श्याम सुंदर भूतड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर संस्कृति स्कूल भवन निर्माण समिति के चेयरमैन अनिल भूतड़ा और मंत्री अतुल लोहिया को मुख्य अतिथि ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष रमेश सोमानी, महासचिव शिक्षा नटवर लाल अजमेरा, कोषाध्यक्ष नटवर सारड़ा महामंत्री गोपाल लाल मालपानी सहित विद्यालय के भवन निर्माण समिति सदस्य सी.पी.लखोटिया, शैलेष फलोड़, शशिबिजय लखोटिया, अजय मालपानी, रामजी बाबू माहेश्वरी (बिलवा), चेतन मूंदड़ा, अशोक गट्टानी, रीतेश सोनी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

समाज बंधुओं द्वारा स्थापित कोषो में त्रुटि सुधार

गत क्र.	कोष का नाम	वर्ष 2021 के दौरान कोषों में वृद्धि/नये कोष	कोष की वर्तमान स्थिति	वर्ष 2021-22 में अर्जित ब्याज की राशि जो संबंधित सेवा कोष में हस्तांतरित कर दी गई
224	स्व.श्री द्वारका प्रसाद एवं स्व.श्रीमती गीता देवी मालपानी स्मृति सेवा कोष (हरमाड़ा वाले) (2019)	50000.00	101000.00	41160.00
260	श्रीमती शांति देवी गोपी चन्द मालपानी स्मृति कोष (2000)	51000.00	375392.00	13401.00
197	विजय कुमार, शरद जी मालपानी (मूर्ती वाले) सेवा कोष (2018)	00	72000.00	3600.00

नवदम्पत्तियों को सुखमय जीवन की शुभकामनाएँ

दिनांक	वर	वर के पिता/माता	वधू	वधू के पिता/माता
16.05.2022	शरद	श्री राजकुमार लढ्ढा	मोनिका	श्री नन्द किशोर तापड़िया
18.05.2022	यश	श्री दीपक माहेश्वरी	जूही	श्री राजेन्द्र कुमार माहेश्वरी
18.05.2022	सागर	श्री रमेश बियानी	सुरभि	श्री अरुण कुमार झंवर
18.05.2022	अंकित	श्री विनोद जी	मोनिका	श्री नन्द किशोर तापड़िया
20.05.2022	पुलकित	श्री घनश्याम सारड़ा	यशमिता	श्री सुनील लोईवाल
20.05.2022	मनीष	श्री महेश कुमार सारड़ा	प्रियंका	श्री पवन कुमार सोमानी
25.05.2022	आदित्य	श्री प्रदीप सिंह जी	शिप्रा	श्री गिरधर साबू
26.05.2022	वासु	श्री राजेन्द्र लखोटिया	पल्लवी	श्री राजकुमार मोहता
31.05.2022	आयुष	श्री रामनारायण मून्दड़ा	नंदिनी	श्रीमती नीलू झंवर
01.06.2022	भविष्य	श्री मदन मोहन माहेश्वरी (चितलांग्या)	स्पर्धा	श्री भगवान दास गट्टाणी
06.06.2022	अभिषेक	श्रीमती ममता देवी लढ्ढा	खुशबू	श्रीमती किरण बाहेती
07.06.2022	अर्पित	श्री अरविन्द जी	साक्षी	श्री प्रदीप कुमार माहेश्वरी
08.06.2022	अमित	श्री केदारमल धूत	नीतीशा	श्री रामावतार जी
09.06.2022	मितुल	श्री महावीर प्रसाद मालपानी	साक्षी	श्री पवन सोमानी
11.06.2022	आयुष	स्व. श्री अजय जी	पूजा	श्री बृजलाल बिहानी
13.06.2022	आशीष	श्री नन्दलाल मून्दड़ा	दीपा	श्री गिरिराज माहेश्वरी

क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा परकोटा ने असहाय वर्ग को भोजन कराकर मनाई महेश नवमी

माहेश्वरी समाज के वंश उत्पत्ति दिवस पर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा परकोटा जयपुर द्वारा मानव सेवा हेतु बांगड़ हॉस्पिटल में असहाय वर्ग को भोजन कराया गया। अध्यक्ष ओमप्रकाश मांधना एवं मंत्री अनिल कुमार अत्तार ने बताया कि क्षेत्रीय सभा महेश नवमी के महोत्सव को मनाने के लिए यह निर्णय ले चुकी थी कि इस वर्ष यह उत्सव केवल माहेश्वरी परिवारों में ही नहीं वरन् सर्व समाज के साथ मनाया जाए। इसमें एक ऐसा कार्य हो जो मानव सेवा के तहत अनुकरणीय उदाहरण बने। कोषाध्यक्ष द्वारकादास जाजू संगठन मंत्री राम किशन सोनी ने बताया कि सभा के निर्णय को ध्यान में रखते हुए बांगड़ हॉस्पिटल में लगभग 1000 व्यक्तियों को भोजन कराया गया। सुंदर व्यवस्था के तहत पंक्तिबध होकर भोजन पाने वाले व्यक्तियों ने आहार ग्रहण किया एवं भगवान महेश की जय जय कार की। इस अवसर पर क्षेत्रीय सभा की पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ जिला सभा के अध्यक्ष नवल किशोर झवर एवं जयपुर नगर निगम हेरिटेज वार्ड 73 के पार्षद अमर सिंह गुर्जर की विशेष उपस्थिति रही।

तेरह वर्ष से निरंतर सेवारत
परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति

कुछ संस्थाएँ 'यथा नाम, तथा गुण' यानी 'जैसा नाम, वैसा काम' को चरितार्थ करती हैं। जयपुर की ''परामार्थ एवं आध्यात्मिक समिति'' ऐसी ही एक संस्था है। यह संस्था गत 13 वर्षों से समाज सेवा व धार्मिक क्रिया-कलापों में व्यस्त है। समिति शिक्षा, स्वास्थ्य, धर्म के क्षेत्र में परोपकार के कार्य कर रही है। समिति की ओर से प्रतिदिन एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा, बांगड़ परिसर व जे.के. लॉन हॉस्पिटल में मरीजों व परिजनों के लिए करीब एक हजार भोजन के पैकेट वितरित किए जाते हैं। समिति की ओर से एक नि:शुल्क होम्योपैथिक क्लीनिक भी चलाया जा रहा है। इसके अलावा समिति प्राकृतिक आपदाओं में भी प्रभावितों की सहायता करती है। कोरोना महामारी के समय भी समिति ने गरीब बस्तियों में खाद्य सामग्री वितरित की थी। गौशालाओं में चारा, कबूतरों को दाना आदि भी खिलाया जाता है। समिति न्यू सांगानेर रोड पर एक प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र में आने वाले लोगों को स्वल्पाहार करवाती है। प्रतिभाशाली बच्चों को भी समिति सम्मानित करती है।

चुनावी हलचल

माहेश्वरी समाज में फिर से,
चुनावों का दौर है आया
चारों तरफ चुनावी भाषणों का
परचम है लहराया
सारे माहेश्वरी बन्धु भी
हैं उत्सुक ये देखने को
किसका चुनावी राजनीति में
पलड़ा है भारी

अध्यक्ष पद कौनसा पुरुष जीतेगा
और कौन सी नारी
सब लगा रहे एड़ी चोटी का जोर
कर रहे प्रचार इतना
कि छूट न जाय एक भी छोर
जो जीतेगा जनता का मन
वहीं रहेगा कुर्सी के काबिल
खुशी होती है बहुत जब
सब होते हैं एक साथ शामिल

नहीं हूँ किसी के पक्ष और विपक्ष में
सिर्फ कहना चाहती हूँ दो शब्द निष्पक्ष में
वोट देना उसी को
जो असली हकदार है
गर समाज आगे बढ़ाना है
तो चुनना सही उम्मीदवार है

■ कविता फोफलिया

Satkaar Event & Decorators
Satkaar Caterers
WE CREATE MEMORIES

Deepak Bhandari
+91-9829051091
+91-9460951091

Rahul Jajoo
+91-9828112085

Your Trust & Safety is Our Responsibility

Wedding Planner & Event Management (Sangeet, Birthday Parties, Get Togethers)
Outdoor Food Catering, Online Sweets & Food Service's

Off. Add. :- 1156, Nirwan Marg, Jhotwara Road, Jaipur
Workshop Add. :- 21, Dayal Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur

1000/- के ऑर्डर पर डिलीवरी फ्री

Place Your Order (Before One Day):

Paytm 9024643576 or Cash on Delivery

अब जोडों के दर्द को सहने की जरूरत नहीं

Fast Track Knee Replacement

अन्य सेवाएं: हिप रिप्लेसमेन्ट
पोस्ट कोविड हिप बोन डेथ (AVN)
आर्थोस्कोपिक घुटने एवं कन्धे की लिगामेंट सर्जरी

- ☑ डबल चेक टेक्नीक
- ☑ कम दर्द टांके रहित
- ☑ बेहतरीन परिणाम
- ☑ छोटा सर्जरी प्रोसेस
- ☑ जल्द वॉकिंग
- ☑ सर्जरी के बाद न्यूनतम देखभाल

डॉ. अरुण परतानी

Additional Director
Joint Replacement, Arthroscopic
& Sports Injury Surgeon
Fortis hospital

For Patient Stories - practo.com/jaipur/arun partani & google/partani clinic

Quality Dental Care

- ☑ *Dental Implants*
- ☑ *Root Canal*
- ☑ *Ceramic or Porcelain Crowns*
- ☑ *Teeth Whitening*
- ☑ *Composite Filings*

And Many More........

DENTAL IMPLANTS

not only replace your teeth
but improve your confidence
and quality of life!

Dr. Bharti Partani
BDS, MDS
Prosthodontist & Implantologist

किफ़ायती दरों में Dental सेवाएँ माहेश्वरी डाइयग्नॉस्टिक सेंटर निर्माण नगर पर भी 9 am-12 pm तक उपलब्ध है।

PARTANICLINIC

M-21, Mahesh Colony, Tonk Phatak, Jaipur

For Queries ✆ 9783788887, 8742067974, 9887302501

आयकर विवरणी भरते वक्त रखें सावधानियाँ

नोटिस, पेनल्टी, डिफेक्टिव रिटर्न व रिफंड रुकने की समस्याओं से पाएं छुटकारा

वित्तीय वर्ष 2021-22 से संबंधित आयकर विवरणी ऐसे व्यक्ति जिनके खातों की ऑडिट नहीं होती है उनकी अंतिम तिथि 31 जुलाई 2022 है। यह सभी को पता है कि वर्तमान समय में इनकम टैक्स रिटर्न भरने के उपरांत उसकी प्रोसेसिंग ऑनलाइन हो रही है जिसे सिस्टम खुद कर रहा है किसी भी व्यक्ति का दखल नहीं है। रिफंड भी प्रोसेस ऑनलाइन सिस्टम के द्वारा हो रहा है। यहां भी किसी व्यक्ति का दखल नहीं है, ऐसी स्थिति में यह अत्यंत आवश्यक है कि हम किसी भी तरह की छोटी सी गलती भी ना करें जिससे रिफंड प्रोसेस होते वक्त या रिटर्न प्रोसेस होते वक्त सिस्टम के पैरामीटर्स मैच नहीं हों और हमें किसी तरह का नोटिस प्राप्त हो जाए या हमारी रिटर्न डिफेक्टिव हो जाए या हमारा रिफंड रुक जाए।

हमारी जिंदगी में पैन नंबर का बहुत महत्व है हम कुछ भी ट्रांजैक्शन करते हैं व्यापार करते हैं तो हमें पैन नंबर देना होता है। हमारा जीएसटी नंबर पैन से जुड़ा है आधार कार्ड भी अधिकांश पैन से लिंक है। हम बैंक से व्यवहार करते हैं प्रॉपर्टी में खरीद बेच करते हैं, शेयर्स का काम करते हैं, क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं जीएसटी का ट्रांजेक्शन करते हैं, ट्रैवलिंग करते हैं, ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करते हैं यह सभी क्योंकि प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से पैन से जुड़े होते हैं अत: इन सब की सूचना आयकर विभाग के पास में जाती है। इनको इनकम टैक्स रिटर्न में नहीं दिखाने की वजह से हम समस्या में पड़ सकते हैं।

<u>ऐसे ही कुछ बिंदु हम यहां बता रहे हैं जिस को ध्यान में रखते हुए ही रिटर्न फाइल करें।</u>

☑ आयकर रिटर्न फाइल करने के पहले इनकम टैक्स की वेबसाइट पर अपने स्वयं के अकाउंट में लॉगिन करें। वहां पर हमें कुछ रिपोर्ट्स दिखेंगी जिसमें AIS, TIS व 26 AS को अवलोकन करें इन रिपोर्ट्स में हमें बहुत सारे ट्रांजेक्शन जो कि हमारे द्वारा ही साल भर में किया गए है, परंतु उसमे से कुछ हम भूलवश या जानबूझकर रिटर्न में नहीं दिखाना चाहते वह सब जानकारियाँ यहां पर पहले से ही उपलब्ध है। रिटर्न भरते वक्त हम यह सुनिश्चित कर लें कि यह सभी जानकारियाँ हमारी रिटर्न में समावेश हो जाएं।

☑ रिटर्न भरने के पहले हम यह सुनिश्चित कर लें कि हमारी बैंक की डिटेल, अकाउंट नंबर और बैंक आईएफएससी नंबर सही डले हुए हैं। इन दिनों में यह देखा गया है कि कई बैंक के एक दूसरे में मर्ज होने के उपरांत आईएफएससी नंबर बदल गए, अकाउंट नंबर बदल गए जबकि हम रिटर्न में जो पुरानी डिटेल है उसे ही रहने देते हैं इस वजह से हमारा रिफंड अटक जाता है। हम इनकम टैक्स की साइट पर हमारे खाते से यह भी सुनिश्चित कर लें कि किसी भी तरह की पुराने सालों की डिमांड तो बाकी नहीं है क्योंकि सिस्टम ऑटोमेटिक ही पुरानी डिमांड को एडजस्ट कर लेता है अत: यदि किसी तरह की पुरानी डिमांड है तो उसका निस्तारण करें ताकि आपका रिफंड पूरा प्राप्त हो जाए।

☑ आजकल आयकर विभाग का इस और ज्यादा ध्यान है कि मकान किराए से जो इनकम प्राप्त हो रही है वह मकान मालिक आयकर विवरणी में दिखाकर पूरा टैक्स दे रहा है या नहीं इसके साथ ही इस बात पर भी ध्यान है कि कर्मचारी मकान किराया भत्ता की छूट गलत तो नहीं ले रहा है अत: यह नियम बनाए गए हैं कि कर्मचारी ₹ 1,00,000 वार्षिक से अधिक का किराया चुका रहा है तथा मकान किराए भत्ते की छूट ले रहा है तो उसे मकान मालिक का पैन नंबर देना अनिवार्य है। इसके साथ ही मकान मालिक भी पूरा टैक्स जमा कराएं इसके लिए नियम बना रखे हैं कि किराएदार यदि मकान मालिक को ₹ 50,000 प्रति माह से अधिक का किराया चुका रहा है तो उसे टीडीएस काटना अनिवार्य है। रिटर्न भरते वक्त इन प्रावधानों का ध्यान रखें।

☑ रिटर्न भरने के उपरांत उसका वेरीफिकेशन करना अनिवार्य है यदि ऐसा नहीं करते हैं तो वह रिटर्न यह मानी जाएगी कि आपने भरी ही नहीं है जिसकी पेनल्टी भी लग सकती है तथा यदि आपका कोई रिफंड बनता है तो वो भी रुकेगा। रिटर्न वेरिफिकेशन के कई तरीके हैं जिसमें सबसे सरल तरीका आधार के थ्रू वेरिफिकेशन का है अत: यह भी सुनिश्चित कर लें कि आप के आधार कार्ड में जो फोन नंबर रजिस्टर्ड है वह आपके पास चालू हालत में उपलब्ध है यदि ऐसा नहीं है तो तो आप अपना फोन नंबर जो चालू है उसे आधार कार्ड में रजिस्टर्ड कराएं तथा रिटर्न को ई वेरीफाई ही करने की कोशिश करें।

☑ आयकर विभाग किसी भी तरह के नोटिस, सूचना, डिमांड अब फिजिकल फॉर्म में नहीं भेजता है या तो यह आपको आयकर विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध होती है या आपको मेल व एसएमएस के थ्रू प्राप्त होती है अत: रिटर्न भरने के पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आपकी मेल आईडी व फोन नंबर सही डाले हुए हैं ताकि आयकर विभाग द्वारा दिए गए नोटिस की सूचना आपको समय पर मिल जाए।

☑ आयकर विभाग द्वारा किसी भी डिफेक्ट की सूचना देने के उपरांत एक समय सीमा में उसका जवाब देना आवश्यक है। ऐसा नहीं करने पर विभाग द्वारा डिमांड निकाल दी जाती है। कई बार यह देखा जाता है कि जवाब देने में लापरवाही होने पर उस डिमांड को हटाने के लिए हमें अपील तक में जाना पड़ता है।

☑ आयकर विवरणी भरने के पहले यदि हम उपरोक्त बिंदु व अन्य जरूरी बिंदुओं को ध्यान में रखेंगे तो निश्चित रूप से हम ई प्रोसेसिंग का लाभ प्राप्त कर सकेंगे वह हमें किसी भी तरह के नोटिस वगैरा की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

■ सीए नटवर सारडा

BAHETI OPTICIAN

WHOLESALE DEALERS IN ALL KIND OF OPTICAL FRAMES & GLASSES & GOGGLES.

Mukesh Baheti
+91 98290 48022

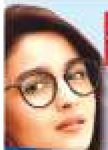

Ray-Ban | ELLE | VOGUE | fastrack | LACOSTE | TOMMY HILFIGER | ESPRIT

15% FLAT DISCOUNT FOR MAHESHWARIS ONLY

M : 9929076022

A-13, Mall Road, Sector-1, Vidhyadhar Nagar, Jaipur-13

Shree Krishna Group

जय श्री कृष्णा प्रोपर्टीज एण्ड बिल्डर्स

Reg. No.-SCA/2016/14/993369

- डूप्लेक्स/विला/फ्लेट
- खाली भूखण्ड/रेन्टल इन्कम प्रोपर्टीज
- व्यवसायिक/औद्योगिक भूखण्ड क्रय-विक्रय हेतु
- शॉर्ट टाईम व लोंग टाईम इन्वेस्टमेंट

बिल्डिंग मेटेरियल सामान सहित भवन निर्माण हेतु

भवानी माहेश्वरी (छापरवाल) 9314651206

H.O. श्री श्याम मन्दिर के पास, रोड़ नं. 5 के सामने, मुरलीपुरा, सीकर रोड़, जयपुर
B.O. गाँधी पथ, वैशाली नगर, जयपुर 8766111100
skgroup.jaipur@gmail.com www.shreekrishnagroupindia.com

Ghanshyam Birla (Jimmy)
Mob. No. 9829013154
9314501179

BE

Birla ENTERPRISES

44, Gangori Bazar, Jaipur-302 001
Phone : (O) 91-141-2315324 ® 2322324
Website : www.birlaenterprises.com
Email : birlaenterprises@hotmail.com

Pradeep Somani

9352488758

NIRMIT PROPERTIES

TO-LET • SALE • PURCHASE

NIRMIT OPTICIANS

20% Discount

G-43, Dwarika Tower, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
E-mail : nirmit.opticians@gmail.com

MAKE IN INDIA

PURE STONE

TOPSTAR GRANITES

a Unit of Top Star Elect. (India) PVT. LTD.

F-596, Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Raj.)

Ph. +91 9414074924, 0141-2280720
www.topstargranites.com
sanjaytopstar@gmail.com
sales@topstargranites.com
topstareipl@gmail.com

Sanjay Kabra

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम

भारतीय जीवन बीमा निगम

- Pension Plan
- Income Continuity Plan
- Children Marriage / Education many more attractive plan
- Loan Liability etc....
- Care Health Insuran ce (Mediclaim) (Free Health Check-up Facility Available)
- Mutual Fund (SIP) Available

Our belief create and save

Free Policy Servicing also Available

Call : 9309337880

आलोक कुमार माहेश्वरी बम्बाला सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
email: alokkumarmaheshwari@gmail.com

SRSP

COLOUR ROOF

RELIABLE • DURABLE • ECONOMICAL
Colour Coated Profile Sheets

Kailash Mimani
+91- 8824118281
Harshit Mimani
+91- 8302003095

RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIALS
Colour Coated Sheets | Gutters | Flashings
Corners | Ridges Crimps | Installation Accessories

Road No.9A, VKI Industrial Area, Sikar Road, Jaipur - (Raj.)

Sparklez
Creating An Aura

Sharad Bagree
+91-9269099995
+91-9214145888

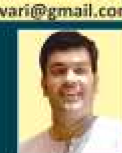

Weddings | Corporate | Photography
Catering | Birthday | Anniversary
Baby Shower & All Type of events

Registered in Utsav Maheshwari Bhawan

Address : F-255, Priyadarshini Marg, Shyam Nagar, Jaipur
E-mail : sparklezaura@gmail.com | https://m.facebook/sparklezjaipur/

EXIDE

DEALS IN

EXIDE BATTERY - TWO WHEELER, FOUR WHEELER & HEAVY VEHICLES
EXIDE INVERTORS & INVERTOR BATTERY
UPS BATTERY & SMF BATTERY

HARI OM BATTERY

HIND MOTORS

(SINCE 1965)

PLATINUM HIT DISTRIBUTOR	EXIDE POWER BRIGADE
HEMANT MACHHAR	HARI KISHAN MACHHAR
99287-89449	94140-73249

OPP. AGARWAL COLLEGE, AGRA ROAD, JAIPUR 302004

स्मृतिशेष स्वजनों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन

विगत दिनों हमारे समाज के कुछ बंधु/बहनें हमसे बिछुड़ गए। समाज अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से उनके शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदनाऐं प्रेषित हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिव्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

श्रीमती जमना देवी चाँडक
16.05.2022

श्रीमती बनारसी देवी बियाणी
24.05.2022

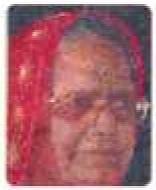
श्रीमती कृष्णा देवी दद्धड़
25.05.2022

श्रीमती लक्ष्मी देवी झंवर
25.05.2022

श्रीमती प्रेमलता झंवर
31.05.2022

श्रीमती शांति देवी फलोड़
31.05.2022

श्रीमती रूकमणी जाजू
01.06.2022

श्रीमती लक्ष्मी देवी बिहानी
06.06.2022

श्रीमती नीलम दम्माणी
06.06.2022

श्रीमती कान्ता देवी सात्रू
09.06.2022

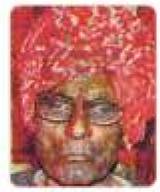
श्री दामोदर प्रसाद अजमेरा
11.06.2022

श्री कैलाश चन्द शारदा
13.05.2022

विद्युत चालित एवं पारदर्शी ''जागृति अन्तिम दर्शनिका''

अन्तिम संस्कार में देरी की संभावना हो तो, मृत शरीर को ज्यों का त्यों बिना बर्फ आदि के कई दिनों तक 'जागृति अन्तिम दर्शनिका' में अन्तिम दर्शन हेतु यथा स्थिति में आपके घर पर ही रखा जा सकता है। मृत शरीर के डीकम्पोज होने व इससे होने वाले संक्रमण से परिवार व मित्र बच पाते हैं। यह सुविधा 24 घण्टे पूर्ण रूप से निःशुल्क उपलब्ध है।

सम्पर्क सूत्र :- जयकृष्ण जाजू-98290 53031, सुदर्शन फोमरा-93140 36672, आनन्द दम्मानी-93145 00979

गणगौर सेवा केन्द्र

''गणगौर हाऊस'' प्लॉट नं. 166, सेक्टर-2, गणेश पार्क के पास, ''उत्सव'' जनोपयोगी भवन के पीछे, विद्याधर नगर, जयपुर। फोन : 2235363

मेडिकल इक्विपमेंट्स व फर्नीचर की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध

★ मेडिकल पलंग ★ व्हील चेयर ★ वाकर ★ स्टिक ★ टॉयलेट पॉट ★ टॉयलेट चेयर ★ बैसाखी ★ बैक रेस्ट ★ यूरिन पॉट

सम्पर्क करें :- **गणगौर बेसन शॉप,** खण्डेला हाऊस, चाँदपोल बाहर, बस स्टैण्ड के पास, झोटवाड़ा रोड, जयपुर, फोन : 0141-2283111

KDRC JAIPUR

कमल डाइग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर

O-5, हॉस्पिटल मार्ग, एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001

फोन : 0141-6452922, 2374777, 4039727

सुविधाएँ

★ **M.R.I. 1-5 Tesla** ★ **सी.टी. स्केन**

★ सोनोग्राफी (3D/4D) ★ कलर डॉपलर ★ डिजिटल एक्सरे

★ ईको ★ ई.सी.जी. ★ ई.ई.जी. ★ सी.टी.एम.टी. ★ एन.सी.वी. ★ बायोप्सी ★ एफ.एन.ए.सी. ★ ऑडियोमेट्री

एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध

सभी प्रकार के बायोकेमिकल, हेमटोलोजिकल लेबोरेटरी टेस्ट की सुविधा

डॉ. कमल अग्रवाल 98291-59029

निर्मल मूंदड़ा 98290-50202

डॉ. गौतम शर्मा 94140-74005

Students Aspiring for Excellence in School Performance, X/XII Boards, NTSE, KVPY, Olympiads, JEE Main/Advanced

And a Strong Foundation for Other Streams like Medical (NEET), Commerce, Arts, Pure Sciences etc. (During Classes VI to X)

FIITJEE is the only Institute of Real Substance?

- Small Batch Size
- Best Faculty
- myPAT- The best Examination & Analysis system
- Comprehensive Study Material
- Enabling Infrastructure
- Personalised Coaching

Yet Again Proven by the Dominant Results in JEE Advanced 2021

All India Rank 1 – Mridul Agarwal, Student of Intensive Contact Program (XII)

All India Rank 2 – Dhananjay Raman, Student of iDEAL - Two Year (VII - VIII) + Four Year Classroom Program (IX - XII)

All India Rank 3 – Anant Lunia, Student of Three Year Classroom Program (X - XII)

All India Rank 6 – Soni Naman Nirmal, Student of Intensive Contact Program (XII)

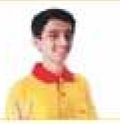

All India Rank 7 – Kartik Sreekumar Nair, Student of Two Year Classroom (IX & X) + PINNACLE - Two Year Integrated School Program (XI & XII)

All India Rank 8 – Chaitanya Aggarwal, Student of Grand Masters Package (XII)

Number of FIITJEE Students Topping their IIT Zone / State / City from FIITJEE's Long Term Classroom & Integrated School Programs only.

5 IIT Zone Toppers | 12 State Toppers | 22 City Toppers

6 in Top 10 | 12 in Top 20
24 in Top 50 | 42 in Top 100
All India Ranks

MPS Students share their experience with FIITJEE ...

AIR 862 in JEE Advanced 2021

Ashi Veerman | Two Year Classroom Program

AIR 872 in JEE Advanced 2021

Manan Kabra | Four Year Classroom Program

AIR 1304 in JEE Advanced 2021

Harsh Sharma | One Year Classroom Program

Gold Medalist
International Chemistry Olympiad (IChO) 2016

Valay Agarawal | Three Year Classroom Program

Scholarship Cum Admission Test

3rd, 10th & 24th July 2022

(Choose the Test Date which suits you the best)
The Test will be conducted in proctored online mode (can be taken from the safety of your home)

For Students Presently in Class VI, VII, VIII, IX, X, XI and XII/XII Appeared

2 out of every 3 Students from FIITJEE Jaipur Centre
make it to an IIT/NIT or IIIT and his consistency as been maintained since last 12 years!

FIITJEE JAIPUR CENTRE

J.L.N. Marg Campus: 3–A, D.L. Tower, Vidyaashram Institutional Area, J.L.N. Marg, Jaipur - 302017 | Ph: 0141-5198183, 8875555802, 8875555804
Vaishali Campus: 1st Floor, Vaibhav Multiplex, C-1, 'C' Block, Amrapali Circle, Vaishali Nagar, Jaipur - 302021 | Ph: 0141-4920319, 8875555802
Vidyadhar Nagar Campus: 302, 3rd Floor, Times Square, Central Spine, Vidyadhar Nagar, Jaipur - 302023 | Ph: 0141-4920318, 8875555804

स्वत्त्वाधिकारी श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक- मुद्रक गोपाल लाल मालपानी, महामंत्री द्वारा रेनबो प्रिन्टर्स, जयपुर से मुद्रित एवं श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003 से प्रकाशित। सम्पादक- रामदास कोठ्यारी